VPL
वर्ष 17 अंक 282
पृष्ठ 12
नई दिल्ली, रविवार
20 जुलाई 2025
मूल्य: 4 रुपये

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in
DELHIN/2015/65411
डाक पंजीयन सं. -DL(S)-17/3531/2018-20

03 दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जन्मदिन पर हरियाणा स्थित ... | 06 टैरिफ की धमकी और भारत का जवाब- ऋषभदेव शर्मा | 11 मोहम्मद शमी बंगाल की 50 सदस्यीय संभावित टीम में...

'इंडिया' गठबंधन के 24 दलों की ऑनलाइन बैठक संसद सत्र के दौरान सरकार को घेरने की रणनीति पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली, (भाषा) विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के 24 दलों के प्रमुख नेताओं ने शनिवार को ऑनलाइन बैठक की, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोके जाने, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावे, बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कई अन्य मुद्दों को लेकर संसद के मानसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, शिवसेना (उबाठा) के उद्धव ठाकरे, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और कुछ अन्य नेता शामिल हुए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने संवाददाताओं से कहा कि बैठक बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। उन्होंने कहा, "बैठक में सबका स्वर एक रहा।

सबसे ज्यादा प्राथमिकता का मुद्दा पहलगाम का है। नेताओं ने इस पर चिंता व्यक्त की है कि हमला करने वाले आतंकियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया है।'' तिवारी का कहना था कि ट्रंप के दावे और इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी के मुद्दे पर चर्चा की गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को ट्रंप के दावे पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कि नेताओं ने एसआईआर को लेकर चिंता जताई क्योंकि बड़ी संख्या में मतदाताओं के मताधिकार खोने का खतरा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सहमति भी बनी कि विदेश नीति, चीन और गाजा का विषय भी सत्र में उठना चाहिए। तिवारी के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार जिस तरह से देश के हितों के अनदेखी कर रही है, उसके खिलाफ विपक्ष एकजुट है। उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि संसद चले, लेकिन विपक्ष को मुद्दे उठाने का अवसर मिलना चाहिए और सरकार जवाब दे।''

तिवारी ने कहा कि पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री की जवाबदेही बनती है। उन्हें सदन में उपस्थित रहना चाहिए और जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में जारी मतदाता सूचियां के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा भी बैठक में उठा और उस पर चर्चा हुई। तिवारी ने कहा कि बैठक में देश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और महिलाओं पर अत्याचार का मुद्दा भी उठा। तिवारी ने कहा कि इस ऑनलाइन बैठक के बाद शीघ्र ही सभी नेताओं की एक प्रत्यक्ष बैठक होगी।

पहले यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर होनी थी, लेकिन कुछ प्रमुख नेताओं की दिल्ली में अनुपलब्धता के कारण यह बैठक डिजिटल माध्यम से आयोजित की गई। 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की बैठक लंबे समय बाद हुई है। इस बैठक से एक दिन पहले शुक्रवार को गठबंधन को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब आम आदमी पार्टी (आप) ने 'इंडिया' गठबंधन से दूरी बनाते हुए कहा कि वह अब विपक्षी गठजोड़ का हिस्सा नहीं है और इसका नेतृत्व करने में कांग्रेस पार्टी की भूमिका पर सवाल उठाया।

आम आदमी पार्टी के गठबंधन से दूरी बनाने से जुड़े सवाल पर तिवारी ने सिर्फ इतना कहा कि आज कुल 24 दल बैठक में शामिल हुए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा था कि मानसून सत्र के दौरान पहलगाम आतंकी हमले के हमलावरों के अब तक न्याय के कठघरे से बाहर रहने, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कुछ रक्षा अधिकारियों के खुलासे, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावे और चीन के विषय पर कम से कम दो दिनों की चर्चा होनी चाहिए तथा इस मांग को लेकर कोई समझौता नहीं हो सकता। रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा था कि विपक्ष यह मांग भी करेगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में आकर इन विषयों पर जवाब दें।

भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमान मार गिराए गए: ट्रंप का दावा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, (भाषा) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दावा किया है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान 'पांच विमान मार गिराए गए।'

साथ ही उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव उनके हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के लिए शुक्रवार को आयोजित रात्रिभोज के दौरान अपनी टिप्पणी में यह स्पष्ट नहीं किया कि किसी एक पक्ष के विमान मार गिराए गए या फिर वह दोनों पक्षों के नुकसान की बात कर रहे थे।

भारत सैन्य टकराव समाप्त कराने के ट्रंप के दावे को वस्तुतः खारिज करते हुए यह कहता रहा है कि अमेरिका की मध्यस्थता के बिना दोनों पक्षों ने अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाइयां रोकीं।

ट्रंप ने कहा, ''एक तरफ भारत और दूसरी ओर पाकिस्तान था। दोनों के बीच सैन्य टकराव जारी था। विमान मार गिराए जा रहे थे... चार या पांच विमान। मुझे लगता है कि वास्तव में पांच विमान मार गिराए गए थे... हालात बद से बदतर होते जा रहे थे, है ना?'' उन्होंने कहा, ''...दोनों के पास परमाणु

हथियार हैं और वे एक-दूसरे पर हमले कर रहे थे।'' अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी पर भारत की तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भारत ने हालांकि संघर्ष के दौरान विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की, लेकिन उसने इसका ब्यौरा देने से परहेज किया। वहीं, पाकिस्तान बिना कोई सबूत दिए यह दावा कर रहा है कि उसने छह भारतीय विमान मार गिराए हैं। भारतीय सेना ने इस दावे को खारिज कर दिया है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 31 मई को सिंगापुर में कहा कि संघर्ष में भारत को विमानों का नुकसान हुआ है, लेकिन उन्होंने विमानों की संख्या के संदर्भ में नुकसान का विवरण देने से इनकार कर दिया।

शीर्ष सैन्य अधिकारी ने कहा कि भारतीय सेना ने अपनी रणनीति में सुधार करते हुए पाकिस्तानी सीमा में काफी अंदर तक हमला किया। जनरल चौहान ने छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे को भी ''पूरी तरह से गलत'' बताते हुए खारिज कर दिया।

समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने संघर्ष समाप्त करने के अपने दावे को भी दोहराया। ट्रंप ने कहा, ''भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे से भिड़ रहे थे और स्थिति गंभीर होती जा रही थी। हमने व्यापार के जरिये इसका समाधान किया। हमने कहा 'आप लोग व्यापार समझौता करना चाहते हैं। अगर आप हथियार, शायद परमाणु हथियार से हमला करने वाले हैं तो हम व्यापार समझौता नहीं कर पाएंगे। दोनों ही बहुत शक्तिशाली परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं।'' उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने छह महीने में इतनी उपलब्धियां हासिल कर लीं, जितनी कोई भी अन्य प्रशासन आठ साल में भी हासिल नहीं कर सका।

ट्रंप ने कहा, ''मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमने बहुत सारे युद्ध रुकवाए, कई सारे युद्ध... और ये गंभीर युद्ध थे।'' ट्रंप 10 मई के बाद से विभिन्न अवसरों पर कई बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव खत्म कराने में मदद की और दोनों देशों से कहा कि यदि वे संघर्ष को रोक दें तो अमेरिका उनके साथ ''बहुत सारा व्यापार'' करेगा।

सनस्क्रीन के बारे में गलत जानकारी, वास्तविक दुनिया में इसके नुकसान

लंदन, (द कन्वरसेशन) एक धूप भरी दोपहर में, मैं सोशल मीडिया पर कुछ कर रही थी, तभी मेरी नजर एक वीडियो पर पड़ी, जिसमें एक युवती अपना सनस्क्रीन कूड़ेदान में फेंक रही थी। उसने कैमरे के सामने बोतल को एक सबूत की तरह उठाते हुए कहा, "मैं अब इन चीजों पर भरोसा नहीं करती"।

इस क्लिप को पांच लाख से अधिक बार देखा गया, तथा टिप्पणीकारों ने "रसायनों का त्याग करने" के लिए उनकी सराहना की तथा नारियल तेल और जिंक पाउडर जैसे घरेलू विकल्पों की सिफारिश की। डिजिटल प्रौद्योगिकी के स्वास्थ्य पर प्रभाव पर अपने शोध में मैंने देखा है कि इस तरह के पोस्ट वास्तविक दुनिया के व्यवहार को कैसे आकार दे सकती हैं। और, एक घटना के अनुसार, त्वचा विशेषज्ञों ने बताया है कि उन्होंने गंभीर 'सनबर्न' या संदिग्ध तिल वाले अधिक रोगियों को देखा है, जिन्होंने कहा कि उन्होंने इसी तरह के वीडियो देखने के बाद सनस्क्रीन का उपयोग करना बंद कर दिया।

सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों द्वारा फैलाई जा रही सनस्क्रीन संबंधी गलत जानकारी प्रसारित हो रही हैं और यह कोई अचानक चलन नहीं है। प्रभावशाली लोगों की सामग्री को होस्ट करने के लिए डिज़ाइन किए गए मंच भी इसे बढ़ावा दे रहे हैं।

अपनी किताब, 'द डिजिटल हेल्थ सेल्फ' में, मैं समझाती हूं कि सोशल मीडिया मंच जानकारी साझा करने के लिए तटस्थ मंच नहीं हैं। ये व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र हैं, जिन्हें लोगों की ऑनलाइन सहभागिता और समय का अधिकतम सदुपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है - ऐसे पैमाने जो सीधे विज्ञापन राजस्व को बढ़ाते हैं।

भावनाओं को जागृत करने वाली सामग्री - आक्रोश, भय, प्रेरणा - आपके फीड में सबसे ऊपर दिखाई जाती है। यही कारण है कि विज्ञान पर सवाल उठाने या उसे खारिज करने वाली पोस्ट अक्सर नपे-तुले, प्रमाण-आधारित सलाह से कहीं ज्यादा फैलती हैं। स्वास्थ्य संबंधी गलत जानकारियां इसी माहौल में पनपती हैं। सनस्क्रीन फेंकने की एक व्यक्तिगत कहानी इसलिए अच्छी लगती है, क्योंकि यह नाटकीय और भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाली होती है। एल्गोरिदम ऐसी सामग्री को ज़्यादा दृश्यता देते हैं: लाइक, शेयर और कमेंट, ये सभी लोकप्रियता का संकेत देते हैं।

उपयोगकर्ता द्वारा देखने या प्रतिक्रिया देने में बिताया गया प्रत्येक सेकंड प्लेटफ़ॉर्म को अधिक डेटा प्रदान करता है – और लक्षित विज्ञापन दिखाने के अधिक अवसर प्रदान करता है। इस तरह स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचना लाभदायक बन जाती है। अपने काम में, मैं सोशल मीडिया मंच को "अनियमित सार्वजनिक स्वास्थ्य मंच" के रूप में वर्णित करती हूं। अगर कोई प्रभावशाली व्यक्ति दावा करता है कि सनस्क्रीन जहरीली है, तो उस संदेश की न तो जांच की जाएगी और न ही उसे चिह्नित किया जाएगा - बल्कि अक्सर उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाएगा। क्यों? क्योंकि विवाद से जुड़ाव बढ़ता है।

मैं इस वातावरण को "विश्वसनीयता क्षेत्र" कहती हूं: एक ऐसा स्थान जहां विश्वास विशेषज्ञता के माध्यम से नहीं, बल्कि प्रदर्शन और सौंदर्य अपील के माध्यम से निर्मित होता है। जैसा कि मैंने अपनी पुस्तक में लिखा है: "विश्वास इस बात से अर्जित नहीं होता कि क्या ज्ञात है, बल्कि इस बात से अर्जित होता है कि कोई व्यक्ति अपने दुख, सुधार और लचीलेपन को कितनी अच्छी तरह से बयान करता है।"

यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने रूस पर नये प्रतिबंध लगाए

ब्रसेल्स, (एपी) यूरोपीय संघ (ईयू) और ब्रिटेन ने रूस पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ाते हुए मॉस्को के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और सैन्य खुफिया सेवा के कर्मियों को शुक्रवार को नये प्रतिबंधों से निशाना बनाया।

ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने कहा, ''संदेश साफ है : यूरोप यूक्रेन का समर्थन करने में पीछे नहीं हटेगा। यूरोपीय संघ तब तक दबाव बढ़ाता रहेगा, जब तक रूस अपना युद्ध समाप्त नहीं कर देता।''

कालास की यह टिप्पणी यूरोपीय संघ के तेल की कीमतों पर नयी सीमा लागू करने सहित अन्य नये उपायों पर सहमति जताने के बाद आई। उन्होंने कहा कि यह तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध के संदर्भ में ''रूस के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज'' है।

यह पैकेज ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय देश यूक्रेन के लिए अमेरिकी हथियार खरीदना शुरू कर रहे हैं, ताकि देश अपनी सुरक्षा बेहतर ढंग से कर सके। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने नये प्रतिबंधों का स्वागत किया। उन्होंने इस प्रतिबंधों को रूस के तीव्र हमलों के बीच ''समय पर उठाया गया आवश्यक'' कदम बताया।

जेलेंस्की ने कहा, ''रूस की ओर से युद्ध में इस्तेमाल सभी बुनियादी ढांचे को अवरुद्ध किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन यूरोपीय संघ के साथ अपने प्रतिबंधों को समन्वयित करेगा और जल्द ही खुद के अतिरिक्त उपाय पेश करेगा।

वहीं, क्रेमलिन (रूस का राष्ट्रपति भवन) के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने यूरोपीय संघ के इस कदम को खारिज करते हुए कहा कि "हम इस तरह के एकतरफा प्रतिबंधों को गैरकानूनी मानते हैं।"

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''साथ ही, हमें प्रतिबंधों से कुछ छूट भी मिली है। हम प्रतिबंधों के बीच जीने के लिए खुद को ढाल चुके हैं। हमें नये पैकेज का विश्लेषण करना होगा, ताकि इसके नकारात्मक प्रभावों को कम से कम किया जा सके।''इस बीच, ब्रिटेन ने रूस की सैन्य खुफिया सेवा, जीआरयू की इकाइयों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

प्रतिबंध सूची में 18 ऐसे अधिकारियों को भी शामिल किया गया है, जिनके बारे में ब्रिटेन ने कहा कि उन्होंने 2022 में दक्षिणी यूक्रेन के एक थिएटर पर बम हमले की योजना बनाने और एक पूर्व रूसी जासूस के परिवार को निशाना बनाने में मदद की थी, जिसे बाद में एक नर्व एजेंट के साथ जहर दिया गया था। मार्च 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तुरंत बाद मारियुपोल के थिएटर में हुए बम हमले में वहां शरण लिए हुए सैकड़ों नागरिक मारे गए थे।

ब्रिटेन का 'पावर वोकैबुलरी टूल' भारत में अंग्रेजी सीखने में कर रहा मदद

लंदन, (भाषा) ब्रिटेन स्थित भारतीय मूल के एडटेक उद्यमी द्वारा लोकप्रिय कहानियों का उपयोग करके तैयार किया गया एक अभिनव अंग्रेजी शिक्षण उपकरण अब भारत में बच्चों में साक्षरता के स्तर को सुधारने और अंग्रेजी बोलने को लेकर मौजूद अंतर को पाटने में मदद कर रहा है।

चैंप्स लर्निंग के संस्थापक निशिकांत कोठीकर द्वारा परिकल्पित 'पावर वोकेबुलरी' को मूल रूप से इंग्लैंड के स्कूली पाठ्यक्रम के लिए डिजाइन किया गया था, लेकिन यह भारत में बहुत प्रभावी साबित हुआ है, जहां अंग्रेजी दक्षता को शैक्षणिक सफलता और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अहम माना जाता है।

कोठीकर ने बताया, ''ज्यादातर लोग एक जैसे करीब 500 शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए हमारे बच्चे जो सुनते हैं, उसका अनुसरण करते हैं। अपनी शब्दावली ज्ञान का विस्तार करने का एकमात्र तरीका पढ़ना है। आप जितना ज़्यादा पढ़ेंगे, दायरा उतना ही व्यापक होगा और आपकी भाषा कौशल उतनी ही बेहतर होगी।''

कोठीकर ने बताया कि अपने स्वयं के शैक्षिक अनुभवों से उन्हें 'पावर वोकेबुलरी' बनाने की प्रेरणा मिली, ताकि विद्यार्थियों को रटने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर शब्दों को चित्रों और कहानियों के साथ जोड़कर अधिक आकर्षक शिक्षण पद्धति अपनाने में मदद मिल सके।

यह मॉड्यूल पारंपरिक शब्दावली ऐप्स या रटे-रटाए शब्द सूचियों से भिन्न होने का दावा करता है, क्योंकि यह कहानी-चालित और दृश्य-आधारित है।

पावर वोकेबुलरी चर्चित बच्चों के साहित्य से चुने गए शब्दों, इन शब्दों से जुड़ाव पैदा करने के लिए मजबूत दृश्य कल्पना, आसान ध्वन्यात्मक संकेतों के साथ ऑडियो उच्चारण गाइड और पुस्तक-आधारित मॉड्यूल के साथ संरेखित एक संरचित साप्ताहिक शिक्षण मॉडल की पेशकश करके कार्य करता है।

ऑनलाइन टूल का उपयोग करने वाले बच्चे आठ मॉड्यूल में आठ लोकप्रिय पुस्तकों से जुड़ते हैं, तथा उन्हें साप्ताहिक वीडियो द्वारा कहानी के संदर्भ में शब्दावली प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सर्न की नयी खोज से यह संकेत मिल सकता है कि ब्रह्मांड क्यों पदार्थ से बना है, प्रतिपदार्थ से नहीं

एडिनबर्ग (ब्रिटेन), (द कन्वरसेशन) बिग बैंग के कुछ ही क्षणों बाद ब्रह्मांड ने खुद को नष्ट क्यों नहीं कर लिया? यूरोपीय परमाणु अनुसंधान परिषद (सर्न) की ओर से फ्रांस-स्विट्जरलैंड सीमा पर स्थापित 'लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर' में एक नयी खोज हमें इस मूलभूत प्रश्न के उत्तर के और करीब ले आई है कि प्रतिपदार्थ पर पदार्थ क्यों हावी होता है। हम रोजमर्रा की जिंदगी में जो कुछ भी देखते हैं, वह ज्यादातर पदार्थ से बना होता है। लेकिन प्रतिपदार्थ बहुत कम मात्रा में पाया जाता है।

पदार्थ और प्रतिपदार्थ लगभग एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। पदार्थ के कणों का एक प्रतिपदार्थ प्रतिरूप होता है जिसका द्रव्यमान समान होता है, लेकिन विद्युत आवेश विपरीत होता है। उदाहरण के लिए, पदार्थ का प्रोटॉन कण प्रतिपदार्थ के प्रतिप्रोटॉन से जुड़ा होता है, जबकि पदार्थ का इलेक्ट्रॉन प्रतिपदार्थ के पॉज़िट्रॉन से जुड़ा होता है।

हालांकि, पदार्थ और प्रतिपदार्थ के बीच व्यवहार में समरूपता पूर्ण नहीं है। नेचर पत्रिका में इस सप्ताह प्रकाशित एक शोधपत्र में, सर्न में एलएचसीबी नामक एक प्रयोग पर काम कर रही टीम ने बताया है कि उन्होंने पदार्थ के कणों, जिन्हें बारियोन कहा जाता है, के क्षय की दर और प्रतिपदार्थ के उनके विपरीत कणों के क्षय की दर में अंतर पाया है।

एलएचसीबी का मतलब 'लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर ब्यूटी' है। यह सर्न द्वारा स्थापित लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (एलएचसी) के चार प्रमुख प्रयोगों में से एक है। कण भौतिकी में, क्षय उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें अस्थिर उप परमाणिक कण दो या अधिक हल्के, अधिक स्थिर कणों में परिवर्तित हो जाते हैं।

ब्रह्मांड संबंधी मॉडलों के अनुसार, बिग बैंग में पदार्थ और प्रतिपदार्थ बराबर मात्रा में बने थे। यदि पदार्थ और प्रतिपदार्थ कण संपर्क में आते हैं, तो वे एक-दूसरे का विनाश कर देते हैं और पीछे शुद्ध ऊर्जा छोड़ जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, यह आश्चर्य की बात है कि ब्रह्मांड केवल इस प्रक्रिया से बची हुई ऊर्जा से ही नहीं बना है।

हालांकि, खगोलीय प्रेक्षणों से पता चलता है कि ब्रह्मांड में पदार्थ की तुलना में अब प्रतिपदार्थ की मात्रा नगण्य है। इसलिए हम जानते हैं कि पदार्थ और प्रतिपदार्थ का व्यवहार अलग-अलग होना चाहिए, जैसे कि प्रतिपदार्थ गायब हो गया है जबकि पदार्थ नहीं। पदार्थ और प्रतिपदार्थ के बीच अंतर का अत्यधिक सटीक मापन अनुसंधान का एक प्रमुख विषय है क्योंकि इनमें इन नए मूलभूत कणों से प्रभावित होने और उन्हें प्रकट करने की क्षमता होती है, जिससे हमें उस भौतिकी की खोज करने में मदद मिलती है जिसके कारण आज हम जिस ब्रह्मांड में रहते हैं, उसका निर्माण हुआ। पदार्थ और प्रतिपदार्थ के बीच अंतर पहले एक अन्य प्रकार के कण, मेसॉन, जो क्वार्क और प्रतिक्वार्क से बने होते हैं, के व्यवहार में देखा जा चुका है।

एलएचसीबी से प्राप्त नये मापन में बारियोन और एंटीबारियोन के बीच अंतर पाया गया है, जो क्रमशः तीन क्वार्क और तीन एंटीक्वार्क से बने होते हैं। लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में एलएचसीबी प्रयोग को पदार्थ और प्रतिपदार्थ के व्यवहार में अंतर का अत्यधिक सटीक माप करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि एलएचसीबी से प्राप्त नया माप भी इस सिद्धांत के अनुरूप है, यह एक बड़ा कदम है। अब हम ब्रह्मांड के ज्ञात पदार्थ पर हावी कणों के समूह में पदार्थ और प्रतिपदार्थ के व्यवहार में अंतर देख चुके हैं। यह प्रक्रिया इसे समझने की दिशा में एक संभावित कदम है कि बिग बैंग के बाद वह स्थिति क्यों उत्पन्न हुई। एलएचसीबी के वर्तमान और आगामी डेटा रन के साथ हम इन अंतरों का फोरेंसिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे, और, हम आशा करते हैं, कि हम मौजूद नये मौलिक कणों के किसी भी संकेत का पता लगा पाएंगे।

बिजनेस एक्सप्रेस

संक्षिप्त खबरें

ओडिशा में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं: केंद्रीय मंत्री

भुवनेश्वर, (भाषा) केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने शनिवार को कहा कि ओडिशा में 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 2025-26 के बजट में राज्य को 10,599 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2009-14 के दौरान आवंटित किए गए 838 करोड़ रुपये से 12.5 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में 2,379 करोड़ रुपये की लागत से 59 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में आठ नई रेलवे परियोजनाओं, मल्टीट्रैकिंग और फ्लाईओवर कार्यों के लिए 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की गई है। सोमन्ना ने भुवनेश्वर स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्वी तट रेलवे (ईसीओआर) के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल भी उनके साथ थे। मंत्री ने कहा कि भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत किया जा रहा है और काम बहुत अच्छी गति से चल रहा है।

जेके सीमेंट का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 75.4 प्रतिशत बढ़कर 324.25 करोड़

नयी दिल्ली, (भाषा) जेके सीमेंट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 75.4 प्रतिशत बढ़कर 324.25 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 184.82 करोड़ रुपये था। जेके सीमेंट लिमिटेड (जेकेसीएल) ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जून तिमाही में उसकी परिचालन आय 19.4 प्रतिशत बढ़कर 3,352.53 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,807.57 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 13.2 प्रतिशत बढ़कर 2,919.83 करोड़ रुपये रहा। जेकेसीएल की कुल आय (अन्य आय समेत) जून तिमाही में 19.5 प्रतिशत बढ़कर 3,408.97 करोड़ रुपये रही। इस बीच, जेकेसीएल ने शेयर बाजार को दी एक अन्य सूचना में बताया कि शनिवार को आयोजित एक बैठक में उसके निदेशक मंडल ने राजस्थान के राजसमंद जिले के नाथद्वारा के पास छह लाख टन प्रति वर्ष सफेद सीमेंट आधारित दीवार पुट्टी संयंत्र की स्थापना करके कंपनी के विस्तार को मंजूरी दे दी। इसमें कहा गया, "विस्तार के लिए कुल प्रस्तावित निवेश 195 करोड़ रुपये अनुमानित है।"

इंडिया सीमेंट्स को जून तिमाही में 132.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नयी दिल्ली, (भाषा) इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड (आईसीएल) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 132.90 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 58.47 करोड़ रुपये रहा था। इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड अब अल्ट्राटेक सीमेंट की अनुषंगी बन गई है। आईसीएल ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी परिचालन आय समीक्षाधीन तिमाही में मामूली घटकर 1,024.74 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,026.76 करोड़ रुपये थी। आलोच्य तिमाही में आईसीएल का कुल खर्च 12.43 प्रतिशत घटकर 1,042.19 करोड़ रुपये रह गया। जून तिमाही में आईसीएल की कुल आय (अन्य आय समेत) मामूली रूप से घटकर 1,033.85 करोड़ रुपये रही। देश की अग्रणी सीमेंट विनिर्माता कंपनी अल्ट्राटेक ने दक्षिण स्थित इस सीमेंट निर्माता कंपनी में प्रवर्तक की हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

सेंट्रल बैंक का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 33 प्रतिशत बढ़कर 1,169 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,169 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि उसका मुनाफा मुख्य आय में सुधार और फंसे कर्ज में कमी से बढ़ा है।

पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में मुंबई स्थित इस बैंक का शुद्ध लाभ 880 करोड़ रुपये रहा था।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में 10,374 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,500 करोड़ रुपये थी।

बैंक की ब्याज आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 8,589 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8,335 करोड़ रुपये थी।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 2,304 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 1,933 करोड़ रुपये था।

बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ। जून तिमाही के अंत में सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर कुल कर्ज का 3.13 प्रतिशत रह गईं, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 4.54 प्रतिशत थीं। बैंक का कुल कर्ज जून तिमाही में 9.97 प्रतिशत बढ़कर 2,75,595 करोड़ रुपये हो गया, जो जून 2024 के अंत में 2,50,615 करोड़ रुपये था। इसी प्रकार, शुद्ध एनपीए या खराब कर्ज घटकर 0.49 प्रतिशत रह गया, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 0.73 प्रतिशत थे।

इससे, प्रावधान और आकस्मिक खर्च जून तिमाही के दौरान आधा होकर 521 करोड़ रुपये रह गए, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 1,191 करोड़ रुपये थे।

प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 0.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 96.17 प्रतिशत से बढ़कर 97.02 प्रतिशत हो गया।

बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) जून तिमाही में बढ़कर 17.6 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 15.6 प्रतिशत था।

अप्रैल-जून में कश्मीर से हस्तनिर्मित उत्पादों का निर्यात 300 करोड़ रुपये से अधिक

श्रीनगर, (भाषा) चालू वित्तवर्ष की पहली तिमाही में कश्मीर से हस्तनिर्मित उत्पादों का निर्यात 300 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग, कश्मीर के एक अधिकारी ने कहा, ''कश्मीर के प्रसिद्ध शिल्प क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, चालू वित्तवर्ष की पहली तिमाही में विभिन्न विदेशी गंतव्यों को 309.62 करोड़ रुपये के हस्तनिर्मित उत्पादों का निर्यात किया गया है - जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 126.90 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है।''

अधिकारी ने कहा कि यह पिछले चार वर्षों में पहली तिमाही के दौरान होने वाला सबसे अधिक निर्यात है। विभाग चालू वित्त वर्ष के दौरान 1,500 करोड़ रुपये से अधिक के शिल्प निर्यात का लक्ष्य बना रहा है। अधिकारी ने कहा, ''विदेशी गंतव्यों को शिल्प उत्पादों के बढ़ते निर्यात से कश्मीर के प्रसिद्ध कारीगरों और बुनकरों का कल्याण सुनिश्चित होता है।''

पिछले वर्ष, 733.59 करोड़ रुपये मूल्य के शिल्प उत्पादों का निर्यात किया गया था, जो विभिन्न वैश्विक संघर्षों के कारण काफी हद तक प्रभावित हुए थे।

अधिकारी ने आगे कहा, ''कनी, सोज़नी शॉल और हाथ से बुने कालीन निर्यात में अग्रणी बने हुए हैं, जबकि निर्यात किए जाने वाले अन्य उत्पादों में क्रूएल, पेपर माचे, चेन स्टिच और लकड़ी की नक्काशी वाली वस्तुएं शामिल हैं।''अधिकारी ने निर्यातकों से सरकार द्वारा अधिसूचित निर्यात सब्सिडी योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया।

कारीगर समुदाय के कल्याण के लिए सरकार की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए, अधिकारी ने कहा कि विभाग का यहां भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में एक डिजाइन स्टूडियो है और स्कूल ऑफ डिजाइंस एंड क्राफ्ट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट द्वारा परिकल्पित अनूठे प्रोटोटाइप हैं।

अधिकारी ने कहा, ''हम व्यावसायिक अंशधारकों से आग्रह करते हैं कि वे उच्च-स्तरीय वैश्विक बाजारों में अपने उत्पादों का मूल्यवर्धन करने के लिए इन डिजाइनों और पैकेजिंग मॉडलों का उपयोग करें।''

भारत, अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की: अधिकारी

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत और अमेरिका की टीमों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए 17 जुलाई को वाशिंगटन में पांचवें दौर की वार्ता पूरी कर ली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह वार्ता वाशिंगटन में चार दिन तक चली। अधिकारी ने कहा, "भारतीय टीम वापस आ रही है।" भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल वार्ता दल का नेतृत्व कर रहे हैं। ये विचार-विमर्श इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक अगस्त से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं, जब भारत सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क की निलंबन अवधि का अंतिम दिन है। इस साल दो अप्रैल को, ट्रंप ने इन उच्च जवाबी शुल्कों की घोषणा की थी। उच्च शुल्कों के कार्यान्वयन को तुरंत 90 दिनों के लिए नौ जुलाई तक और फिर एक अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का शुद्ध लाभ 581 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, (भाषा) एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 581 करोड़ रुपये हो गया। इसी तिमाही में 503 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि जून 2025 तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 5,189 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 4,278 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 3,769 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,378 करोड़ रुपये हो गई।

पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 26,364 करोड़ रुपये थी

यूनियन बैंक का शुद्ध लाभ अप्रैल-जून तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 4,116 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 4,116 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में मुंबई स्थित इस बैंक का शुद्ध लाभ 3,679 करोड़ रुपये रहा था।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जून तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 31,791 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 30,874 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की ब्याज आय बढ़कर 27,296 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 26,364 करोड़ रुपये थी।

हालांकि, तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय घटकर 9,113 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,412 करोड़ रुपये थी। बैंक का परिचालन लाभ भी आलोच्य तिमाही में 11 प्रतिशत घटकर 6,909 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 7,785 करोड़ रुपये था।

बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ। यह जून तिमाही के अंत में सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर कुल कर्ज का 3.52 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 4.54 प्रतिशत थी। जून 2024 के अंत में बैंक का कुल कर्ज 6.83 प्रतिशत बढ़कर 9,74,489 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,12,214 करोड़ रुपये था। इसी प्रकार, इसका शुद्ध एनपीए या खराब ऋण, एक साल पहले की समान तिमाही के 0.90 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 0.62 प्रतिशत रह गया। इससे, पहली तिमाही के दौरान खराब ऋणों के लिए बैंक का प्रावधान घटकर 1,153 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक साल पहले यह 1,651 करोड़ रुपये था। प्रावधान कवरेज अनुपात 93.49 प्रतिशत से बढ़कर 94.65 प्रतिशत हो गया, जो 1.16 प्रतिशत का सुधार है। इसी समय, बैंक ने कहा कि जून, 2025 के लिए परिसंपत्तियों पर रिटर्न (आरओए) जून, 2024 के 1.06 प्रतिशत से बढ़कर 1.11 प्रतिशत हो गया, जो 0.05 प्रतिशत का सुधार दर्शाता है। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) बढ़कर 18.3 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 17.02 प्रतिशत था।

विशेषज्ञों का एकीकृत एमबीबीएस-बीएएमएस के लिए संतुलित साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित एकीकृत एमबीबीएस-बीएएमएस पाठ्यक्रम को लेकर जारी तीखी बहस के बीच विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि दोनों विशेषज्ञताओं के बीच नैदानिक अनुभव और अनुसंधान सहयोग साझा करना भारत के लिए एकीकृत स्वास्थ्य सेवा में एक स्वर्णिम मानक स्थापित करने की कुंजी है।

हालांकि चिकित्सा पेशेवरों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं के बीच इस बात को लेकर चर्चा हो रही है कि क्या भारत अपने प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत कर सकता है?

वरिष्ठ प्लास्टिक सर्जन और ट्रिपल अमेरिकन बोर्ड-प्रमाणित चिकित्सक डॉ. अजय कश्यप ने कहा, "भारत शल्य चिकित्सा के जनक सुश्रुत का जन्मस्थान है और राइनोप्लास्टी (नाक का पुनर्निर्माण), मोतियाबिंद सर्जरी और गुदा-मलाशय सर्जरी जैसे उनकी शल्य चिकित्सा तकनीकें आज भी उपयोग में हैं।"

डॉ. अजय कश्यप की हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'द क्वेस्ट ऑफ सुश्रुत' इस प्राचीन शल्यचिकित्सक के योगदान की पड़ताल करती है और इस बात पर जोर देती है कि भारत, चिकित्सा पुनर्जागरण के कगार पर खड़ा है।

सर गंगा राम अस्पताल में लैप्रोस्कोपिक, लेजर एवं सामान्य शल्य चिकित्सा के अध्यक्ष और एकीकृत चिकित्सा के समर्थक डॉ. बीबी अग्रवाल ने कहा, "यह पूर्व बनाम पश्चिम या प्राचीन बनाम आधुनिक का मामला नहीं बल्कि मरीज के लिए क्या सबसे अच्छा काम कर सकता है, इसको लेकर है।"

उन्होंने कहा, "भारत के पास एकीकृत स्वास्थ्य सेवा में एक स्वर्णिम मानक स्थापित करने का अवसर है, लेकिन इसे वैज्ञानिक सत्यापन, नैदानिक परीक्षणों और मानकीकृत देखभाल प्रोटोकॉल के आधार पर स्थापित किया जाना चाहिए।"

अग्रवाल ने कहा, "व्यक्तिगत संरचना (प्रकृति), ऋतु में परिवर्तन और समग्र जीवनशैली समायोजन के आधार पर अलग-अलग उपचार सहित कई आयुर्वेदिक सिद्धांत वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रहे हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य केंद्र अब इन ढांचों से प्रेरणा ले रहे हैं, जिन्हें अक्सर 'एकीकृत स्वास्थ्य' के रूप में फिर से प्रचारित किया जाता है। विडंबना यह है कि भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति को बहुत कम महत्व दिया जाता है। फिर भी, चुनौतियां बनी हुई हैं।"

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश के कई हिस्सों में आयुर्वेद की वर्तमान पद्धति में अक्सर मजबूत नैदानिक परीक्षणों, मापनीय परिणामों और गहन समीक्षा वाले शोध का अभाव होता है।

कश्यप ने कहा कि एमबीबीएस और बीएएमएस (आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा स्नातक) के पाठ्यक्रमों को मिलाने से पहले साझा नैदानिक अनुभव और अनुसंधान सहयोग होना चाहिए।

उन्होंने कहा, "एमबीबीएस के विद्यार्थियों को आयुर्वेद को वैज्ञानिक रूप से समझने दें और बीएएमएस के विद्यार्थियों को निदान और आधुनिक आपातकालीन प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दें। एकीकरण प्रमाण-आधारित होना चाहिए।"

डीयू ने 71,000 से अधिक स्नातक सीटों के लिए पहली सीट आवंटन सूची जारी की

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शनिवार को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक में नामांकन के वास्ते पहली सीट आवंटन सूची जारी कर दी, जिसके साथ ही 'कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम' (सीएसएएस) का अंतिम चरण शुरू हो गया।

विश्वविद्यालय द्वारा शाम 5 बजे प्रकाशित सूची में 69 कॉलेजों द्वारा संचालित 79 स्नातक कार्यक्रमों में 71,624 सीटों के आवंटन शामिल हैं। वे उम्मीदवार जिन्हें सीटें आवंटित की गई हैं, उन्हें 21 जुलाई को शाम 4:59 बजे तक सीट ''स्वीकार'' करनी होगी। कॉलेज 22 जुलाई तक आवेदनों का सत्यापन और अनुमोदन करेंगे और इस चरण के तहत नामांकन शुल्क के भुगतान की अंतिम तिथि 23 जुलाई है।

विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि दूसरी सीएसएएस आवंटन सूची 28 जुलाई को शाम 5 बजे जारी की जाएगी। स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र एक अगस्त से शुरू होने वाला है।

दिल्ली में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद ईरानी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) भोपाल से चोरी करने के लिए दिल्ली आए ईरानी गिरोह के दो सदस्यों को शुक्रवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान मुर्तजा अली उर्फ दमार (38) और सिराज अली (40) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि पैरों में पुलिस की गोली लग जाने से वे घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि पुलिस को आरोपियों की गतिविधि के बारे में विशेष सूचना मिली थी, जिसके आधार पर इंद्रप्रस्थ पार्क के सामने मेरठ एक्सप्रेसवे टी-प्वाइंट के पास जाल बिछाया गया।

देर रात करीब साढ़े 12 बजे मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए संदिग्धों को रोका गया। अधिकारी ने बताया, ''पुलिस टीम द्वारा ललकारने पर दोनों ने गोलियां चला दीं, जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की।'' पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान आरोपियों ने चार राउंड फायरिंग की तो जबाव में पुलिस द्वारा भी तीन राउंड फायरिंग की गई। गोलीबारी के बाद दोनों आरोपियों को काबू कर लिया गया और अस्पताल ले जाया गया।

आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वे अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ चोरी करने के इरादे से भोपाल से दिल्ली आए थे। अब पुलिस उनके साथियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने में जुटी है।

अपराध एवं फोरेंसिक टीम ने निरीक्षण के लिए घटनास्थल का दौरा किया और भारतीय न्याय संहिता तथा शस्त्र अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत सनलाइट कॉलोनी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया।

मुर्तजा पर मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में लूट, चोरी तथा डकैती के 46 मामले दर्ज हैं। वह एक साल पहले जेल से रिहा हुआ था।

पुलिस के अनुसार, सिराज अली पहले बेल्ट और 'परफ्यूम' बेचने का काम करता था। भोपाल में उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने घटनास्थल से दो पिस्तौल, छह कारतूस और चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की।

नाबालिग के बयान को इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता कि एमएलसी में चोटों का जिक्र नहीं है : अदालत

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि सिर्फ इसलिए कि नाबालिग लड़की की मेडिकल रिपोर्ट में चोटों का जिक्र नहीं है, उसके साथ हुए हमले के बारे में उसके ''स्पष्ट बयान'' को खारिज नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने यह टिप्पणी की साथ ही एक निचली अदालत को एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के खिलाफ हमले और गलत तरीके से बंधक बनाने के आरोप पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया। यह मामला आरोपी की कंपनी में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने वाली कथित पीड़िता ने 2016 में दर्ज कराया था।

निचली अदालत ने व्यक्ति के खिलाफ बलात्कार और अप्राकृतिक यौन संबंध का आरोप तय किया था, जबकि उसे और उसकी पत्नी को मारपीट और गलत तरीके से बंधक बनाने के आरोपों से बरी कर दिया था।

न्यायाधीश ने 18 जुलाई के आदेश में कहा, ''केवल इसलिए कि अभियोक्ता की एमएलसी (चिकित्सा विधि प्रमाणपत्र) में चोटों का उल्लेख नहीं है, अभियोक्ता का यह स्पष्ट बयान कि उसे पीटा गया था खारिज नहीं किया जा सकता।''

निचली अदालत ने कहा था कि चूंकि लड़की के एमएलसी में किसी चोट का उल्लेख नहीं है, इसलिए भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत अपराध के लिए आरोप तय नहीं किया जा सकता।

अदालत ने यह भी कहा कि मजिस्ट्रेट के समक्ष सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज कराए गए अपने बयान में लड़की ने आरोप लगाया था कि उसके पेट पर लात मारी गई और उसका सिर दीवार पर मारा गया लेकिन एमएलसी में कोई चोट नहीं दिखाई गई और इससे आईपीसी की धारा 323 के तहत आरोप लगाने का कोई मामला नहीं बनता।

एमसीडी ने दो महीने में एक लाख से अधिक पोस्टर और होर्डिंग हटाए

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने सार्वजनिक स्थलों के विरूपण पर रोक लगाने को लेकर एक व्यापक अभियान चलाते हुए मई से जून के बीच विभिन्न क्षेत्रों में एक लाख से अधिक पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाए हैं। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी क्षेत्र इस अभियान में सबसे आगे रहा और 41,000 से अधिक पोस्टर, 2,812 बैनर और 4,733 होर्डिंग हटाये। वहीं, करोल बाग जोन से 14,922 पोस्टर और 3,209 बैनर हटाए गए। इसके अतिरिक्त नगरीय निकाय ने 100 से अधिक बैनर हटाए। एक समीक्षा बैठक के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के समक्ष ये आंकड़े प्रस्तुत किए गए।

दक्षिण, केशवपुरम और पश्चिम जोन में भी महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई और यहां शाहदरा उत्तर में 4,852 बैनर हटाए गए। दक्षिण क्षेत्र में 13,794 पोस्टर हटाए गए। नरेला, सेंट्रल और नजफगढ़ जैसे अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक अभियान चलाया गया, जहां हजारों अवैध पोस्टर और बैनर हटाए गए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जन्मदिन पर हरियाणा स्थित अपने पैतृक गांव का दौरा किया

चंडीगढ़, 19 जुलाई (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को 51वें जन्मदिन के अवसर पर अपने पैतृक गांव नंदगढ़ का दौरा किया और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में जन्मदिन मनाया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, ''आज का दिन मेरे लिए बहुत खास है। मुझे लगा कि मुझे यहां आकर अपनी जन्मभूमि को नमन करना चाहिए। नायब सिंह सैनी और मेरे पूरे हरियाणा परिवार ने मुझे बहुत प्यार और आशीर्वाद दिया। आज यहां कई परियोजनाओं के उद्घाटन के कार्यक्रम हैं। मैं हरियाणा सरकार और अपने बड़े भाई नायब सैनी का हमारे गांव के लिए किए गए सभी उत्कृष्ट कार्यों के लिए धन्यवाद करती हूं।''

गुप्ता और सैनी ने नंदगढ़ में एक 'ई-लाइब्रेरी' और एक 'इनडोर जिम' का उद्घाटन किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार हरियाणा के जींद जिले के जुलाना का दौरा किया और सैनी के साथ महाराजा अग्रसेन धर्मशाला का उद्घाटन किया।

एक सभा को संबोधित करते हुए गुप्ता ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने दो विश्वविद्यालय चुनाव, तीन नगर निगम चुनाव और तीन विधानसभा चुनाव लड़े। मैंने कुल आठ चुनाव लड़े। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मुझे अपने परिवार और समाज से अपार समर्थन मिला।'' उन्होंने कहा, ''जब भी मैंने दिल्ली में चुनाव लड़ा, हरियाणा के प्रत्येक व्यक्ति ने मेरा समर्थन किया और इस मंच से मैं सभी का धन्यवाद करती हूं।''

गुप्ता ने कहा कि केवल भाजपा में ही एक साधारण व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है।

उन्होंने कहा, ''यह गर्व की बात है कि एक साधारण परिवार का व्यक्ति नायब सिंह सैनी और एक साधारण परिवार की बेटी (जो खुद का जिक्र कर रही थीं) जिसकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, राज्य के शीर्ष पद पर बैठकर हर निर्णय लेने में भूमिका निभा रही हैं।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर भी निशाना साधा। गुप्ता ने कहा, उन्होंने (इंदिरा गांधी ने) अपने अलावा किसी और को आगे बढ़ने नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''आज एक सामान्य व्यक्ति भी बड़े सपने देख सकता है, आगे बढ़ सकता है, काम कर सकता है और भाजपा नेतृत्व उसे अवसर और मार्गदर्शन देता है।''

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में गुप्ता ने कहा कि दिल्ली उनकी कर्मभूमि है और हरियाणा उनकी जन्मभूमि है।

डिजिटल गिरफ्तारी कर दिल्ली के डॉक्टर से 15 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) साइबर धोखाधड़ी के लिए कमीशन पर कॉर्पोरेट बैंक खातों की व्यवस्था करने वाले एक बैंक कर्मचारी को पश्चिम बंगाल के कोलकाता से 'डिजिटल गिरफ्तारी' प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें दिल्ली के एक डॉक्टर से लगभग 15 लाख रुपये की ठगी की गई थी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान बुद्धदेव हाजरा (31) के रूप में हुई है, जो कई बैंकों के ऋण विभागों में काम कर चुका है।

उन्होंने कहा कि हाजरा ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है और उसने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर निवासी जॉन नामक व्यक्ति के प्रभाव में आकर कथित रूप से साइबर ठगों के लिए कमीशन पर कॉरपोरेट बैंक खाते उपलब्ध कराना शुरू किया था।

अधिकारी ने बताया कि दिल्ली निवासी डॉक्टर से 14.85 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में एक अन्य आरोपी मोहम्मद साहिन खान (30) को कर्नाटक के बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मध्य) ऋषि कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों से कम से कम 10 और शिकायतें आरोपियों द्वारा संचालित उन्हीं बैंक खातों से जुड़ी पाई गई हैं।

उन्होंने कहा, ''शिकायतकर्ता डॉक्टर ने आरोप लगाया कि उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद को फोन पर सरकारी अधिकारी बताया और उन्हें एक मनगढ़ंत कानूनी मामले में गिरफ़्तार करने की धमकी दी। फ़ोन करने वाले व्यक्ति ने डॉक्टर को 'डिजिटल गिरफ्तारी' से बचने के लिए 14,85,921 रुपये भेजने के लिए मजबूर किया।''

अधिकारी ने बताया कि साइबर थाने में शिकायत के बाद संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

2024-25 में महिला डिब्बों में अवैध रूप से प्रवेश करने पर 2,320 पुरुषों पर लगा जुर्माना

नयी दिल्ली, (भाषा) वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान दिल्ली मेट्रो में महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए 2,300 से अधिक पुरुष यात्रियों का चालान काटा गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

डीएमआरसी के अनुसार, दिल्ली मेट्रो रेलवे संचालन एवं रखरखाव अधिनियम के तहत कुल 2,320 चालान जारी किए गए हैं।

इसमें बताया गया कि मई में सबसे अधिक 443 मामले दर्ज किए गए हैं, उसके बाद अप्रैल में 419 और सितंबर में 397 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि दिसंबर 2024 में केवल एक व्यक्ति का चालान काटा गया है।

डीएमआरसी के अनुसार, दिल्ली मेट्रो रेलवे परिचालन एवं रखरखाव अधिनियम के तहत प्रत्येक अपराधी को 250 रुपये का जुर्माना देना होगा।

उन्होंने कहा कि जिन मामलों में व्यक्ति मौके पर जुर्माना अदा करने में असमर्थ होता है, वहां सीआईएसएफ या उड़नदस्ते के कर्मचारी चेतावनी देते हैं और उन्हें जाने देते हैं।

डीएमआरसी के एक अधिकारी ने बताया कि सीआईएसएफ के कर्मचारी यह अभियान संचालित कर रहे हैं। दिल्ली मेट्रो के विभिन्न स्टेशनों पर सीआईएसएफ के जवान तैनात हैं।

डीएमआरसी ने इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए कई जागरूकता उपाय भी शुरू किए हैं।

अधिकारी ने बताया कि जागरूकता उपाय के तहत ट्रेन और प्लेटफॉर्म पर नियमित घोषणाएं, डीएमआरसी के सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से डिजिटल अभियान और केवल महिलाओं के लिए डिब्बे के स्थान को दर्शाने वाले स्पष्ट संकेत शामिल हैं।

उप्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में 18 लोगों की मौत, उत्तराखंड, बंगाल और हिमाचल प्रदेश में अलर्ट

नयी दिल्ली, (भाषा) उत्तर प्रदेश में मानसून का कहर सबसे ज्यादा रहा और यहां बारिश से संबंधित घटनाओं में 18 लोगों की मौत हो गई। भारत मौसम विभाग ने शनिवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और केरल में भारी बारिश की चेतावनी जारी की।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जबकि अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के कुछ इलाकों में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और यातायात बाधित हुआ।

उत्तर प्रदेश में 18 जुलाई को रात आठ बजे तक 24 घंटे से अधिक की अवधि में 18 लोगों की मौत हो गई। कुल मौतों में से आठ की मौत अत्यधिक बारिश के कारण डूबने से हुई, जबकि दो की मौत सांप के काटने से हुई।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, चित्रकूट में 17 और 18 जुलाई को डूबने से दो मौतें हुईं, मुरादाबाद में 17 जुलाई को तीन और गाजीपुर में 18 जुलाई को एक व्यक्ति की डूबने से मौत हुई।

बयान में कहा गया है कि 18 जुलाई को भारी बारिश के बाद हुई घटनाओं में बांदा में तीन, महोबा और चित्रकूट में दो-दो तथा ललितपुर में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

राजस्थान में पिछले 24 घंटों में हुई भारी बारिश के कारण अजमेर, पुष्कर, बूंदी, सवाई माधोपुर और पाली सहित कई शहरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं।

भारी बारिश के कारण नदी-नाले और बांध उफान पर होने से कई गांवों का संपर्क टूट गया है। शुक्रवार रात टोंक के टोडारायसिंह क्षेत्र के गोलेरा गांव के पास बनास नदी में 17 लोग

फंस गए थे, जिन्हें बाद में एसडीआरएफ ने बचा लिया।

अजमेर के दरगाह क्षेत्र में कई लोग पानी के तेज बहाव में बह गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर उन्हें बचाया।

लगातार बारिश के कारण अजमेर की आना सागर झील उफान पर है तथा स्थानीय लोग पानी के बहाव को नियंत्रित करने के लिए रेत की बोरियों का उपयोग कर रहे हैं।

सबसे अधिक बारिश बूंदी जिले के नैनवा में 234.0 मिमी, नागौर के मेड़ता सिटी में 230 मिमी, अजमेर के मांगलियावास में 190 मिमी, अजमेर के नसीराबाद में 180 मिमी और प्रतापगढ़ में 160 मिमी दर्ज की गई।

जयपुर मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि शनिवार को जोधपुर संभाग में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि अजमेर और उदयपुर संभाग के कुछ इलाकों में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है। शनिवार से भरतपुर, जयपुर, कोटा और बीकानेर संभाग में भी भारी बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि रविवार से राज्य भर में बारिश की गतिविधियों में तेजी से गिरावट आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 27-28 जुलाई के आसपास पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश की एक नई लहर संभावित रूप से लौट सकती है।

दिल्ली में मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में सब्जी विक्रेता गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन से एक सब्जी विक्रेता को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से 200 ग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी राहुल नामक आरोपी को पुलिस ने 17 जुलाई को आनंद विहार रेलवे स्टेशन से सटे चौधरी चरण सिंह मार्ग के पास सर्विस रोड पर जाल बिछाकर गिरफ्तार किया था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''राहुल की तलाशी लेने पर उसके पास से 213.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उसके खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।''

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि राहुल उत्तर प्रदेश के बरेली से हेरोइन खरीदता था और उसे दिल्ली में अपने संपर्कों को भेजता था।

पुलिस ने बताया कि वह कूरियर का काम करता था और आनंद विहार जैसे व्यस्त परिवहन केंद्रों पर नियमित यात्रियों के साथ घुल-मिल जाता था ताकि पकड़े न जा सके।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने 12 वीं तक पढ़ाई की है और वह सब्जी बेचता है। उसने आर्थिक तंगी के कारण जल्दी पैसा कमाने के लालच में आकर मादक पदार्थ की तस्करी शुरू कर दी।

'रोटेटरी हेडशिप' नीति: संसद तक शांतिपूर्ण तरीके से मार्च करेंगे एम्स और पीजीआईएमईआर के संकाय सदस्य

नयी दिल्ली, (भाषा) फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ एम्स (एफएआईएमएस), दिल्ली और फैकल्टी एसोसिएशन ऑफ पीजीआईएमईआर (एफए-पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ अपने यहां संकाय सदस्यों को बारी-बारी से नेतृत्व का अवसर प्रदान करने से संबंधित नीति के तत्काल कार्यान्वयन की मांग करते हुए एक अगस्त को शाम पांच बजे जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) सभागार से संसद तक शांतिपूर्ण मार्च निकालेंगे। शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

उन्होंने एक संयुक्त बयान में कहा कि 'रोटेटरी हेडशिप नीति' एक महत्वपूर्ण शासकीय सुधार है, जिसे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जुलाई 2023 में अनिवार्य किया था।

यह निर्णय तीन महीने से अधिक समय तक हुए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के बाद लिया गया है।

बयान में कहा गया है कि निरंतर लोकतांत्रिक प्रयासों के बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है, जिसके कारण हमें यह अगला कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

'रोटेटरी हेडशिप प्रणाली' हार्वर्ड, ऑक्सफोर्ड, आईआईटी, आईआईएम, निम्हांस, जेआईपीएमईआर और अन्य संस्थानों में व्यापक रूप से प्रचलित है। इसके तहत सभी पात्र संकाय सदस्यों को निष्पक्षता व पारदर्शिता के आधार पर नेतृत्व का अवसर मिलता है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल की अध्यक्षता वाली एक बाह्य समिति ने दिल्ली के एम्स और चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर में इसके कार्यान्वयन की सिफारिश की थी।

इससे पहले 18 जुलाई, 2023 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक औपचारिक आदेश जारी कर जून-जुलाई 2024 तक इसके कार्यान्वयन को अनिवार्य कर दिया था।

बयान में कहा गया है, इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, दो शैक्षणिक सत्र बिना किसी कार्रवाई के बीत गए हैं, जिससे संकाय का मनोबल, शासन और हमारे प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों की विश्वसनीयता कम हुई है।

राहुल पारिवारिक अपराधों को संरक्षण देने के लिए अपने संवैधानिक पद का इस्तेमाल कर रहे: भाजपा

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अपने परिवार के अपराधों को ''संरक्षण'' देने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करने का शनिवार को आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता द्वारा अपने बहनोई रॉबर्ट वाद्रा का बचाव किए जाने पर भाजपा राहुल गांधी पर लगातार निशाना साध रही है। वाद्रा पर प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन का आरोप लगाया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संवाददाताओं कहा कि सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन ''आंतरिक कलह और बिखराव'' से जूझ रहा है।

त्रिवेदी ने एक हिंदी गीत का जिक्र करते हुए विपक्षी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि जब उसका वर्तमान इतनी बुरी स्थिति में है, तो उसका भविष्य कितना बदतर होगा।

आम आदमी पार्टी (आप) ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह अब गठबंधन में शामिल नहीं है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने केरल सरकार पर गांधी के हमले के बाद उनकी आलोचना की थी।

गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद शुक्रवार को उनका खुलकर बचाव करते हुए कहा था कि दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई हो रही है, लेकिन वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं।

गांधी की इस टिप्पणी के मद्देनजर भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस नेता के लिए यह स्पष्ट रूप से पारिवारिक मुद्दा है, न कि राजनीतिक।

उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी भ्रष्टाचार से अर्जित वाद्रा की संपत्तियों की रक्षा के लिए आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता खुद भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत पर बाहर हैं।

त्रिवेदी ने सवाल किया कि क्या गांधी ने यह संदेश निजी हैसियत से 'पोस्ट' किया या विपक्ष के नेता के रूप में इसे साझा किया। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (गांधी ने) अपने पारिवारिक अपराधों को संरक्षण देने के लिए अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग किया है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के ''प्रथम परिवार'' को सत्ता और धन चाहिए, भले ही इसका मतलब क्षेत्र या भाषा के नाम पर समाज को बांटना ही क्यों न हो।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे को भ्रष्टाचार के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद प्रियंका गांधी द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधे जाने पर त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार के सदस्य भ्रष्ट लोगों को बचा रहे हैं।

त्रिवेदी ने चीन के साथ लेन-देन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गांधी द्वारा किए गए कटाक्ष की भी निंदा की।

उन्होंने कहा, ''यह खेदजनक है कि जो व्यक्ति सबसे अधिक विदेश यात्रा करता है, उसे विदेश नीति की कोई समझ नहीं है।''

श्रावण मास: प्रशासन द्वारा के रविवार व सोमवार को समस्त तहसीलों में भण्डारे का आयोजन

प्रशासन द्वारा कॉवड़ियों/श्रद्धालुओं के भोजन, स्वास्थ्य, विश्राम, पेयजल आदि की सुविधा प्रदान करने हेतु किए गए हैं व्यापक प्रबन्ध

नेशनल एक्सप्रेस/ब्यूरो पवन त्रिपाठी

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा अवगत कराया गया है कि जिला प्रशासन द्वारा जनपद में कॉवड़ियों/श्रद्धालुओं को भोजन, स्वास्थ्य, विश्राम, पेयजल आदि की सुविधा प्रदान करने हेतु व्यापक प्रबन्ध किए गए हैं।

इसी के अन्तर्गत शिव भक्तों/कॉवड़ियों/श्रद्धालुओं के लिए जनपद की प्रत्येक तहसील में स्वागत द्वारों का निर्माण किया गया है तथा भण्डारों का भी आयोजन किया जा रहा है। यह भण्डारा श्रावण माह के प्रत्येक रविवार व

सोमवार को आयोजित किया जाएगा।

इसके अन्तर्गत तहसील आंवला के ग्राम पुठी सिरोही मोड़ बरेली-बदायूँ बार्डर पर स्वागत द्वार का निर्माण कराया गया है व ग्राम निसोई में भण्डारा आयोजित किया जाएगा। तहसील नवाबगंज के ग्राम सिथरा में स्वागत द्वार का निर्माण कराया गया है व भण्डारा आयोजित किया जाएगा। तहसील बहेड़ी के टोल प्लाजा ग्राम मुड़िया मुकर्रमपुर में स्वागत द्वार का निर्माण कराया गया है व यही पर भण्डारा आयोजित किया जाएगा। तहसील फरीदपुर में बुखारा मार्ग पर फरीदपुर में सदर की सीमा पर स्थित ग्राम दियोरनिया में स्वागत द्वार का निर्माण कराया गया है व यही पर भण्डारा आयोजित किया जाएगा। तहसील मीरगंज में रामपुर-बरेली राजमार्ग पर जनपद रामपुर-बरेली की सीमा पर स्थित ग्राम लभारी में स्वागत द्वार का निर्माण कराया गया है व यही पर भण्डारा आयोजित किया जाएगा। तहसील सदर में रामगंगा स्थित पुलिस चौकी के निकट स्वागत द्वार का निर्माण कराया गया है व यही पर भण्डारा आयोजित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त जगह-जगह पर भव्य पण्डाल लगाए गए हैं जहां कावड़ियों के बैठने, रुकने, पीने के पानी, खाना-पान व शौचालय व मोबाइल टॉयलेट आदि की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है और इन स्थलों पर निरंतर साफ-सफाई की व्यवस्था बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

ट्रेन की चपेट में आए व्यक्ति की मौत, प्रेम प्रसंग में आत्महत्या या फिर साजिशन मौत?

- प्रेम प्रसंग में अनबन के बाद युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका
- सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, पुलिस जांच में जुटी

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र के सानिया चांदपुर निवासी 28 वर्षीय आरिफ पुत्र निसार की संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने प्रेम प्रसंग के चलते हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस में शिकायत की है। मृतक के भाई गुड्डू ने बताया कि आरिफ मंगलवार को दिल्ली जाने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन वह बरेली के थाना बिसारतगंज क्षेत्र के जलालगंज खाल स्थित हसीना नाम की महिला के घर पहुंचा। बताया जा रहा है कि आरिफ का पड़ोस की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था, लेकिन हाल ही में दोनों के बीच अनबन हो गई थी। परिवार का आरोप है कि आरिफ की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि एक साजिश के तहत की गई हत्या है। उन्हें शक है कि प्रेम प्रसंग और आपसी विवाद के कारण उसे जानबूझकर ट्रेन की पटरी पर धकेला गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्रेम प्रसंग सहित अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर छानबीन की जा रही है। बताया गया है कि आरिफ दिल्ली की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था और आठ भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था।

समाजवादी पार्टी का उद्देश्य हिंदू समाज के मुद्दों पर विवादित टिप्पणी : भूपेंद्र सिंह चौधरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का बरेली दौरा, कांवड़ यात्रा को लेकर सपा पर बोला हमला

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर बरेली पहुंचे। सर्किट हाउस में पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात कर उन्होंने संगठन की गतिविधियों की समीक्षा की और कार्यकताओं से फीडबैक लिया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता करते हुए समाजवादी पार्टी व अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। भूपेंद्र चौधरी ने कहा,समाजवादी पार्टी का चरित्र हमेशा हिंदू समाज से जुड़े मुद्दों पर विवादित टिप्पणी करने वाला रहा है। चाहे हमारे धर्मगुरुओं की बात हो या हमारी आस्था व परंपराएं–सपा सरकार के दौरान कांवड़ यात्रा पर कई बार रोक लगाने की कोशिशें की गई थीं।

उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सभी धर्मों के लोगों को अपनी आस्था के अनुसार त्योहार मनाने की पूरी स्वतंत्रता दी है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी धार्मिक पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हों। कांवड़ यात्रा करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी है और इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पर बोलते हुए चौधरी ने कहा, अगर कोई व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेता है, तो सरकार उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। प्रदेश में कानून का राज है और किसी को भी अराजकता फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस अपना काम कर रही है और जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

भूपेंद्र सिंह चौधरी ने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी धार्मिक कार्यक्रमों को जानबूझकर विवादित करने का प्रयास कर रही है, जिससे यह प्रतीत होता है कि यह किसी गहरे षड्यंत्र का हिस्सा हो सकता है।

रास्ता पूछने उतरे ट्रक ड्राइवर को अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर, हालत गंभीर

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। गाजियाबाद जिले के थाना विजयनगर क्षेत्र के गांव बलरामपुर निवासी 45 वर्षीय प्रमोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए जब देर रात रास्ता भटकने के बाद वह ट्रक से नीचे उतरे थे। 40वर्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि वह राजकोट (गुजरात) से डायपर लादकर 32 टन माल के साथ सेटेलाइट बरेली की ओर आ रहे थे। कैंट क्षेत्र में रास्ता भटकने पर उन्होंने ट्रक को सड़क किनारे खड़ा किया और किसी से रास्ता पूछने के लिए जैसे ही नीचे उतरे, एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने में जुट गई है। वहीं, घायल के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

पंचायत चुनाव में महिलाओं और युवाओं को मिलेगी पूरी भागीदारी: हरीश गंगवार

- मिलक के ग्राम धनेली उत्तरी में आयोजित बैठक में बोले जिलाध्यक्ष

नेशनल एक्सप्रेस

मिलक। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव में भाजपा युवाओं और महिलाओं को पूर्ण भागीदारी देगी। इसका उददेश्य युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण करने के साथ ही राजनीति में उनकी सकारात्मक भूमिका सुनिश्चित करना है। ताकि, गांव एवं राष्ट्र के विकास में उनका योगदान लिया जा सके।

मिलक के ग्राम धनेली उत्तरी में आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर चर्चा की। कहा कि सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र के लिए आवश्यक है कि वहां का प्रत्येक नागरिक सशक्त हो। चाहें वह क्षेत्र कोई भी हो। अब तक जहां देखा जाता था कि राजनीति में महिलाओं की संख्या कम रहती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। न सिर्फ महिलाओं को हर तरह के चुनाव में भरपूर अवसर मिलेगा, बल्कि वह जीतने के बाद अपने गांव, जनपद और फिर प्रदेश का नाम संपूर्ण देश में रोशन करेंगी। यही नहीं युवाओं की राजनीति में सक्रिय भूमिका भी बढ़ाई जाएगी। क्योंकि, युवाओं के सामर्थ्य और उनकी ऊर्जा का लाभ लिया जाए, तो देश तेजी से प्रगति करेगा। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी का उददेश्य और लक्ष्य बिना बूथ स्तरीय कार्यकर्ता के पूरा नहीं हो सकता। उनकी मेहनत और पार्टी के प्रति समर्पण भी आवश्यक है। उन्होंने सभी से आगामी पंचायत चुनाव में जुटने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व विधायक ज्वाला प्रसाद गंगवार, मंडल अध्यक्ष ममता अत्री, सुरेश पटेल, विकास पाठक, सर्वेश गंगवार, सोमपाल सागर, अमित कुमार, सरदार जीवन नागदा, देवराज, अंकित वाल्मीकि, महेश, विजयपाल, चंद्रपाल, पुष्पेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, चंद्रपाल सिंह, प्रेमपाल सिंह, हिमांशु कुमार, वेदराम राठौर, छत्रपाल सिंह, मोनू सागर, अंशु गंगवार आदि उपस्थित रहे।

स्कूल जाते समय बंदर के हमले में बच्चा घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली।थाना प्रेम नगर क्षेत्र के चनकपुर निवासी 6 वर्षीय हर्षित पुत्र महेन्द्र पाल पर स्कूल जाते समय बंदर ने हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है।घायल बच्चे की मां मीना देवी ने बताया कि हर्षित गांधीनगर स्थित शिशु विद्या मंदिर में एलकेजी का छात्र है। वह रोज की तरह सुबह स्कूल जा रहा था, तभी रास्ते में बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। एक बंदर ने उसके सिर पर पंजा मार दिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने परिजनों को सूचना दी। परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से हर्षित को जिला अस्पताल लेकर गए, जहां उसका इलाज चल रहा है।

दहेज के लिए एक और बेटी की हत्या या फिर आकस्मिक में मौत

नेशनल एक्सप्रेस

दहेज प्रताड़ना में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके वालों ने ससुरालियों पर लगाया हत्या का आरोप

बरेली। थाना सिरौली क्षेत्र के गांव सुकटिया में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का गंभीर आरोप लगाया है।

मूल रूप से शाहजहांपुर जिले के थाना कटरा क्षेत्र के गांव रायपुर निवासी राम देवी ने बताया कि उनकी 20 वर्षीय बेटी श्रीवती की शादी तीन साल पहले बरेली के गांव सुकटिया निवासी रोहन के साथ हिंदू रीति-रिवाज से की गई थी। हैसियत के अनुसार दान-दहेज भी दिया गया था। शादी के कुछ ही समय बाद से ही रोहन और उसके परिवार वाले दहेज को लेकर श्रीमती को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। राम देवी ने आरोप लगाया कि पति रोहन अक्सर मारपीट करता था।

राम देवी ने पोस्टमार्टम हाउस पर रोते हुए बताया कि शुक्रवार को रोहन की ओर से फोन आया कि आपकी बेटी की तबीयत खराब है। जब परिवार के लोग ससुराल पहुंचे तो श्रीवती मृत अवस्था में जमीन पर पड़ी थी। उन्हें शक है कि उसे फांसी लगाकर मार डाला गया है। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका अपने पीछे एक छोटे बेटे को छोड़ गई है।

उधारी के पैसे नहीं दे पाया, तगादे से तंग आकर मौत को गले लगाया

- उधारी के दबाव में आकर व्यक्ति ने खाया जहरीला पदार्थ, इलाज के दौरान मौत

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। थाना कैंट क्षेत्र के चौबारी गांव निवासी 36 वर्षीय प्रदीप सिंह पुत्र शीशपाल की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई विनीत सिंह ने बताया कि कुछ महीने पहले प्रदीप ने किसी परिचित से रुपये उधार लिए थे। उधारी देने वाला व्यक्ति लगातार फोन करके दबाव बना रहा था। इसी तनाव में आकर शुक्रवार शाम प्रदीप ने चौबारी और सुभाष नगर के बीच स्थित जंगल में जाकर जहरीला पदार्थ खा लिया।

प्रदीप ने खुद परिजनों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद वे तुरंत मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले गए। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी–डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी गीता का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रदीप प्राइवेट नौकरी करता था और उसके दो छोटे बच्चे हैं।

दबंगों ने किया जमीन पर अवैध कब्जा, सूचना पर पहुंची पुलिस ने दिलाई पीड़ित को जमीन वापस

नेशनल एक्सप्रेस कपिल वार्ष्णेय

गुन्नौर/ धनारी। थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम बाजपुर मजरा सुनवर सराय में जमीन कब्जाने को लेकर विवाद सामने आया है। पीड़ित विकास पुत्र महिपाल ने गांव के ही दो दबंगों पर प्लॉट पर जबरन कब्जा जमीन को खाली कराया। पुलिस की मौजूदगी में पीड़ित युवक को उसकी खरीदी गई जमीन वापस दिलाई गई। हालांकि, अपनी दबंगई का प्रदर्शन करते हुए आरोपितों ने प्लॉट खाली करने के बावजूद अपने पालतू पशु वहीं बांधे रखे। इस पर पुलिस ने उन्हें सख्त हिदायत दी और समझाते हुए कहा कि यदि पशु नहीं हटाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित विकास ने बताया कि उसने 26 जून 2025 को उक्त प्लॉट की रजिस्ट्री कराई थी, बावजूद इसके रामदास पुत्र गजराम और शोभाराम पुत्र रामदास ने कब्जा कर लिया और विरोध करने पर मारपीट व जान से मारने की धमकी दी। फिलहाल पुलिस की सख्ती के बाद मामला कुछ शांत हुआ है, लेकिन पीड़ित ने प्रशासन से दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

बिहार से लापता व्यक्ति को सम्भल पुलिस ने 14 वर्ष बाद परिजनों से मिलाया

- वीडियो कॉलिंग कर परिजनों से कराई पहचान

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

सम्भल। दिनांक 16.07.2025 हरवंश पुत्र कन्हई सिंह निवासी ग्राम साकिन शोभापुर थाना कैलादेवी जनपद सम्भल द्वारा डायल 112 पर समय करीब 11.12 ढट पर कॉल कर सूचना दी गयी कि एक अज्ञात व्यक्ति गांव के बाहर दक्षिण दिशा में केवल पैन्ट पहने है और उपलों के ऊपर लेटा हुआ है। इस सूचना पर मौके पर पीआरवी 7663 पहुंची तथा अज्ञात व्यक्ति जिसने अपना नाम सत्यदेव चौबे पुत्र औकार चौबे निवासी धमनिया थाना सनदेश बिहार जनपद भोजपुर (बिहार राज्य) बताया, जिसे थाना कैलादेवी लेकर आये। थाना कैलादेवी पुलिस द्वारा सत्यदेव के परिजनों की जानकारी के लिये थाना प्रभारी थाना सनदेश जिला भोजपुर (बिहार) से फोन पर बात कर ग्राम धमनिया के बारे में जानकारी की गयी तो थाना प्रभारी सनदेश जनपद भोजपुर (बिहार) द्वारा बताया गया कि ग्राम धमनिया हमारे थाना क्षेत्र में नहीं आता है। थाना कैलादेवी पुलिस द्वारा द्वारा प्रयास करते हुये पुलिस अधीक्षक भोजपुर (बिहार) के कार्यालय से फोन पर सम्पर्क कर सत्यदेव उपरोक्त के बारे में बताकर सम्पूर्ण भोजपुर जिले मे उद फ्छ टी२२ी कराकर धमनिया गांव की जानकारी की गयी तो धमनिया गांव थाना गरहनी जनपद भोजपुर क्षेत्र में पड़ता है। थाना कैलादेवी पुलिस द्वारा थाना प्रभारी गरहनी जनपद भोजपुर कमलजीत सिह से सम्पर्क कर सत्यदेव चौबे के घर सूचना पहुंचायी गयी। थाना गरहनी के पुलिस आरक्षी द्वारा गुम व्यक्ति के परिजनों को उसका फोटो दिखाया गया तो परिजन गुमशुदा उपरोक्त को पहचान गये तथा प्रभारी निरीक्षक थाना कैलादेवी द्वारा कुछ समय पश्चात विडियो कालिंग कर परिजनों को दिखाया गया। परिजन सत्यदेव चौबे को पहचान कर विडियो काल पर रोने लगे। थाना कैलादेवी पुलिस द्वारा सत्यदेव चौबे के परिजनों को थाना कैलादेवी का पूर्ण पता बताया गया और उन्हें सत्यदेव चौबे की सुपुर्दगी के लिए थाना कैलादेवी पर बुलाया गया। शनिवार को सत्यदेव चौबे के परिजन मुखदेव चौबे पुत्र ओकार नाथ चौबे (सगा भाई), पुष्पा पत्नि सत्यदेव चौबे थाना कैलादेवी जनपद सम्भल आये और अपने भाई व पति को देखते ही लिपट कर रोने लगे।

यह देखकर थाने पर सभी की आंखे नम हो गयी तथा सत्यदेव के भाई मुखदेव चौबे ने भावुक होकर व रोते हुये बताया की हमारा भाई सत्यदेव चौबे करीब 13-14 साल पहले घर से रांची दवा लेने गये थे उसके बाद घर नहीं लौटे थे। हम लोगों ने अपने भाई को काफी जगह तलाश किया लेकिन कहीं नहीं मिले हम सोचने लग गये थे की हमारा भाई इस दुनिया में नही है। शनिवार सम्भल पुलिस की महरबानी से हमें हमारा भाई 13-14 साल बाद मिला है। आप सभी पुलिस वालों को बहुत-बहुत धन्यवाद। आमजन द्वारा इस सम्भल पुलिस व कैलादेवी पुलिस के इस कार्य पर पुलिस की भूरी भूरी प्रशंसा की गयी है।

युवक से मारपीट कर वीडियो वायरल करने वाला गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस

बिजनौर। युवक के साथ मारपीट करने गंदी गंदी गालियां देने की वीडियो वायरल करने जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है बाकी फरार आरोपियों की धरपकड़ को टीमे गठित कर दी गई है। क्षेत्र से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था जिसमें कई लड़के एक लड़के को बहुत बुरी तरह से पीट रहे है साथ ही गंदी गंदी गालियां भी दे रहे है। ग्राम जगदीशपुर उर्फ बाजोपुर निवासी हिमांशु कुमार पुत्र नरेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने दोस्तो के साथ बाईक पर सवार होकर लुकाधड़ी जा रहा था तभी रास्ते में गुलशन पुत्र अमर सिंह, पंकज लालूवाला, सागर पुत्र पीयोम निवासी लालूवाला व तीन चार अज्ञात लड़को ने उसे रोक लिया तथा गाली गलौच करने लगे विरोध करने पर आरोपियों ने गन्दी गन्दी गालियां देते हुए मारपीट की। आरोपियों ने मारपीट का वीडियो भी बनाया और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर एक अभियुक्त सागर पुत्र पियोम निवासी लालूवाला को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक कय्यूम अली, आरक्षी अशोक, सीताराम शामिल रहें। पुलिस के मुताबिक बाकी फरार अभियुक्तों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सपा के राष्ट्रीय सचिव का सपाइयों ने मनाया जन्मदिवस

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।।

टूंडला।शनिवार को मां दुर्गा ढाबा नेशनल हाईवे मोहम्मदाबाद पर विधानसभा टूंडला के पूर्व प्रत्याशी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव महाराज सिंह धनगर के 58 में जन्मदिन पर केक काटा गया और ब्लॉक अध्यक्ष संदीप यादव एडवोकेट ने उनकी लंबी उम्र की कामना के लिए वृद्धा आश्रम शाहपुर पर सभी को खाना खिलाया। साथ ही कहा कि वह इसी प्रकार सपा की नीतियों का प्रचार प्रसार करते रहे। इस अवसर पर मुख्यत नोरंग सिंह,विवेक यादव, गजनेश यादव,विकास यादव,के पी यादव,हरिओम,कुलदीप, एडवोकेट कमल सिंह,आनंद यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

- तहसील गुन्नौर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस
- शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

सम्भल। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में तहसील गुन्नौर सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण गुणवत्ता एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जिससे शिकायतकर्ता शिकायत पुनः लेकर न आए। तहसील गुन्नौर में कुल 110 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमे 03 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया। शेष के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी गुन्नौर वंदना मिश्रा, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक तिवारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी रेलवे ने थाना जीआरपी का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। पुलिस अधीक्षक रेलवे मुरादाबाद आशुतोष शुक्ला ने थाना जीआरपी चन्दौसी के आकस्मिक निरीक्षण किया।

इस दौरान रेलवे स्टेशन का भ्रमण कर थाना मालखाना, कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क आदि का निरीक्षण किया गया तथा उपस्थित जीआरपी कर्मियों को प्रचलित कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने तथा आने-जाने वाले कांवड़ियों को किसी प्रकार परेशानी न होने एवं अत्याधिक भीड़-भाड़ होने पर क्या करें, क्या न करें आदि के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

काउंसलरों के प्रयास ने 13 पत्रावलियों का निस्तारण कर 4 परिवार को मिलाया

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

सम्भल। पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग शनिवार सुबह 10 बजे महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य भी आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलन द्वारा किया गया जहां कुल 53 पत्रावली सुनकर 13 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 4 परिवार को मिलाया गया तथा 6 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। एवं 3 पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय संगीता भार्गव बबीता शर्मा सीमा आर्य श्वेता गुप्ता तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ,ज्योति,उषा आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला कार्यकारणी अधिवक्ता परिषद बृज का विस्तारपूर्वक हुआ गठन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। अधिवक्ता परिषद ब्रज जनपद इकाई सम्भल के स्वाध्याय मंडल की बैठक शनिवार को एडवोकेट अजीत सिंह स्मृति भवन (बार रूम सभागार) चंदौसी में आयोजित की गई, जिसमें जिला कार्यकारणी अधिवक्ता परिषद बृज का विस्तार करते हुए सचिन शर्मा को मंत्री नियुक्त किया गया, साथ ही चंदौसी बार एसोसियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने जाने पर विपिन कुमार सिंह राघव का पटका पहना कर स्वागत किया, उसके बाद मुख्य वक्ता दीपक राठौर एडवोकेट ने सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत आदेश 39 अस्थाई व्यादेश मामलों पर बताया कि किन परिस्थितियों में अस्थाई व्यादेश (आदेश 39) के वाद न्यायालय में लाये जा सकते हैं आदेश 39, सिविल प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) में अस्थायी निषेधाज्ञा और अंतरिम आदेशों से संबंधित है। इसका मुख्य उद्देश्य मुकदमे के लंबित रहने के दौरान संपत्ति को नुकसान या दुरुपयोग से बचाना है। यह आदेश न्यायालय को यह सुनिश्चित करने का अधिकार देता है कि संपत्ति को नष्ट या स्थानांतरित न किया जाए, और यह सुनिश्चित करता है कि वादी को उसके अधिकारों से वंचित न किया जाए। अस्थायी निषेधाज्ञा अदालत का आदेश है जो किसी पक्ष को किसी विशेष कार्य को करने से रोकता है, या किसी विशेष कार्य को करने के लिए बाध्य करता है, जब तक कि मुकदमे का निपटारा नहीं हो जाता।

अंतरिम आदेश के ये आदेश मुकदमे के दौरान जारी किए जाते हैं ताकि संपत्ति की रक्षा की जा सके या वादी के अधिकारों को सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव शर्मा ने की संचालन विकास कुमार मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में मौजूद रहे

विष्णु शर्मा, राहुल चौधरी, प्रवीण गुप्ता, विभोर बंसल, रमेश सिंह राघव, चंद्र शेखर, शबाब आलम, कुणाल, शुभम प्रताप सिंह, रजनी शर्मा अमरीश कुमार, राहुल रस्तौगी, श्यामेन्द्र सिंह, सचिन शर्मा, सुनील कुमार, अजय कुमार, मुक्षिका शर्मा, आशीष अग्रवाल, नरेश कुमार, विपिन कुमार सिंह राघव यशपाल सिंह राणा, नवीन कोहली आदि लोग मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

लापरवाही बरतने वाले थानाध्यक्ष पर कोर्ट के आदेश से हुई कार्यवाही

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता/सम्भल गुन्नौर । न्यायालय में जे एम न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉक्टर नाजिम अकबर कोर्ट ने न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश में लापरवाही बरतने पर थाना रजपुरा देहात प्रभारी के खिलाफ पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की है । संबंध वारंट जारी अदालत की अवमानना में थानाध्यक्ष पर मुकदमा की बात कही है ।उन्हें अब तक लगभग एक दर्जन बार पड़ी तारीखों में सम्मन तामील की कोई रिपोर्ट अदालत में पेश नहीं की गई। न्यायालय में जेएम (खट) न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉक्टर नाजिम अकबर कोर्ट ने थानाध्यक्ष राजपुरा गुन्नौर निशांत राठी को जारी नोटिस में कहा था कि न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की जा रही थी ।इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति अदालत द्वारा पारित किसी आदेश का पालन करने से इनकार करता है, तो उसे भी अदालत की अवमानना ??का दोषी ठहराया जा सकता है। कोर्ट में पत्र वालियों का निस्तारण न करने पर न्यायालय ने करवाई की है।

जमीन विवाद में महिला व पति से मारपीट, दबंगों ने जान से मारने और गांव छोड़ने की दी धमकी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता/गुन्नौर। थाना धनारी क्षेत्र के गांव जयरामनगर में जमीन के विवाद को लेकर एक महिला और उसके पति के साथ मारपीट, गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने थाना धनारी पुलिस पर आरोप लगाया है कि शिकायत देने के बावजूद न तो उनका प्रार्थना पत्र लिया गया और न ही कोई सुनवाई की गई। पीड़िता नीलू देवी पत्नी वीरेश ने बताया कि उनके पति ने खेत के हिस्से को लेकर अपने बड़े भाई राजवीर पुत्र गिरवर से बातचीत की थी, जिसमें सहमति के बाद प्रार्थिनी ने अपने खेत में यूकेलिप्टस के पौधे लगा दिए थे। लेकिन 18 जुलाई की शाम करीब 5 बजे राजवीर ने खेत में घुसकर सारे पौधे उखाड़ दिए। जब पीड़िता और उनके पति ने 19 जुलाई को इसका विरोध किया, तो राजवीर और उसके साथ अजय पुत्र हरवीर, रघुवीर पुत्र अंगन, जागन पुत्र रघुवीर, भवनेश पुत्र रामदास और महिला संजय पुत्री रघुवीर ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गाली-गलौच करते हुए सभी ने दंपती को जान से मारने की धमकी दी। मौके पर ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर जान बचाई। पीड़िता का आरोप है कि जब वे थाना धनारी शिकायत लेकर पहुंचे, तो वहां उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई और पुलिस ने उनका प्रार्थना पत्र तक लेने से इनकार कर दिया। यही नहीं, पीड़िता ने बताया कि आरोपित दबंग अब उल्टा उन पर फैसले का दबाव बना रहे हैं और धमकी दे रहे हैं कि अगर फैसला नहीं किया तो जान से मार देंगे या गांव से भगा देंगे। पीड़िता ने प्रशासन से मामले में निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता/गुन्नौर/धनारी। धनारी थाना क्षेत्र के ग्राम रामनगर उर्फ कनुआ नगला के समीप शनिवार दोपहर एक अज्ञात युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। खेतों में काम कर रहे किसानों ने शव देखकर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही धनारी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने युवक की पहचान कराने का काफी प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल युवक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं और आसपास के थानों को भी जानकारी भेजी गई है। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चचाएँ हो रही हैं।

आजमगढ़ के सांसद धर्मेन्द्र यादव का हुआ जोरदार स्वागत

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता /गुन्नौर। शनिवार को बबराला के गेस्ट हाउस में सपा सांसद पहुंचे और उन्होंने सभी समाजवादी कार्यकताओं से भेंट की सपा कार्यकताओं नें उनका जोरदार स्वागत किया इसके बाद क्षेत्र की समस्याएं व कार्यकताओं की मांगों को भी सुना धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि बदायूं लोकसभा से मेरा बहुत लगाव है मुझे आप लोग जब भी याद करोगे तो मैं आपके बीच में मौजूद रहूंगा और आपकी विकास की लड़ाई को लड़ता रहूंगा समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर आपकी सभी मांगे पूरी होगी

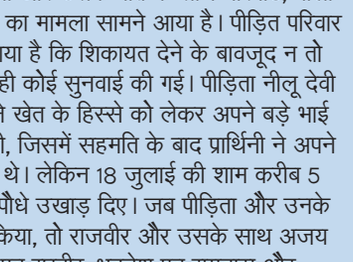

इस मौके पर पूर्व मंत्री प्रदीप यादव पूर्व विधायक राजेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष अमित यादव ,सुमित यादव ,रूप किशोर यादव ,लड्डन मियां ,गुड्डू चौधरी, लकी उस्मानी ,अख्तर अली, वीर सिंह ,रामू यादव ,सत्य प्रकाश यादव ,रविंद्र सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुमशुदा बच्ची को पाकर परिजनों के खिले चहरे

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

बहजोई। शनिवार को सुबह 11.00 बजे पीड़ी रेशमा पत्नी आरिफ निवासी चितनपुर थाना बहजोई जनपद सम्भल ने उपस्थित थाना आकर एक प्रार्थना पत्र बावत शनिवार को समय करीब 11.00 बजे अपनी पुत्री आयजा उम्र करीब 4 वर्ष के घर से कही गुम हो जाने के सम्बन्ध में दिया था।

उक्त सूचना पर टीम गठित कर बच्चे की सकुशल बरामदगी हेतु टीम को आवश्यक दिशा निर्देशित करते हुये रवाना किया गया। उक्त बच्ची की तलाश हेतु अलग-अलग टीम गठित कर बच्ची आयजा उम्र करीब 4 वर्ष को अलग अलग जगह पर तलाश किया व इस सम्बन्ध में काफी लोगो से पूछताछ व जानकारी कर गुमशुदा बच्ची आयजा उम्र करीब 4 वर्ष को कस्बा बहजोई से कुशलता पूर्वक 03.00 घण्टे के बाद बरामदकर कर उसके परिजनो के कुशलता पूर्वक सुपुर्द थाना हाजा से उसके घर के लिये खाना किया गया।

चारा काटने की मशीन में हाथ आने से बच्चे की कटी उंगली

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

गुन्नौर। थाना क्षेत्र के गांव हीरापुर के रहने नीरज के पुत्र की खेलते वक्त हाथ चारा काटने बाली मशीन में आ गया जिससे बच्चे की हाथ की अगली कट गई जिसके बाद परिजनों उसको सीएचसी लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान रेफर किया ' शनिवार को हीरापुर निवासी नीरज ने बताया कि दोपहर के समय जब उसका चार वर्षीय बच्चा चारा काटने की मशीन के पास खेल रहा था तभी उसने मशीन का हैडल पकड़ लिया और घुमा दिया जिसके बाद उसका हाथ मशीन के कट्टर में चला गया और उसके हाथ की उंगली कट गई जिसके बाद परिजन उसको सीएचसी लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उपचार करने के दौरान उसको रेफर कर दिया।

मारपीट के तीन आरोपियों को 05-05 वर्ष का कारावास व लगाया अर्थदण्ड

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

संभल पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाये जा रहे अभियान ₹ऑपरेशन कनविक्शन₹ के दृष्टिगत सम्भल पुलिस के द्वारा गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन द्वारा अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी पैरवी कराकर सजा दिलाने के क्रम में शनिवार को मु0अ0सं0 212/2012, धारा, 308/324/323/504/506 भादवि थाना बनियाठेर जनपद सम्भल में पुलिस की प्रभावी पैरवी पर सम्बन्धित अभियुक्त नरेशपाल,तेजपाल पुत्रगण सोबरन सिंह, धीरेन्द्र पुत्र हाकिम सिंह निवासीगण नसीरपुर नरौली थाना बनियाठेर जनपद सम्भल को न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश सम्भल, स्थित चन्दौसी द्वारा उपरोक्त अभियुक्तों को मुकदमा उपरोक्त में दोष सिद्ध करते हुए 05-05 वर्ष के सश्रम कारावास व 10-10 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। सजा कराये जाने में राहुल दीक्षित डी.जी.सी, कोर्ट मोहर्रिर उ0नि0 श्री शिवकुमार व का० रोबिन सिंह तथा कोर्ट पैरोकार का० गौरव का सराहनीय योगदान रहा।

तीन वर्ष में कितना पैसा किस मद में हुआ खर्च : जिलाधिकारी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

सम्भल । जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा विकासखण्ड गुन्नौर का निरीक्षण किया, कार्यालय की व्यवस्थाओं को चेक किया। जिलाधिकारी ने विकासखण्ड अधिकारी कार्यालय, एडीओ पंचायत कार्यालय तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय को देखा तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी आवास तथा विकासखण्ड के सम्पूर्ण परिसर की चहारदीवारी पर इलेक्ट्रिक फैंसिंग कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। सभागार कक्ष एवं अभिलेखागार कक्ष के निर्माण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एडीओ पंचायत कार्यालय के निर्माण को प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गत तीन वर्ष में कितना पैसा किस मद में खर्च हुआ है, उसकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा विकासखण्ड परिसर की लेखपाल के द्वारा पैमाईश कराने के लिए भी संबंधित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा परिसर में स्थित पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विकासखण्ड गुन्नौर को आईएसओ सर्टिफाईड कराने के भी निर्देश दिए। विकासखण्ड परिसर से होकर गुजर रही हाईपरटेंशन लाइन को सही कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड परिसर में साफ सफाई एवं पौधारोपण को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड परिसर में स्थित मंदिर के दर्शन किये तथा संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश,खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमल कांत तथा खण्ड विकास अधिकारी जुनावई अखिलेश कुमार, एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मुंशी लाल पटेल एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्यालय में शिक्षामित्र की दबंगई, छात्र से मारपीट और प्रधानाध्यापक को धमकाने का आरोप

- एक वर्ष से लगातार शिकायतों के बावजूद शिक्षा विभाग चुप

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

गुन्नौर/ धनारी। थाना धनारी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उधरनपुर अजमतनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत एक शिक्षामित्र की दबंगई, गैर जिम्मेदाराना व्यवहार और हिंसात्मक रवैये के चलते एक मासूम छात्र बुरी तरह घायल हो गया। छात्र की आंख के पास गंभीर चोट आई है, जिसमें चार टांके लगाए गए हैं। घायल छात्र गौरव कक्षा 4 का छात्र है और गांव के ही निवासी ब्रहमपाल पुत्र पृथ्वीसिंह का बेटा है।परिजनों का आरोप है कि स्कूल में ड्यूटी पर तैनात शिक्षामित्र राहुल कुमार ने छात्र गौरव को उस समय बेरहमी से धक्का देकर गिरा दिया, जब वह स्कूल के मैदान में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। गिरने के बाद गौरव पास में रखी एक ईंट से टकरा गया, जिससे उसकी आंख के पास गंभीर रूप से चोट आ गई और लहूलुहान हालत में घर पहुंचा। जब परिजनों ने बच्चे से पूछताछ की तो उसने शिक्षामित्र राहुल का नाम लिया। इसके बाद ब्रहमपाल जब शिकायत लेकर स्कूल पहुँचे, तो उक्त शिक्षामित्र ने उल्टा उन्हें ही गंदी-गंदी गालियाँ दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए स्कूल से भगा दिया।

प्रधानाध्यापक ने भी लगाए गंभीर आरोप: विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक शर्मा ने भी शिक्षामित्र राहुल कुमार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रधानाध्यापक के अनुसार राहुल कुमार लंबे समय से स्कूल में देरी से आता है या बिना आए ही अपने हस्ताक्षर करके उपस्थिति रजिस्टर में हाजिरी दर्ज कर लेता है। जब इस पर आपत्ति जताई गई और मना किया गया तो शिक्षामित्र ने प्रधानाध्यापक को भी भद्दी-भद्दी गालियाँ दीं और यहां तक कि एक बार लोहे की सरिया लेकर मारने दौड़ पड़ा। उस समय मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिन्होंने बीच-बचाव कर किसी तरह प्रधानाध्यापक को बचाया था। इस पूरे मामले की शिकायत प्रधानाध्यापक अशोक शर्मा द्वारा एक वर्ष पूर्व ही खंड शिक्षा अधिकारी से लिखित में की गई थी, लेकिन हैरानी की बात है कि आज तक उक्त शिक्षामित्र के खिलाफ कोई भी विभागीय या कानूनी कार्रवाई नहीं की गई।

एक अभिभावक का सवाल

शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होना विभागीय लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है

निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल एक वर्ष से लगातार शिकायतों के बावजूद शिक्षा विभाग की चुप्पी और निष्क्रियता ने अब ग्रामीणों और अभिभावकों के बीच आक्रोश पैदा कर दिया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती तो आज एक मासूम बच्चा घायल नहीं होता। घायल छात्र गौरव को इलाज के लिए तत्काल सरकारी अस्पताल गुन्नौर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी आंख के पास चार टांके लगाए हैं। फिलहाल बच्चा खतरे से बाहर है लेकिन मानसिक रूप से बेहद आहत है।

ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों और छात्र के परिजनों ने शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे दबंग, लापरवाह और हिंसक प्रवृत्ति के शिक्षामित्र को तत्काल स्कूल से हटाया जाए और उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।एक शिक्षक अगर खुद हिंसक हो जाए, तो बच्चों की सुरक्षा कैसे संभव होगी।

संपादकीय

देश की अर्थव्यवस्था पर एक चिंताजनक नजर

भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए मुफ्त सुविधाओं की राजनीति — जिन्हें आमतौर पर 'चुनावी रेवड़ियां' कहा जाता है — एक गहरी आर्थिक और सामाजिक बहस का विषय बन गई हैं। मुफ्त बिजली, पानी, अनाज और अन्य सेवाओं के नाम पर वोट बटोरने की यह परंपरा अब राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही है। वर्तमान में राज्यों पर कुल मिलाकर करीब 96 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है — जो भारत के सालाना बजट से कहीं अधिक है। इस पर सरकारों को औसतन 13 प्रतिशत ब्याज देना पड़ रहा है, जो दीर्घकालिक वित्तीय संकट की ओर संकेत करता है।चौंकाने वाली बात यह है कि यह कर्ज किसी विकासशील देश की पूरी अर्थव्यवस्था से भी बड़ा है। यदि पूरे भारत की बात करें तो केंद्र और राज्यों को मिलाकर कुल कर्ज 200 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच चुका है। एक औसत भारतीय नागरिक पर इसका बोझ 4 लाख रुपए प्रति व्यक्ति से अधिक बैठता है। विडंबना यह है कि सरकार की ओर से यह कभी स्पष्ट नहीं किया गया कि यह कर्ज आखिर क्यों लिया गया, किन योजनाओं के लिए और किस स्तर पर पारदर्शिता बरती गई।इस गंभीर मुद्दे का ताज़ा उदाहरण बिहार है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। यह घोषणा तब की गई है जब बिहार खुद 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज में डूबा है और राज्य की प्रति व्यक्ति आय 70,000 रुपए से भी कम है। यह कदम स्पष्ट रूप से एक चुनावी दांव है, जो बिहार में आने वाले चुनावों के मद्देनजर लिया गया है।दिलचस्प बात यह है कि नीतीश कुमार स्वयं पहले 'चुनावी रेवड़ियों' के आलोचक रहे हैं। उन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों से मुफ्त योजनाओं के खिलाफ आवाज उठाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी रेवड़ी संस्कृति की आलोचना कर चुके हैं और इसे देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक बताया है। बावजूद इसके, बिहार में भाजपा गठबंधन की सरकार द्वारा इस नीति को अपनाया जाना विरोधाभास दर्शाता है।सच्चाई यह है कि 'रेवड़ियों' की यह राजनीति किसी एक दल तक सीमित नहीं रही। इसकी शुरुआत अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देकर की थी, जिसे उन्होंने पंजाब में भी दोहराया और बड़ी चुनावी सफलता हासिल की। इसके बाद भाजपा और कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टियों ने भी इस रणनीति को अपनाया। वर्तमान में कांग्रेस शासित तीन राज्यों में मुफ्त बिजली दी जा रही है, जबकि सभी पर भारी वित्तीय बोझ है।तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार 1000 यूनिट मुफ्त बिजली पॉवरलूम कर्मचारियों को दे रही है, जबकि राज्य पर 9 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। यही हाल उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे राज्यों का है — सभी जगह किसी न किसी रूप में मुफ्त बिजली या सब्सिडी वाली योजनाएं चल रही हैं।दिल्ली जैसे संघशासित क्षेत्र, जहां प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है, वहां भी मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। जरूरतमंदों के लिए राहत की नीयत से बनाई गई योजनाएं अब वोट बटोरने का औजार बन चुकी हैं। भाजपा ने भी सत्ता में आने के बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना को जारी रखा है, जिससे स्पष्ट होता है कि यह प्रवृत्ति अब सर्वदलीय हो गई है।नीतीश कुमार की सरकार ने अतीत में शराबबंदी जैसे कठोर सामाजिक फैसले लिए, जिसने सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया, लेकिन सामाजिक दृष्टि से प्रशंसनीय कदम माना गया। अब उन्होंने मुफ्त बिजली देने का निर्णय जनता की सुविधा के नाम पर लिया है, हालांकि राज्य के बिजली बोर्ड और वितरण कंपनियां पहले से घाटे में हैं।प्रधानमंत्री मोदी स्वयं राज्य विद्युत बोर्डों के संकट का जिक्र कर चुके हैं और केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को लाखों करोड़ के बेलआउट पैकेज भी दिए गए हैं। इसके बावजूद राज्यों का कर्ज कम नहीं हो रहा। बिहार सरकार अब सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की बात कर रही है, लेकिन जब तक राज्य में अपराध, भ्रष्टाचार और संसाधनों की बर्बादी पर लगाम नहीं लगेगी, तब तक ऐसी योजनाएं केवल घोषणाओं तक ही सीमित रहेंगी।

शिक्षकों पर अपने कार्यालय में उपस्थिति दर्ज करवाने का दबाव

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करने की प्रथा है। एक न्यूज चैनल पर प्रसारित है– 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 : हिमाचल प्रदेश के शिक्षकों से आवेदन करने का आह्वान। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने राज्य भर के शिक्षकों से आग्रह किया है कि वे राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें।

शिक्षा विभाग में आए दिन नए नए परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मानो शिक्षा विभाग कोई प्रयोगशाला है। बात चाहे छुट्टियों की हो या पठन-पाठन प्रक्रिया की हो। हाल ही में दो निर्णय ऐसे शिक्षा विभाग द्वारा लिए गए हैं जो किसी भी संवेदनशील अध्यापक को मर्मान्तक वेदना पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं। इनमें से एक है कि प्राकृतिक आपदा के कारण यदि आकस्मिक अवकाश विद्यालयों में घोषित किया जाता है, तो वह केवल छात्रों के लिए होगा। टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को विद्यालय में आना अनिवार्य है। अन्य विभागों के कर्मचारियों की तर्ज पर शिक्षकों को अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थिति दर्ज करवानी है।

एक शिक्षक बंधु ऐसे सरकारी फरमान की बलि चढ़ गया। मंडी जिला के थुनाग क्षेत्र में बादल फटने की घटना से किसका मन नहीं पसीजा होगा? सरकारी आदेश के कारण अपनी सेवाएं देने के लिए मौसम के खराब होने पर भी घर से निकले सराज क्षेत्र की उच्च पाठशाला में टीजीटी के पद पर कार्यरत अध्यापक सोहन सिंह, जो एक समर्पित शिक्षक थे, उस हादसे का शिकार बन गए जिनका शरीर भी अभी तक परिवार को नहीं मिला। विभाग के ऐसे आदेश शिक्षकों के प्रति किस मानसिकता के परिचायक हैं, यह विचारणीय है। एक शिक्षक जिससे शिक्षा प्राप्त कर लोग विभिन्न विभागों में और उच्च पदों पर सेवाएं देने में सक्षम होते हैं, उस आधार को ही समाप्त कर देना चाहते हैं? जिन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जानी चाहिए उन्हें कटघरे में खड़ा कर विकास के सपने देखने वालों को नैतिक शिक्षा देने में शायद शिक्षक ही चूक गए हैं। या कारण और भी हैं, ये जानने का प्रयास भी किया जाना चाहिए।

दूसरा फरमान जारी हुआ है शिक्षकों के सम्मान को लेकर। शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करने की प्रथा है। एक न्यूज चैनल पर प्रसारित है- 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 : हिमाचल प्रदेश के शिक्षकों से आवेदन करने का आह्वान। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने राज्य भर के शिक्षकों से आग्रह किया है कि वे राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें। यह पुरस्कार भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित किए गए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को प्रति वर्ष शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाते हैं। यह पुरस्कार उन शिक्षकों को सम्मानित करता है जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी नवाचार, समर्पण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य किया हो। इस वर्ष मंत्रालय ने सरकारी एवं सहायता प्राप्त स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों से स्व-नामांकन आमंत्रित किए हैं। ऐसे शिक्षक जो शिक्षण और समुदाय के बीच सकारात्मक प्रभाव डालने में सफल रहे हैं, वे निम्नलिखित पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।' देश के राष्ट्रपति रहे माननीय राधाकृष्णन सर्वपल्ली जी ने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर शिक्षक होने के गौरव और सम्मान को बढ़ाया था। उसी दिन से शिक्षा जगत में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों द्वारा आवेदन किया जाता है। या यूं भी कह सकते हैं कि शिक्षक अपनी योग्यताएं बताते हैं कि हमने फलां फलां कार्य किए हैं, हमें सम्मानित किया जाए। क्या यही शिक्षक सम्मान है? क्या आज के तकनीकी युग में विभाग के पास ऐसे प्रावधान नहीं हैं कि वास्तव में सम्मान के अधिकारी शिक्षकों का चयन वे निष्पक्ष होकर स्वयं कर सकें।

साथी शिक्षकों का अपमान कर सोशल मीडिया पर अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने वाले स्कूल प्रमुख यदि सम्मान पाते हैं, यदि केवल तस्वीरों को आधार बना कर मूल्यांकन करना सम्मान की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उचित कदम है, तो रुकिए और विचार कीजिए हम किस दिशा और दशा की तरफ देश की शिक्षा व्यवस्था को ले जा रहे हैं। एक बात और स्पष्ट कहना चाह रही हूं कि जब कार्य सम्मान को पाने की चाह में किया जाता है तो उसमें दिखावा अधिक और वास्तविकता कम होती है। शिक्षाविदों को, अधिकारियों को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। सम्मान पाने का वास्तविक अधिकारी कौन है? जो सरकारी फरमानों की बलि चढ़ गया या वो जिसने अपना सरकारी सेवाकाल उन दस्तावेजों को तैयार करवाने में लगा दिया ताकि वह शिक्षक सम्मान प्राप्त कर सके। जिसने सम्मान प्राप्ति की चाहत में न जाने कितने शिक्षकों के आत्मसम्मान को कुचल दिया। न जाने कितने छात्रों के जीवन और भविष्य को दाव पर लगा दिया। ऐसे महत्वाकांक्षी व्यक्ति जब शिक्षक दिवस पर सम्मान के अधिकारी घोषित किए जाएंगे तो निश्चित रूप से पूरी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा चरमरा कर गिर जाएगा। आवेदक शिक्षक बंधुओं को विचार करना चाहिए कि उनकी गरिमा क्या है? उस सम्मान के क्या मायने हैं, जो मांगने पर मिलता है। क्या ये सब करके हम उस महापुरुष की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे, जिन्होंने देशहित के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है। दोनों फरमानों को ध्यान में रखते हुए जरा सोचिए अपने अन्तर्मन को टटोलिए कि क्या यही शिक्षक का सम्मान है?

आज देश को ऐसे शिक्षकों की आवश्यकता है जो सही मायने में छात्रहित और देशहित के लिए कार्य करते हैं। दिखावे के लिए या तस्वीरें खिंचवाने के लिए काम नहीं करते। स्कूलों में यदि नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं तो वे कितने छात्रहितकारी हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि वेलफेयर फंड किसी की महत्वाकांक्षा की भेंट चढ़ रहा है। सरकारी स्कूलों में नौकरी पाने वाले अध्यापक बहुत कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजरते हैं, तब वे सरकारी शिक्षक बनते हैं। ऐसे शिक्षक निश्चित रूप से अपनी बेहतरीन सेवाएं देकर छात्रों को लाभान्वित कर सकते हैं। जिस भी विषय को पढ़ाने के लिए वे चयनित होकर आए हैं, यदि उस विषय में वे छात्रों को पारंगत बनाते हैं तो निश्चित रूप से सम्मान के अधिकारी हैं। यदि विज्ञान पढ़ाने वाला अध्यापक अपने छात्रों में रोजमर्रा के जीवन में विज्ञान का प्रयोग करना सिखा देता है तो उसका अध्यापन तो सफल हो गया। यदि हिंदी पढ़ाने वाला अध्यापक छात्रों को साहित्य का मर्म समझा पाया, तो वह सम्मान का हकदार है।

प्रियंवदा शर्मा

20 जुलाई: विश्व इतिहास के दर्पण में एक प्रेरणादायक तिथि

20 जुलाई विश्व इतिहास के पन्नों में एक अत्यंत विशिष्ट और प्रेरक तिथि के रूप में दर्ज है। यह दिन मानव जिज्ञासा, वैज्ञानिक उपलब्धियों, वैश्विक कूटनीति, अंतरिक्ष अन्वेषण, और राजनीतिक परिवर्तन जैसे विषयों से जुड़े अनेक ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी रहा है। 20 जुलाई न केवल बीते समय की महान उपलब्धियों को याद करने का अवसर है, बल्कि यह उस साहस, कल्पना और संकल्प का प्रतीक भी है जिसने मानवता को अज्ञात सीमाओं के पार पहुँचाया।इस दिन की सबसे उल्लेखनीय घटना मानव का चंद्रमा पर पहला कदम रखना है। 20 जुलाई 1969 को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अपोलो 11 मिशन के तहत नील आर्मस्ट्रॉन्ग ने चंद्रमा पर कदम रखकर इतिहास रच दिया। उनके शब्द— That's one small step for man, one giant leap for mankind. — मानवीय जिज्ञासा और वैज्ञानिक उत्कंठा की अमर अभिव्यक्ति बन गए। उनके साथ बज़ एल्ड्रिन भी चंद्रमा की सतह पर उतरे, और यह मिशन पूरी दुनिया के लिए एक अद्वितीय प्रेरणा बना। यह दिन आज भी मानव अंतरिक्ष अन्वेषण की सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में याद किया जाता है।राजनीतिक दृष्टि से भी 20 जुलाई का दिन कई ऐतिहासिक परिवर्तनों से जुड़ा है। वर्ष 1944 में इसी दिन जर्मनी में हिटलर के खिलाफ एक असफल हत्या प्रयास किया गया था, जिसे

ऑपरेशन वल्किरी के नाम से जाना जाता है। यह प्रयास नाजी शासन के विरुद्ध जर्मन सैन्य अधिकारियों द्वारा किया गया था, जो तानाशाही और युद्ध की विनाशकारी नीतियों के विरोध का प्रतीक था।

यह घटना आज भी साहस और नैतिक निर्णय की मिसाल मानी जाती है।20 जुलाई 1974 को तुर्की ने साइप्रस पर सैन्य कार्रवाई शुरू की, जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक लंबा संकट बन गया और आज भी विभाजन और भू-राजनीतिक संघर्ष का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह घटना वैश्विक शक्ति-संतुलन और क्षेत्रीय राजनीति के जटिल स्वरूप को रेखांकित करती है।साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से 20 जुलाई को कई ऐसे व्यक्तित्वों से जोड़ा जा सकता है, जिनका योगदान कालजयी रहा है। इस दिन ब्रूस ली जैसे मार्शल आर्ट आइकन और सांस्कृतिक क्रांतिकारी का निधन हुआ था (1973)। उनकी फिल्में और जीवन दर्शन आज भी विश्वभर में युवाओं को प्रेरित करते हैं और आत्म-अनुशासन, आत्म-रक्षा और संस्कृति के सम्मान का संदेश देते हैं।20 जुलाई विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक महत्व रखता है। अंतरिक्ष, ऊर्जा और डिजिटल तकनीकों से संबंधित कई परियोजनाओं की शुरुआत या उपलब्धियां इस दिन के साथ जुड़ी हुई हैं, जो आधुनिक युग के विकास में मील का पत्थर साबित हुई हैं।

इतिहास के साथ-साथ यह तिथि व्यक्तिगत स्तर पर भी कई महान हस्तियों के जन्म अथवा निधन से जुड़ी रही है, जिनका प्रभाव कला, विज्ञान, राजनीति और मानवाधिकारों के क्षेत्र में गहराई तक महसूस किया गया।20 जुलाई का दिन हमें यह स्मरण कराता है कि मानव प्रयास की कोई सीमा नहीं होती। यह दिन हमें नवाचार, साहस, और नैतिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इतिहास के इस उज्ज्वल अध्याय को पढ़ते हुए हम यह महसूस करते हैं कि हर तिथि केवल तारीख नहीं होती—वह एक विचार, एक परिवर्तन, और एक युग की चेतना होती है।20 जुलाई निस्संदेह उस चेतना का प्रतीक है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, सीमाओं से संभावनाओं की ओर ले जाती है।

समसामयिक

ऋषभदेव शर्मा

टैरिफ की धमकी और भारत का जवाब

अपने आप को सारी दुनिया का भाग्यविधाता समझने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाटो प्रमुख मार्क रूट की ने रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों (विशेषकर भारत, चीन और ब्राजील) को 100 प्रतिशत से 500 प्रतिशत तक टैरिफ की धमकी दी है।

यह धमकी रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में दी गई है, जिसमें अमेरिका और नाटो रूस पर दबाव बनाने के लिए नए आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल करना चाहते हैं। देखना रोचक होगा कि इस धमकी का भारत के लिए क्या अर्थ है, और भारत के पास इसका क्या तोड़ संभव है?जगज़ाहिर है कि ट्रंप और नाटो प्रमुख की यह धमकी रूस को यूक्रेन युद्ध में पीछे हटने के लिए मजबूर करने की रणनीति का हिस्सा है। ट्रंप ने साफ कहा है कि अगर रूस 50 दिनों के भीतर शांति समझौता नहीं करता, तो वह रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाएँगे। नाटो प्रमुख मार्क रूट ने इसे और स्पष्ट करते हुए भारत, चीन और ब्राजील को चेतावनी दी कि रूसी तेल और गैस खरीदने की कीमत उन्हें आर्थिक प्रतिबंधों के रूप में चुकानी पड़ सकती है। इसका लक्ष्य रूस की आर्थिक जीवनरेखा को कमजोर करना है, क्योंकि भारत और चीन रूस के सबसे बड़े तेल खरीदार हैं। भारत 2022 में अपने तेल आयात का केवल 2 प्रतिशत रूस से लेता था। लेकिन अब हम लगभग 40 प्रतिशत रूसी तेल पर निर्भर हैं - सस्ते दामों पर उपलब्ध है न! समझना होगा कि ट्रंप आदि की टैरिफ धमकी केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक भी है।

अमेरिका और नाटो चाहते हैं कि भारत जैसे देश रूस के खिलाफ पश्चिमी खेमे में शामिल हों। लेकिन क्या यह इतना आसान है? भारत के लिए रूस न केवल ऊर्जा आपूर्तिकर्ता है, बल्कि हमारा रक्षा और तकनीकी सहयोग का भी लंबा इतिहास रहा है।जैसा कि होना ही था, भारत ने इस धमकी को सिरे से खारिज करते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट कहा है कि भारत किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। अगर रूसी तेल की आपूर्ति बाधित होती है, तो भारत के पास मध्य पूर्व जैसे वैकल्पिक स्रोत हैं। भारत ने यह भी कहा है कि हमारा रूस के साथ व्यापार वैश्विक प्रतिबंधों के दायरे में नहीं आता और यह वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने में मदद करता है। इससे पश्चिम को यह समझ लेना चाहिए कि भारत किसी भी बाहरी दबाव में आकर अपनी नीतियाँ बदलने वाला नहीं है।कहना न होगा कि भारत का यह रुख दोगलेपन के खिलाफ भी है। जहाँ पश्चिमी देश रूस पर प्रतिबंध लगाने की बात करते हैं, वहीं यह भी किसी से छिपा नहीं कि यूरोपीय देश भी गैस और अन्य संसाधनों के लिए रूस पर निर्भर हैं। भारत ने साफ कहा है कि हम अपनी ऊर्जा जरूरतों को बाजार की वास्तविकताओं और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के आधार पर तय करेंगे! ग़ौरतलब है कि धमकी के बावजूद, भारत के लिए स्थिति पूरी तरह प्रतिकूल नहीं है। अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता एक अवसर साबित हो सकती है। ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि भारत के साथ एक बड़ी व्यापार डील हो सकती है, जो टैरिफ की मार को कम कर सकती है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अमेरिकी सीनेटरों के साथ भारत की ऊर्जा सुरक्षा की चिंताओं को साझा किया है।सयाने बता रहे हैं कि अगर टैरिफ लागू होते हैं, तो भारत के फार्मास्यूटिकल, टेक्सटाइल और आईटी जैसे निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में, भारत की रणनीति विविधीकरण और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित होनी चाहिए। स्वदेशी तेल उत्पादन को बढ़ाकर और वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं पर ध्यान देकर भारत इस चुनौती से निपट सकता है।

कुदरती आपदा में हमारी जिम्मेवारी व समाधान

जिला मंडी में आई आपदा ने पूरे प्रदेश को दर्द और पीड़ा में डुबो दिया है। बाढ़ पीड़ितों का दर्द देखा नहीं जा रहा। हर व्यक्ति अपने सामथ्र्य के अनुसार तन, मन और धन से उनका दर्द बांटने में लगा है। प्रकृति के कहर से अपनों को खोने के जख्म तो शायद ही कभी भर पाएंगे, परंतु जीवन को पटरी पर लाने के लिए भी कम मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यही अनुकूल समय है जब मंदिरों, मठों के खजाने का मुंह आपदा प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए खोल दिया जाना चाहिए।

आस्था के धन का मानवता के उद्धार के लिए प्रयोग हो, इससे बढिया मंदिरों के धन का सदुपयोग क्या हो सकता है? पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर आपदा से लेकर अब तक निरंतर आपदा प्रभावित लोगों से मिल रहे हैं, उन्हें हौसला दे रहे हैं। प्रशासन पूरी लगन से कार्य कर रहा है। पत्रकार बंधु अपनी जान जोखिम में डाल कर पल-पल की खबर सब तक पहुंचा रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिति बहुत ही भयानक और दर्दनाक है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अभी बरसात का मौसम बहुत लंबा चलेगा। पहाड़ सुरक्षित नहीं रहे, अब कौन जाने कब क्या हो? बारिश के मौसम में पूरे प्रदेश के बहुत से स्थानों पर घरों में दरारों का आना, जमीन का धंसना, पहाड़ों से मलबा गिरना जैसे समाचार अखबारों की सुर्खियां बन लोगों को चिंता में डाल कर बेचैन कर जाते हैं। परंतु प्रदेश की ऐसी स्थिति हुई क्यों, यह सोचना होगा। क्या पर्यावरण से छेड़छाड़ या शासकीय प्रशासकीय और राजनीतिक भ्रष्टाचार का नतीजा है यह सब? क्या मानव के लालच के आगे घुटने टेकती प्रकृति का प्रतिशोध माना जाए इसे या नदी-नालों का मार्ग अवरुद्ध कर घर बनाने का दुस्साहस कहें इसे? विकास को गति देती हमारी व्यवस्था में बैठे काले नागराजों की धृष्टता समझें इसे या अपरिपक्व एवं भ्रष्ट ठेकेदारों की अवैज्ञानिक ढंग से पहाड़ों के सीने पर चलाई गई पोकलेन का नतीजा समझें?

जिस प्रकार बाढ़ पीड़ितों का दुख बांटने के लिए हम एकजुट हुए, क्या उसी प्रकार पर्यावरण को बचाने के लिए हम एकजुट नहीं हो सकते? हम आपदा आने ही क्यों देते हैं? क्या हम आपदा को रोक नहीं सकते? सरकारों के अप्रिय फैसलों के

खिलाफ हम अकेले-अकेले संघर्ष करने को बाध्य क्यों हैं? आज बिजली महादेव को रोपवे बनाने के खिलाफ वहां के लोग अकेले विरोध कर रहे हैं, हम सब प्रदेशवासी उनका साथ क्यों नहीं दे सकते? हम उनकी आवाज में अपनी आवाज क्यों मिला नहीं सकते? वो अपने देवस्थल को बचाना चाहते हैं, अस्था पर पर्यटन की छाया नहीं पडने देना चाहते, पेड़ों को कटने नहीं देना चाहते, पर्यावरण को बचाना चाहते हैं, तो इसमें गलत क्या है? हर बड़े प्रोजेक्ट के पीछे कुछ प्रभावशाली लोगों के स्वार्थ छुपे होते हैं, क्यों यह समझ नहीं पाते हम? पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की जमीन पर टूरिज्म विलेज का विरोध बस कुछ एक लोगों ने किया, क्यों सब साथ में नहीं चले? क्यों हम नहीं समझ पाते कि मौजूदा व्यवस्था में हमारी चुनी हुई सरकारों और हमारे चुने हुए गलत नुमाइंदों का अब सामाजिक कार्य की दृष्टि से आम जनता के उत्थान से कोई सरोकार नहीं रहा है। वो केवल अपने एवं अपने चेलों चांटों के घर भरने और सत्ता का मजा लूटने आते हैं। भू-माफिया, खनन माफिया, नशा माफिया, कोई बाहरी लोग नहीं होते, उनका सत्ता से गहरा नाता होता है, सत्ता आए या जाए, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, हर सरकार में वो अपनी गोटियां फिट कर लेते हैं, यही कारण है कि आज तक अवैध खनन बंद नहीं हुआ क्योंकि हमारे नुमाइंदों को महंगे उपहार एवं नकदी इस माफिया से मिलती रहती है। लेकिन इस खनन का खामियाजा आम, गरीब और बेकसूर जनता को भुगतना पड़ता है। वर्ष 2023 की बरसात में जिला कांगड़ा के सुलाह एवं जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्रों में जमीन का धंसना और लोगों के घरों का जमींदोज होना आज तक कोई समझ नहीं पाया। यही वो क्षेत्र हैं जहां पिछले कई वर्षों से लगातार अवैध खनन हो रहा है जिसे रोक पाना किसी भी सरकार के वश में नहीं रहा अब तक, लेकिन क्यों? भ्रष्ट व्यवस्था से लडना आम आदमी के बस में नहीं, वो तो केवल अपनी बेबसी पर मात्र आंसू बहा सकता है।

जलवायु परिवर्तन से पूरी दुनिया जूझ रही है, समय-समय पर संगोष्ठियां और चिंतन होते रहते हैं, परंतु कारगर कदम सरकारों द्वारा उठाए नहीं जाते, न ही आम आदमी जलवायु परिवर्तन के प्रति सचेत है। आय बढ़ाने के विभिन्न स्रोतों की तरफ ध्यान तो है, परंतु दुष्परिणामों की किसी को कोई चिंता नहीं। इसी कड़ी में सरकारें पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा दे तो रही हैं, परंतु सोचना यह भी होगा कि प्रदेश की कुल जनसंख्या में से कितने प्रतिशत लोग इस व्यवसाय से लाभान्वित हो रहे हैं और वो कौन लोग हैं? ऐसे लोग राजनीति के कितने करीब हैं और टूरिज्म इंडस्ट्री से सरकार की कुल जीडीपी में कितने प्रतिशत की हिस्सेदारी है? अब उन लोगों के विषय में भी सोचना होगा जिन्हें टूरिज्म इंडस्ट्री से पर्यावरण को हुए नुकसान का खामियाजा भुगतना पड़ा और अपना घर-बार, खेत-खलिहान, संपत्ति, सब गंवाना पड़ा।

टूरिस्ट सीजन में आम लोगों का घर से निकलना, अपने रोजमर्रा के काम करना दूभर हो जाता है, यातायात की भीड़ और जाम में बीमार को अस्पताल तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। पहाड़ों पर असंख्य गाडियों का बोझ, उनसे निकलने वाला धुआं और ऊष्मा क्या पहाड़ों के जलवायु को प्रभावित नहीं करते? हमारे पहाड़ देवस्थल थे, अतः इन्हें धूर्त, शराबियों का अड्डा और वेश्यालय न बनने दिया जाए। पहाड़ों का शांत, सुरम्य वातावरण आध्यात्मिक शांति के लिए है, इसे आध्यात्मिकता तक ही सीमित रहने दिया जाए और व्यवसाय के लिए अन्य साधनों को तलाशा जाए, जो पर्यावरण और हमारी सभ्यता तथा संस्कृति के अनुकूल हों। हिमाचल को विकास की सख्त जरूरत तो है, किंतु यह पर्यावरण, यहां की संस्कृति और सभ्यता की कीमत पर नहीं होना चाहिए। टिकाऊ विकास की जरूरत है, जो पर्यावरण के अनुकूल हो।

नीलम सूद

खबरें फटाफट

बैंको के राष्ट्रीयकरण दिवस के अवसर पर आज ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉनफेडरेशन की इकाई ने एक नेत्र शिविर का आयोजन

कानपुर शहर के एक प्रतिष्ठित आंखों के अस्पताल सेंटर फॉर साइट,माल रोड, कानपुर में किया। जिसमें सभी बैंकों के अधिकारी संगठन के सदस्यों ग्राहकों व अन्य जरूरत मंद लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। शिविर में उपस्थित लोगों के मध्य बोलते हुए आल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉनफेडरेशन के सचिव प्रवीण मिश्र ने कहा बैंको का राष्ट्रीयकरण भारत के लिए वरदान बना और उसी का परिणाम है कि आज भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीकृत बैंक अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन सदैव से करता चला आया है। संगठन के अध्यक्ष अरविंद द्विवेदी ने शिविर का शुभारंभ किया और कहा कि जिस प्रकार राष्ट्रीकृत बैंक समाज के उत्थान में निरंतर लगे है उसी प्रकार बैंको के अधिकारियों के यह सबसे बड़ा संगठन अपने सामाजिक दायित्व को निभाता आ रहा है जो निरंतर बनाए है। शिविर में लोगों से आह्वाहन किया गया कि राष्ट्रीयकृत बैंक ही भारत अर्थ व्यवस्था को मजबूती प्रदान करते है ये अपने ग्राहकों को मामूली शुल्क के साथ सेवाएं प्रदान करते है।

भूजल सप्ताह के अंतर्गत जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कानपुर नगर, भूजल सप्ताह (16–22 जुलाई) के अंतर्गत आज Johnson Matthey Chemicals IPL, सराइमिता, कानपुर में जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन के प्रति जन-जागरूकता हेतु एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण तथा वर्षा जल संचयन की आवश्यकता व महत्व के विषय में जानकारी दी गई। जागरूकता बढ़ाने हेतु पोस्टर एवं बैनर प्रदर्शित किए गए तथा सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से "जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित" का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम भूगर्भ जल विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें कंपनी प्रबंधन एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। उपस्थितजनों ने जल संरक्षण की शपथ लेते हुए अपने कार्यस्थल व निजी जीवन में जल के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प दोहराया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बिल्हौर में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस डी के सिंह

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज बिल्हौर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान 160 प्रकरण आए जिसमें से 19 का मौके पर निस्तारण हो गया। डीएम ने शेष लंबित प्रकरणों का निस्तारण संपूर्ण समाधान दिवस के शासनादेश में उल्लिखित 7 दिन की अवधि के भीतर करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण शासन की मंशानुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण किया जाए। इसकी मॉनिटरिंग वे स्वयं करेंगे। जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की कोताही क्षम्य नहीं होगी। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान 6 प्रकरणों में खतौनियों से त्रुटिपूर्ण नाम को मौके पर ही दुरुस्त करा दिया गया। गबड़हा निवासी नागेंद्र कुमार सिंह कनौजिया पुत्र सोबरन लाल, अवावकरपुर निवासी अशोक कुमार यादव व संतोष कुमार यादव पुत्र देवी प्रसाद यादव, ग्राम बिरेचामऊ निवासी अनुराग कनौजिया पुत्र रमेश चंद्र, मानपुर निवासी जगदीश पुत्र सधरु तथा महाराजपुर निवासी आशाराम पुत्र घासीराम ने खतौनी में नाम गलत दर्ज होने एवं उसमें सुधार करने की मांग की, जिसे डीएम के निर्देश पर तत्काल सही कर दिया गया। रामनाथ पुत्र भगौती प्रसाद निवासी ग्राम सरैया दस्तम खां ने खेत के पास बरसाती नाला के अवरुद्ध होने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि नाला अवरुद्ध होने से नाले का पानी खेत में आ रहा है, जिससे खेत में कटान हो रहा है, जिस पर जेसीबी भेज कर मौके पर नाला खुलवा दिया गया और किसान को राहत पहुंचाई गई। कोमल पत्नी श्याम जी निवासी ग्राम तकीपुर ने आवेदन करने के बाद भी राशन कार्ड न मिलने से जुड़ी समस्या बताई, जिसे डीएम के निर्देश पर पात्रता के अनुसार मौके पर ही जारी कर उन्हें प्रिंट उपलब्ध करा दिया गया।

इसी प्रकार ग्राम लालपुर निवासी रामजानकी को भी मौके पर राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया।कुलदीप सिंह निवासी ग्राम खाड़ामऊ ने अपने खेत में कुछ लोगों द्वारा घर का कूड़ा फेंकने की शिकायत की, जिस पर डीएम ने एडीओ पंचायत बिल्हौर को आज ही मौके पर जाकर प्रकरण का समाधान करने का निर्देश दिया। आज आने वाले शिकायतों में सर्वाधिक राजस्व विभाग से 89, पुलिस से 38, विकास विभाग से 6, जल निगम से 7, नगर पालिका से 2, आपूर्ति से 6, विद्युत से 8, बेसिक शिक्षा से 1 तथा चकबंदी से 2 शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस अंतर्गत तहसील भोगनीपुर में सुनी समस्याएं

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर देहात जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगनीपुर सभागार में लोगों की समस्याओं/शिकायतों को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक, त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 102 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें पांच शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त समस्याओं/ शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें, शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों में प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण कराना सुनिश्चित करें, छोटे-छोटे मामलों को भी गंभीरता पूर्वक लेकर आवश्यक कार्यवाही की जायें।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों का वृहद पुनरीक्षण आयोग द्वारा संशोधित समय सारणी जारी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर देहात जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी(पंचायत एवं नगरीय निकाय) कानपुर देहात आलोक सिंह ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ०प्र०, लखनऊ की संशोधित अधिसूचना के अनुक्रम में जनपद कानपुर देहात की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों का वृहद पुनरीक्षण आयोग द्वारा निर्दिष्ट निम्नांकित समय सारिणी के अनुसार कराया जाएगा। वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम का विवरण निम्नवत है कार्यक्रम जिसमें किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिंट करने की कार्यवाही, बी०एल०ओ० एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का वितरण उपर्युक्त दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेगी।18 जुलाई, 2025 से 18 अगस्त, 2025 तक, बी०एल०ओ० द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि (01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे)19 अगस्त, 2025 से 29 सितम्बर, 2025 तक, ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 19 अगस्त, 2025 से 22 सितम्बर, 2025 तक, ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जांच करने की अवधि23 सितम्बर, 2025 से 29 सितम्बर, 2025 तक, निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि30 सितम्बर, 2025 से 06 अक्टूबर, 2025 तक, ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही)07 अक्टूबर, 2025 से 24 नवम्बर, 2025 तक, निर्वाचक नामावलियो के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र / स्थलों का कमांकन, मतदाता कमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियां कराने आदि।25 नवम्बर, 2025 से 04 दिसम्बर, 2025 तक, अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन05 दिसम्बर, 2025, आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण06 दिसम्बर, 2025 से 12 दिसम्बर, 2025 तक, दावे एवं आपत्तियों प्राप्त करना (01 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी दावे स्वीकार किए जाएंगे)06 दिसम्बर, 2025 से 12 दिसम्बर, 2025 तक, दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 13 दिसम्बर, 2025 से 19 दिसम्बर, 2025 तक। दावे / आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करने की अवधि 20 दिसम्बर, 2025 से23 दिसम्बर, 2025 तक, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी।

दवा न लेने पर मेडिकल स्टोर के दलाल ने फार्मासिस्ट से की मारपीट

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर। मेडिकल स्टोर में लगे दलाल के कहने पर दवा न लेने पर मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में कार्यरत फार्मासिस्ट शैलेन्द्र सचान के साथ गाली गलौज व मारपीट की। फार्मेसिस्ट के साथ हुई घटना की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में फार्मासिस्ट एसोशिएन के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए और मामले की जानकारी पुलिस और उच्चाधिकारियों को दी। मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में बतौर फार्मासिस्ट शैलेन्द्र सचान कार्यरत है। शनिवार को वह अपने किसी परिवार के सदस्य को हृदय रोग संस्थान में दिखाने ले गए थे। हृदय रोग संस्थान से निकलते ही अनिल मेडिकल स्टोर का गुर्गा शैलेन्द्र सचान से दवा लेने को कहने लगा। शैलेन्द्र सचान ने दलाल को दवा लेने के लिए मना कर दिया। जिसि पर दवा लेने का दबाव बनाता हुआ पीछे-पीछे मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल पहुंच गया और जबरन पर्चा लेने की कोशिश करने लगा। शैलेन्द्र ने जब इसका विरोध किया तो उसने गाली गलौज करना कर शैलेन्द्र के साथ मारपीट शुरू कर दी। शैलेन्द्र सचान ने घटना की जानकारी फार्मासिस्ट एसोसिएशन को दी। घटना की जानकारी मिलते ही भारी संख्या में फार्मेसिस्ट मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल पहुंच गए। फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र पटेल ने मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल के सीएमएस डॉ एस.के.सिंह के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दलाल को अपने साथ थाने ले गई। फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने घटना की जानकारी कालेज प्राचार्य प्रो. डॉ संजय काला और हैलट प्रमुख अधीक्षक डॉ आर.के.सिंह को दी। प्रमुख अधीक्षक डॉ आर.के.सिंह ने घटना की निंदा करते हुए इसे दलालो की दबंगई करना बताया। उन्होंने इस बावत ड्रग विभाग की हेड रेखा सचान से दूरभाष पर बात कर मेडिकल स्टोर संचालक पर कार्यवाही करने के लिए कहा। साथ ही जांच करा कर उच्चाधिकारियों को सूचित किया जायेगा।

कानपुर में दरोगा समेत 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश

कानपुर में दरोगा समेत 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर नवाबगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। आरोप है कि शराब पीने के लिए पैसे न देने पर छात्र के कमरे में घुस कर मारपीट करने और पिस्टल तानकर जातिसूचक गालियां दी। पीड़ति का आरोप है कि दरोगा की पत्नी पर उस पर फर्जी रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

19 जुलाई को कानपुर में आयोजित जीजेसी का लाभम सेमिनार उद्योग के लिए एक परिवर्तनकारी कदम साबित होगा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर,शनिवार को 6 लाख से अधिक ज्वैलर्स का प्रतिनिधित्व करने वाली भारत की सर्वोच्च संस्था ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) ने कानपुर में एक उच्च प्रभाव वाले ज्वैलर्स मीट और लभम सेमिनार के साथ अपने उत्तरी आउटरीच की शुरुआत की। वही अपने व्यवसाय को स्वचालित रूप से बढ़ानाइ विषय पर आधारित यह कार्यक्रम 19 जुलाई 2025 को लिटिल शेफ होटल-इम्पेरिया हॉल में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र भर के प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और व्यापार संघों की भागीदारी होगी।कानपुर सर्राफा एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस सत्र को स्केलेबल बिजनेस मॉडल अपनाने के इच्छुक ज्वैलर्स से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। सेमिनार में जीजेसी की आगामी राष्ट्रीय पहलों पर प्रकाश डाला गया, जिसका उद्देश्य आभूषण उद्योग में विकास, नेतृत्व और मान्यता को बढ़ावा देना है।

इनमें लकी लक्ष्मी भी शामिल है, जो एक त्योहारी खुदरा अभियान है जिसे उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने और आभूषणों की बिक्री बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस वर्ष जीजेसी ने जेम लीड की भी शुरुआत की है, जो आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से तैयार किया गया जीजेसी के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने कहा कि ₹हमारा उद्योग एक बड़े बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, और सर्वोच्च संस्था होने के नाते, जीजेसी उद्योग की सुरक्षा, संवर्धन और प्रगति के अपने आदर्श वाक्य पर कड़ी मेहनत कर रही है।

डॉ. रवि कपूर क्षेत्रीय अध्यक्ष (उत्तर) ने साझा किया कानपुर में यूपी सर्राफा एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित लाभम सेमिनार, ज्वैलर्स के लिए सीखने,विचारों के आदान-प्रदान और व्यापारिक प्रथाओं को मजबूत करने का एक मूल्यवान अवसर है।

आज का राशिफल

ज्योतिर्विद
डॉ. श्याम सुंदर पाठक 'अनन्त'
Mob:-9760800271

मेष : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे।

वृष : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्घ होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी।

मिथुन : आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है।

कर्क : उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

सिंह : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

कन्या : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी।

तुला : संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

वृश्चिकः अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

धनु : कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

मकरः आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

कुंभ : बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

मीन : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा।

नागरिक सुरक्षा कोर प्रखंड नवाबगंज द्वारा थैलेसीमिक्स संस्था के साथ 225 थैलेसीमिया से पीड़ित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

जिला अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार , विजय स्मृति गेस्ट हाउस सब्जी मंडी रोड नवाबगंज कानपुर में आयोजित किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा रिबन काट कर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया एवं शिविर में आए रक्तदानियों का उत्साहवर्धन किया ,रक्तदान शिविर में 35 रक्तदानियों ने पंजीकृत कराया, जिसमें 26 लोगों ने ब्लड दिया । उप नियंत्रक श्री शिवराज सिंह, वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक श्री विष्णु कुमार शर्मा, श्री विमलेश यादव , प्रभारी सहायक उपनियंत्रक श्री प्रवीन वर्मा डिविजनल वार्डन श्री धनंजय नारायण सिंह, राजीव सिंह द्वारा जिलाधिकारी/नियंत्रक महोदय को बुकें देकर स्वागत किया गया। रक्तदान शिविर में नवाबगंज प्रखंड के वार्डनों एवं क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कानपुर थैलेसीमिक्स के प्रमुख श्री बी० भट्टाचार्य उनके सभी कार्यकारी समिति के सदस्य एवं जी०एस०वी०एम मेडिकल कॉलेज की टीम का विशेष योगदान रहा। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की व्यवस्था स्टाफ अधिकारी श्री ददन मिश्रा एवं पोस्ट वार्डन श्री प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा किया गया।डिप्टी डिवीजनल वार्डन श्री बृजेंद्र कुमार अग्निहोत्री, राजकुमार अग्रवाल, धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी, जयप्रकाश साहू,संतोष कुमार गुप्ता ,दुर्गेश कुमार निषाद ,सौरभ श्रीवास्तव, राजेंद्र त्रिवेदी , रत्नेश कुमार श्रीवास्तव, धर्मेंद्र शुक्ला, आदि का सराहनीय योगदान रहा। रक्तदान करने वाले स्वयंसेवक धनंजय नारायण सिंह, सुशील कुमार कश्यप ,संजय सिंह ,रवि दोषी,शुभ्रा श्रीवास्तव, अर्पूव शुक्ला, विकास कुमार, दुर्गेश कुमार निषाद, दीपक श्रीवास्तव ,रिचा झा साधना द्विवेदी, चंद्र प्रताप सिंह, राजेश गुप्ता व अन्य

पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना मेले का मुख्य उद्देश्यः प्रबंध निदेशक

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर। कानपुर मेट्रो द्वारा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से डेढ़ माह तक चलने वाले पुस्तक मेलों में मोती झील, बड़ा चौराहा, नयागंज और कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर आयोजित किए गए पुस्तक मेलों को मेट्रो यात्रियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। पुस्तक मेला आयोजित कराने का मुख्य उद्देश्य लोगों में पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह जानकारी शनिवार को यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने दीं।

यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने बताया कि कानपुर मेट्रो अपने यात्रियों की यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेट्रो के चार स्टेशनों में कानपुर सेंट्रल, नयागंज, बड़ा चौराहा और मोती झील में डेढ़ माह तक चलने वाले पुस्तक मेलों का आयोजन किया गया है। ये पुस्तक मेले कानपुर मेट्रो से यात्रा के अनुभव को और भी समृद्ध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से आयोजित ये पुस्तक मेले अगस्त माह के अंत तक जारी रहेंगे। मेट्रो के एनसीएमसी गोस्मार्ट कार्डधारकों को यहां 10 प्रतिशत अतिरिक्त डिस्काउंट का लाभ भी मिलेगा।प्रबंध निदेशक ने बताया कि कानपुर मेट्रो स्टेशनों पर लगे पुस्तक मेले साहित्य प्रेमियों के लिए किसी उपहार से कम नहीं। यहां साहित्य, कला, विज्ञान और वित्तीय प्रबंधन जैसे विविध विषयों पर आधारित पुस्तकें एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सामान्य ज्ञान, प्रेरणादायक साहित्य, तथा स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों की जीवनियां भी मेलों का हिस्सा हैं। पुस्तक प्रेमी यहां देश-विदेश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों और विचारकों की रचनाएं सहजता से प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि इसके अलावा, युवाओं को आकर्षित करने वाले मोटिवेशनल पोस्टर, लैंडस्केप आर्ट और फैंसी स्टेशनरी भी उपलब्ध है। छोटे बच्चों के लिए शुरूआती शिक्षापरक पुस्तकें, और किशोरों के लिए कॉमिक्स, 'मांगा' सीरीज़, हैरी पॉटर व सुपरहीरो आधारित पुस्तकें भी इन मेलों में विशेष आकर्षण हैं।

डीएम ने मुरादाबाद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का आयोग द्वारा जारी संशोधित समय सारणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण कराए

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

मुरादाबाद। डीएम मुरादाबाद द्वारा बताया कि 18 जुलाई 2025 से 18 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति व विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन, उन्हें तत्संबंधी जानकारी देना, प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का विवरण दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेगी। दिनांक 19 अगस्त 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि 01 जनवरी 2025 को

18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे आनलाइन आवेदन करने की अवधि 19 अगस्त 2025 से 22 सितम्बर 2025 तक है। आनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जांच करने की अवधि 23 सितम्बर 2025 से 29 सितम्बर 2025 तक है। निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि 30 सितम्बर 2025 से 06 अक्टूबर 2025 तक है। ड्राफ्ट नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के पाण्डुलिपि तैयार करना निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही की तिथि 07 अक्टूबर 2025 से 24 नवम्बर 2025 तक है।

निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्रध्स्थलों का क्रमाकंन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियों कराने आदि की तिथि 25 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक है। अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन की तिथि 05 दिसम्बर 2025 है। आलेख्य के रुप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण की तिथि 06 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक है। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की तिथि 06 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक है, 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किए जाएंगे। दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण की तिथि 13 दिसम्बर 2025 से 19 दिसम्बर 2025 तक है। दावे,आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करने, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय में जमा करने की अवधि 20 दिसम्बर 2025 से 23 दिसम्बर 2025 तक है।

दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही की तिथि 24 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक है। पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र,स्थलों का क्रमाकंन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग,फोटो प्रतियां कराने आदि की तिथि 09 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक है।

एसपी सिटी ने गूगल मीट गोष्ठी में लिया प्रतिभाग,कानून व्यवस्था पर दिए आवश्यक निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

मुरादाबाद। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने मुख्यालय स्तर से आयोजित एक महत्वपूर्ण गूगल मीट गोष्ठी में प्रतिभाग किया। इस गोष्ठी का आयोजन कानून एवं शांति व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा सनसनीखेज घटनाओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु किया गया था।गोष्ठी में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में एसपी सिटी ने जनपद स्तर पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने और जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए सभी थाना प्रभारियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। गोष्ठी के दौरान अपराधों की रोकथाम, प्रमुख घटनाओं की त्वरित जांच और सूचना तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर भी जोर दिया गया।

चकमार्ग से अवैध कब्जा हटवाने की मांग

ठाकुरद्वारा। किसान ने पड़ोसियों पर चक मार्ग को जोत कर अपने खेत में मिलाकर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।कोतवाली क्षेत्र के गांव गोपीवाला निवासी खुशनवाज़ अली पुत्र नाजिम अली ने संपूर्ण समाधान दिवस अधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसके पड़ोसी काश्तकार चकमार्ग को जोतकर अपने खेत में मिला लेते हैं।जिससे उसे अपने खेत पर आने जाने व कृषि यंत्र ले जाने में परेशानी होती है। राजस्व विभाग द्वारा कई बार निशान देही के बाद भी आरोपियों ने चकमार्ग को पुनः जोत कर अपने खेत में मिला लिया है।किसान ने चक मार्ग से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है।

संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन 36 फरियादियों ने पहुंचकर की शिकायतें

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

ठाकुरद्वारा। तहसील परिसर स्थित सभागार में शनिवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाबचंद की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें 36 फरियादियों ने पहुंचकर अपनी शिकायतें दर्ज कराई। मौके पर किसी भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका।

अपर जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों के गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। इस दौरान संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी प्रीति सिंह तहसीलदार

प्रवीन कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी रुद्र कुमार सिंह,चिकित्सा अधीक्षक राजपाल,इंस्पेक्टर क्राइम संजय शुक्ला व सभी विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

महापौर विनोद अग्रवाल का शिवसेना ने किया भव्य अभिनंदन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। नगर निगम मुरादाबाद की उपलब्धि पर महापौर विनोद अग्रवाल का शिवसेना द्वारा सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया।

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने उन्हें भगवा पगड़ी पहनाई, शाल ओढ़ाई और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। शिवसेना जिला प्रमुख ने इस अवसर पर कहा कि मुरादाबाद नगर निगम का देशभर में आठवां स्थान प्राप्त करना गौरव की बात है। यह उपलब्धि नगर निगम के सभी अधिकारियों और महापौर के कुशल नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने निगम के समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों

को भी बधाई दी।अभिनंदन समारोह में कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, विपिन भटनागर, अरुण ठाकुर, उमेश ठाकुर, शिबू पांडे, राजीव राठौर, आकाश सिंह, भारत अरोरा, योगेश आनंद, बादाम सिंह, पंकज पाल समेत कई शिवसेना कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला और सभी ने नगर निगम की उपलब्धियों की सराहना की।

करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने सपा सांसद इकरा हसन पर की टिप्पणी

मुरादाबाद, । करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा नाम के फेसबुक पेज से कैराना लोकसभा से समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करने का मामला प्रकाश में आया है। सपा के जिला अध्यक्ष जयवीर सिंह यादव एडवोकेट ने शनिवार को इस टिप्पणी का विरोध करते हुए कहा कि सपा अपना विरोध जताएगी और संबंधित आरोपित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करेगी।

सपा जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि सार्वजनिक मंच पर एक निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि का यह अपमान है।

खबरें फटाफट

शांति व्यवस्था भंग करने में किया चालान

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण, कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा 20 व्यक्तियों को संज्ञेय अपराध कारित करने से रोकने एवं परिशान्ति कायम रखने हेतु अन्तर्गत हिरासत में लेकर माननीय न्यायालय भेजा गया। थाना मूंढापांडे- 05, थाना भगतपुर- 02, थाना कटघर- 03, थाना कांठ- 02, थाना ठाकुरद्वारा- 01, थाना छजलैट- 01, थाना मैनाठेर- 02, थाना मुगलपुरा- 01, थाना मझोला- 01, थाना बिलारी- 02 आदि को न्यायालय के समक्ष पेश किया।

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के निकट पुलिया धंस जाने से आवागमन प्रभावित

ठाकुरद्वारा। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज रामपुर घोघर के निकट स्थित पुलिया धंस जाने से आवागमन बाधित हो गया है। विद्यालय की प्राचार्य पुलिया के निर्माण की मांग करते हुए सिंचाई विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अवर अभियंता से नाराजगी जताई। ब्लॉक क्षेत्र का रामपुर घोघर गांव उत्तराखंड के तुमरिया डैम से पोषित नहर के किनारे बसा हुआ है। गांव में आने-जाने के लिए मात्र एक पुलिया है। किसी पुलिया से होकर राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की छात्र-छात्राएं और शिक्षिकाएं आते जाते हैं। पेयजल ओवरहेड टैंक निर्माण के लिए ट्रैक्टर ट्राली से सीमेंट की बोरी लाते समय अधिक लोड होने से पलिया धंस गई। गांव में आवागमन ठप हो गया, लोगों को पैदल ही आना जाना पड़ रहा है। विद्यालय की प्राचार्य रिचा पाठक ने संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र दिया तो एडीएम प्रशासन गुलाबचंद के आदेश पर अवर अभियंता सिंचाई ने उनकी शिकायत सुनी और कहा कि उनका विभाग पुलिया निर्माण करने में असमर्थ है। यह सुनते ही प्राचार्य ने नाराज होते हुए कहा कि उत्तराखंड के अधिशासी अभियंता ने स्पष्ट कहा है कि यूपी का सिंचाई विभाग की का निर्माण करेगा तो यह टालमटोल बिल्कुल उचित नहीं है।

स्वतंत्रता संग्राम के पहले महानायक पं. मंगल पांडेय को याद किया कांग्रेसजनों ने

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

मुरादाबाद। महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी और महानायक पंडित मंगल पांडेय की जयंती के अवसर पर चौमुखापुल स्थित पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। महानगर अध्यक्ष जुनैद इकराम ने पंडित मंगल पांडेय के बलिदान और साहस को याद करते हुए कहा कि वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के पहले नायक थे। उनके नेतृत्व में बैरकपुर छावनी विद्रोह का केंद्र बनी और यही विद्रोह 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का आधार बना। उन्होंने कहा कि मंगल पांडेय का बलिदान

देशवासियों के लिए आज भी प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम में अनुभव मेहरोत्रा, असद मौलाई, हाजी नजाकत ठेकेदार, अशोक कपूर, पार्षद नदीमुद्दीन कातिब, जईम चौधरी, नितिन शर्मा, जमीर अंसारी, नदीम उर्फ गुड्डन, जावेद नबी खान, पार्षद राशिद अली, पार्षद परवेज, पार्षद सद्दाम हुसैन, अफसर अंसारी, अनुराग शर्मा, अफसर खान, गोसिया साबिर, माहेरा खान, दानिश कुरैशी, मोहम्मद रफीक, जकरिया कुरैशी शादान, समीर, महफूज़ उर्फ राजा, सोनी सैफी, मोहम्मद रफी, वाहिद सैफी, बन्ने पहलवान, जाकिर पहलवान, साहिल, नवाब आसिफ, डॉ. शरद शर्मा, अनवार सैफी, शरीफ, सिराज अहमद, जहीर मोहम्मद अनस, सरदार जगजीत सिंह, अब्दुल रऊफ, प्रमोद कौशिक, सफदर नियाज़ी, ताजदार उस्मानी, मौ0 शमी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देशभक्ति की शपथ लेते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लिया।

अपर आयुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। अपर आयुक्त सर्वेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित हुई। समीक्षा बैठक के दौरान एजेण्डावार मण्डल के अन्तर्गत निर्यातकों एवं औद्योगिक संगठनों की समस्याओं पर विचार -विमर्श किया गया। बैठक में प्रेम वण्डर लैंड के समीप स्थित सम्पार संख्या 413-ए पर दूसरे चरण में अतिरिक्त दो लेन उपरिगामी सेतु के निर्माण के सम्बन्ध में उप परियोजना प्रबन्धक द्वारा बताया गया इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना में सम्मिलित कर प्रस्ताव शासन को अनुमोदन हेतु भेजा जा चुका है। अपर आयुक्त द्वारा जनपद में डियर पार्क के संचालन के सम्बन्ध में डीएफओ मुरादाबाद को कार्यवाही हेतु एवं गागन नदी के किनारे-किनारे कूड़ा कचरा डालने वालों पर अब तक की गयी कार्यवाही के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पूरी जिम्मेदारी सिंचाई विभाग की है साथ ही नगर निगम एवं प्रदूषण विभाग को भी इसमें कार्यवाही के निर्देश दिए। ई-वेस्ट रिसाक्लिंग के सम्बन्ध में नगर निगम के प्रतिनिधि को डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण एवं जागरूकता अभियान चलाकर कूड़ा संग्रहण की प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही किये जाने एवं इसका प्रचार -प्रसार कराते हुए संवेदनशील अपशिष्ट का डिस्पोजल कराये जाने के निर्देश दिये गये। डोलरा गांव निकट दलपतपुर मुरादाबाद में ड्राइपोर्ट परियोजना के लिए सड़क चौड़ीकरण की मंजूरी के सम्बन्ध लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि लगमग 6 मीटर रोड बन गयी है। शेष स्टीमेट बनाकर शासन को भेजा जा चुका है, स्वीकृति के पश्चात कार्य करा दिया जायेगा। रामपुर दोराहा ग्राम बरवाला मझरा की पानी निकासी हेतु नाले के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग को सर्वे करते हुए टैक्निकल राय प्राप्त करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही उद्योग बंधु समिति की बैठक प्रत्येक माह जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित।निस्तारण जिले स्तर पर न हो रहा हो उसे मण्डल स्तर पर मण्डलीय समिति को अग्रसारित किये।

डीएम के आदेश पर शव को कब्र से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम कराया

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

भोजपुर। मृतक के परिजनों की तहरीर पर शनिवार को पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजुदगी में दो महीने पहले दफन किए गए किशोर के शव को कब्र से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम कराया है। 16 मई की रात को गांव मिलक झादेवाली निवासी, किशोर की ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबकर मौत हो गई।

परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव को गांव के कब्रिस्तान में दफन कर दिया था। कुछ दिनों पहले मृतक के परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल को शिकायती पत्र देकर तीन लोगों के खिलाफ रंजिशन बेटे की हत्या कर दुर्घटना का रूप देकर गुमराह करने का आरोप लगाते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी। कप्तान व डीएम की आदेश पर शनिवार को प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक ने नायब तहसीलदार पल्लवी वानिया की मौजुदगी में शव को कब्र से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम करवाया। शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने से मौत की वजह स्पष्ट नहीं हुई। इस पर पुलिस ने विसरा रिजर्व कर जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला को भेजने की तैयारी की है।

ड्रोनों से फैली सनसनी, पूरी रात भागती रही डायल 112 पुलिस

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के कई क्षेत्रों में लगातार हर रात आसमान में हैवी ड्रोन उड़ते नज़र आ रहे हैं। जिससे लोगों में दहशत का माहौल है लोग पूरी पूरी रात आंखों में बिता रहे हैं ऐसी ही वारदातें पूरे मूंढापांडे क्षेत्र की हर ग्राम पंचायत में देखनें को मिल रही हैं। ग्राम पंचायत सिरसखेड़ा में भी देर शाम से आसमान में उड़ते भारी भरकम ड्रोन नज़र आए रात्रि के बारह बजे कई जगह गांव में शोर शराबा सुनने को मिला जिसकी आवाजें सुनकर महिलाएं व बच्चें अपने-अपने घरों में सहम गए सूचना पर पुलिस एक गांव में

पहुंचती है, तो दूसरे गांव से ड्रोन उड़ने की सूचना आ जाती है। जिससे पुलिस परेशान है और वह अंदाजा नहीं लगा पा रही है। कि यह क्या माजरा है। ऐसे आलम में मस्जिदों से जागने के लिएं ऐलान किये जा रहे हैं। लोगों में चर्चाएं फेल रही हैं। कोई कह रहा कि यह चोरों के जासूसी ड्रोन हैं। जिसकी मदद से यह लोग चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देना चाह रहे हैं। कोई कह रहा है कि यह शरारत पसंद लोगों के ड्रोन हैं। जो कि अपनी शरारत से लोगों में दहशत फैला रहे हैं। आसमान में यह कैसे ड्रोन है किसके ड्रोन है कहां के ड्रोन हैं। यह एक जांच का विषय है। मगर इस समय लोगों में सनसनी फैली हुई है। और पूरी पूरी रात पुलिस की गाड़ियों के सायरन सुनने को मिल रहे हैं। पुलिस इसको लेकर के पूरी सतर्क है।

किराए पर करी कार फिर जालसाजी से बेची,शिकायत

ठाकुरद्वारा। दो दिन के लिए किराए पर कार लाकर आरोपियों ने जालसाजी से अन्य व्यक्ति को बेच दी। वाहन स्वामी ने गाड़ी वापस मांगी तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई।कोतवाली क्षेत्र के गांव सरकड़ा परमपुर माफी निवासी साहिब अली पुत्र नवाब अली ने संपूर्ण समाधान दिवस अधिकारी को शिकायती पत्र देकर कहा कि उसकी जान पहचान के ठाकुरद्वारा निवासी दो व्यक्ति दो जुलाई 2025 को उसकी स्कॉर्पियो कार दो दिन के लिए किराए पर ले गए थे। उन्होंने उससे कहा कि वह कर स्वयं चलाएंगे और दो दिन बाद वापस लौटा देंगे। जब उसने दो दिन बाद अपनी कर वापस मांगी तो आरोपियों ने उसे टाल दिया। और उसकी कार जालसाजी से डिलारी के एक गांव निवासी व्यक्ति को बेच दी। पता चलने पर उसने जब अपनी कार पुनः मांगी तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कार्रवाई की मांग की है।

कांवड़ यात्रा के सकुशल आयोजन हेतु एसपी देहात का निरीक्षण दौरा

मुरादाबाद। कांवड़ यात्रा को शांति व सुरक्षा के साथ सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मुरादाबाद कुंवर आकाश सिंह ने थाना कांठ क्षेत्रान्तर्गत चेक पोस्ट गढ़ी सलेमपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस बल की उपस्थिति और तत्परता की जांच की तथा कावड़ सेवा शिविरों एवं कावड़ मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और यात्रा निर्विघ्न सम्पन्न हो सके।

दैनिक नेशनल एक्सप्रेस
हर खबर समय पर
43 वर्षों से निष्पक्ष व निर्भीक समाचार पत्र
1981 43 YEARS 2024
आवश्यकता है
नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नेशनल एक्सप्रेस को हिंदी पत्रकारिता में ब्यूरो प्रमुख, अनुभवी पत्रकार / विज्ञापन प्रसार के लिए दिल्ली व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आवश्यकता है। जर्नलिज्म में अपना कैरियर बनाने को इच्छुक व्यक्ति संपर्क कर सकते है।
7080333338 011-49066569
news.vpl@gmail.com
VPL MEDIA PRIVATE LIMITED
S-561, Greater Kailash- II, New Delhi-110048
15/240 G Civil Lines Kanpur - 208001
Instagram nationalexpressindia
nationalexpressindia
70 80 333338
facebook

'हरित गांव' के रूप में स्थापित होगा प्रदेश का हर गांव, "ग्रीन चौपाल" का होगा आयोजन

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य के हर गांव को "हरित गांव" के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इसमें आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस कड़ी में हर माह के तीसरे शुक्रवार को "ग्रीन चौपाल" आयोजित की जाएगी। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत दिनों एक बैठक में निर्देश दिया था कि वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 15 प्रतिशत तक ले जाना है। यह लक्ष्य तभी सफल होगा, जब पौधारोपण जनांदोलन का स्वरूप ले। इसके लिए हर गांव को हरित गांव बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस कड़ी में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि राज्य के प्रत्येक गांव में "ग्रीन चौपाल" के जरिए पर्यावरण संरक्षण होगा, जिसमें आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। हर माह के तीसरे शुक्रवार को अनिवार्य रूप से ग्रीन चौपाल की बैठक होगी।

बयान के अनुसार "ग्रीन चौपाल" के अध्यक्ष ग्राम प्रधान होंगे जो इसका संचालन करेंगे। सेक्शन/बीट अधिकारी सदस्य सचिव तथा ग्राम पंचायत अधिकारी संयोजक होंगे। इसके अलावा तीन ग्राम पंचायत सदस्य (न्यूनतम एक महिला), स्वयं सहायता समूह की एक महिला प्रतिनिधि, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, आंगनबाड़ी सहायिका, रोजगार सेवक, प्रगतिशील कृषक, पर्यावरणविद्/स्थानीय एनजीओ के प्रतिनिधि व जैव विविधता प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि ग्राम चौपाल के सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त संबंधित विभागों के प्रतिनिधि विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

प्रदेश की हरियाली बढ़ाने के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को ग्रीन चौपाल की बैठक होगी। इस दिन राजकीय अवकाश होने की स्थिति में अगले दिन अनिवार्य रूप से ग्रीन चौपाल की बैठक होगी। विभिन्न विभागों की पर्यावरण से जुड़ी योजनाओं का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि के प्रति स्थानीय स्तर पर विशेष प्रचार-प्रसार (नुक्कड़ नाटक, रैली, गोष्ठी) आदि का आयोजन भी होगा। गांवों के विद्यालयों में शिक्षकों/विद्यार्थियों को जैव-विविधता, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि के संबंध में जागरुक किया जायेगा। ग्रीन चौपाल के कार्यों की निगरानी जिला वृक्षारोपण समिति करेगी।

मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के निर्देशन में ग्रीन चौपाल के कार्यों के विवरण का संकलन प्रत्येक महीने जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा किया जाएगा। समस्त प्रगतिशील ग्रीन चौपालों को राज्य स्तर पर भी सम्मानित किया जाएगा।

मां की डांट से नाराज नाबालिग ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

बलिया, (भाषा) उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के एक गांव में शुक्रवार शाम को मां की डांट से नाराज होकर 12 वर्षीय एक नाबालिग लड़के ने फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि वहीं उभांव थानाक्षेत्र में 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, सुल्तानीपुर गांव में शुक्रवार को सत्यम गोंड (12) ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि घटना के समय सत्यम घर पर अकेला था और उसकी मां दोपहर में अपने दो बच्चों के साथ खेत में बकरी चराने गई थी।

थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया कि सत्यम को दोपहर में उसकी मां ने किसी बात पर डांटा था, जिससे नाराज होकर उसने घर में लगे पंखे की हुक में रस्सी का फंदा बनाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

वहीं उभांव थानाक्षेत्र के बिल्थरा रोड कस्बे में मधुबन रेलवे क्रासिंग के समीप शुक्रवार रात वाराणसी से लखनऊ जा रही कृषक एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूदकर 35 वर्षीय एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली।

थाना प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि युवक की शिनाख्त बिल्थरा रोड कस्बे के रहने वाले पंकज ठठेरा (35) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही है कि व्यक्ति ने आत्महत्या क्यों की।

खोड़ारे पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ 01 अभियुक्त को धरदबोचा

गोण्डा । पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी मनकापुर उदित नारायण पालीवाल के नेतृत्व में थाना खोड़ारे पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्कर श्यामू प्रसाद पुत्र बहादुर मौर्या निवासी खम्हरिया खपड़हवा थाना खोड़ारे जनपद गोण्डा को मोकलपुर गांव नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम नाजायज गांजा बरामद किया।

दिनांक 19.07.2025 को थाना खोड़ारे के उ0नि0 अजय कुमार निषाद राउत मय हमराह के साथ शांति व्यवस्था हेतु क्षेत्र भ्रमण में रवाना थे कि मोकलपुर गांव नहर पुलिया के पास एक व्यक्ति के संदिग्ध दिखने पर रोक टोक कर चेक किया गया तो उसके कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम नाजायज गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त श्यामू प्रसाद के विरूद्ध थाना खोड़ारे में गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त- श्यामू प्रसाद पुत्र बहादुर मौर्या नि0 खम्हरिया खपड़हवा थाना खोड़ारे जनपद गोण्डा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वेतन न मिलने पर शिक्षकों ने किया लेखाधिकारी कार्यालय का घेराव

गोंडा ।शिक्षकों को जून माह का वेतन न मिलने के विरोध में शिक्षक संघर्ष समिति ने वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय का घेराव किया।

शिक्षकों का आरोप है कि कार्यालय में मनमानी व्यवस्था चल रही है। शासनादेशों की अनदेखी के कारण जिले के हजारों शिक्षक, शिक्षामित्र व कर्मचारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

शिक्षक संघर्ष समिति के संयोजक सतीश पाण्डेय व सहित संयोजक गौरव पाण्डेय ने कहा कि नए लेखाधिकारी के कार्यभार संभालने के बाद भी वेतन नहीं मिला।पटल सहायक नियमित रूप से अनुपस्थित रहते हैं और वेतन संबंधी कार्य समय पर पूरा नहीं करते हैं। विशिष्ट बीटीसी कै जिलाध्यक्ष अनूप सिंह और मृतक आश्रित शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उमेश मिश्रा ने वेतन में दैरी सै शिक्षकों के परिवारों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

समिति नै उप शिक्षा निदेशक को पटल सहायकों कै विरुद्ध कार्यवाही हेतु मांगपत्र सौंपा। शिक्षकों नै चेतावनी दी है कि समय पर वेतन न मिलने पर आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन में अमर यादव,मुशीर सिद्दीकी, ओमप्रकाश पासवान सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों की मांग है कि शासन के आदेशों का पालन हो तथा नियमित रूप से वेतन मिले।

पिता-पुत्र की हत्या के मामले में छह दोषियों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा

प्रतापगढ़, (भाषा) उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत ने पिता-पुत्र की हत्या के चार वर्ष पुराने मुकदमे में छह लोगों को दोषी करार देते हुए शुक्रवार को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 42,500 रुपये का जुर्माना लगाया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि हथिगवां थानाक्षेत्र के बलीपुर निवासी मिथलेश ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि दो नवंबर, 2020 की शाम शीतला सिंह अपने बेटे विपिन सिंह के साथ ट्रैक्टर से धान लाद कर घर आ रहे थे और एक बिजली का तार उनके ट्रैक्टर में फंस गया। उन्होंने बताया कि तार हटाने को लेकर शीतला सिंह का राजेंद्र बहादुर सिंह नाम के व्यक्ति से विवाद हो गया। अधिकारी ने बताया कि विवाद जल्द ही हिंसक झड़प में तब्दील हो गया और इस बीच शीतला सिंह ने राजेंद्र बहादुर सिंह और उसके बेटे अभय को गोली मार दी। अधिवक्ता ने बताया कि वहीं शीतला सिंह के दो बेटों, पत्नी और बहू ने राजेंद्र और उसके बेटे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में राजेंद्र बहादुर सिंह और उसके बेटे अभय सिंह की मौत हो गई। अपर सत्र न्यायाधीश बाबूराम ने शुक्रवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साक्ष्य के आधार पर शीतला सिंह, बेटे विपिन सिंह व रणजीत सिंह, पत्नी चंदा सिंह, बहू प्रीति सिंह और प्रकाश सरोज को दोषी करार देते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 42,500 रुपये का जुर्माना लगाया।

तेज रफ्तार कार ने फ्लाईओवर के नीचे सो रही तीन महिलाओं को कुचला, एक महिला की मौत

प्रयागराज, (भाषा) उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शुक्रवार रात तेज रफ्तार एक कार ने फ्लाईओवर के नीचे सो रही तीन महिलाओं को कुचल दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सिविल लाइंस थानाक्षेत्र में आंबेडकर चौराहे के पास हुई इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई जबकि दो अन्य महिलाएं घायल हो गईं।

सहायक पुलिस आयुक्त (सिविल लाइंस) श्यामजीत प्रमिल सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात आंबेडकर चौराहे के पास तेज रफ्तार एक अनियंत्रित कार ने तीन महिलाओं को कुचल दिया।

उन्होंने बताया कि घायल महिलाओं को एसआरएन में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि मृतका की पहचान चमोली देवी (65) के रूप में हुई है।

सिंह ने बताया कि चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया और उसे गिरफ्तार करने के लिए दो टीमों का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कर कार को जब्त कर लिया गया।

उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं में 18 लोगों की मौत

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश में 17 जुलाई को शाम आठ बजे से लेकर 18 जुलाई को शाम आठ बजे के बीच विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं में 18 लोगों की मौत हो गई। प्रदेश सरकार ने शनिवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी।

बयान के मुताबिक चित्रकूट में छह लोगों जबकि महोबा, बांदा और मुरादाबाद में तीन-तीन लोगों की मौत हुई। वहीं गाजीपुर, ललितपुर और गोंडा में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। बयान के मुताबिक 17 और 18 जुलाई को चित्रकूट में दो लोगों की डूबने से मौत हुई जबकि मुरादाबाद में 17 जुलाई को तीन व्यक्तियों की डूबने से मौत हुई। वहीं, गाजीपुर में 18 जुलाई को एक व्यक्ति की डूबने से मौत हुई।

इसी तरह बांदा में 17 और 18 जुलाई के बीच अतिवृष्टि की वजह से तीन लोगों की मौत हुई। वहीं महोबा में अतिवृष्टि की वजह से दो व्यक्तियों की और चित्रकूट में अतिवृष्टि की वजह से दो व्यक्तियों की मौत हुई।

बयान के मुताबिक ललितपुर में 18 जुलाई को अतिवृष्टि की वजह से एक व्यक्ति की मौत हुई। महोबा में सांप काटने से एक व्यक्ति की, जबकि गोंडा में सांप काटने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हुई।

आम आदमी पार्टी ने विद्यालय बंदी के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा। आम आदमी पार्टी द्वारा प्राथमिक विद्यालय खम्हरिया में विद्यालय बंद किए जाने के विरोध में एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया।इस विरोध प्रदर्शन में ग्रामीणों, अभिभावकों और बच्चों ने भी पूरी मजबूती से भाग लिया।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व आम आदमी पार्टी गोंडा के जिलाध्यक्ष अजय कुमार मिश्र 'अज्जू पंडित' ने किया। प्रदर्शन में पार्टी पदाधिकारियों समेत क्षेत्रीय ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल रहे।श्री मिश्र ने कहा कि योगी सरकार की यह नीति पूरी तरह से जनविरोधी और शिक्षा विरोधी है।

यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों के लिए शिक्षा का एकमात्र केंद्र है। यदि इसे बंद किया गया तो बच्चों की शिक्षा बाधित होगी और कई को तो नदी पार करके दूर के स्कूलों में जाना पड़ेगा, जिससे जान का खतरा भी है।पार्टी की माँग है कि इस विद्यालय को तत्काल पुनः संचालित किया जाए और सरकार ग्रामीण शिक्षा की दुर्दशा को समाप्त करने हेतु ठोस कदम उठाए।

वजीरगंज पुलिस ने चोरी के माल के साथ 2 वांछितों को किया गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोण्डा ।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय के के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी तरबगंज उमेश्वर प्रभात सिंह के नेतृत्व में थाना वजीरगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-224/2025, धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित 02 अभियुक्तों- 01. पंकज सिंह पुत्र मेजर सिंह, 02. सुरेश सिंह पुत्र कप्तान सिंह को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया गया तथा घटना में संलिप्त 01 बालअपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।

वादी वंश बहादुर चौहान पुत्र राम धीरज चौहान, निवासी ग्राम उदयपुर ग्रन्ट, थाना वजीरगंज, जनपद गोण्डा द्वारा थाना वजीरगंज में लिखित तहरीर दी गयी कि दिनांक 18.07.2025 की रात्रि लगभग 8 बजे वह अपनी विद्युत मोटर खेत में चला कर घर चला गया था। रात्रि लगभग 2 बजे जब वह खेत पहुँचा तो मोटर चोरी हो चुकी थी। अज्ञात चोर द्वारा विद्युत मोटर चोरी कर ली गई है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना वजीरगंज में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत हुआ। आज दिनांक 19.07.2025 को थाना वजीरगंज पुलिस द्वारा चोरी करने के 02 वांछित अभियुक्तों- 01. पंकज सिंह पुत्र मेजर सिंह, 02. सुरेश सिंह पुत्र कप्तान सिंह को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया गया तथा घटना में संलिप्त 01 बालअपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरूद्ध वजीरगंज पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय रवाना किया।गिरफ्तार अभियुक्त पंकज सिंह पुत्र मेजर सिंह निवासी धर्मपुरा महादेवा थाना मनकापुर जनपद गोण्डा। सुरेश सिंह पुत्र कप्तान सिंह निवासी धर्मपुरा महादेवा थाना मनकापुर जनपद गोण्डा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

आपरेशन कन्विक्शन के तहत मारपीट करने तीन अभियुक्तों को तीन साल की सजा,जुर्माना

गोण्डा जुलाई।थाना मोतीगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम फरेंदा मौजा सोहांस में दो पक्षों के मध्य दीवाल बनाने के को लेकर विवाद हुआ था। वादी संतोष कुमार सिंह की तहरीर पर थाना मोतीगंज में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत हुआ था। जिसमें थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा आरोपी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

थाना स्थानीय पर तत्कालीन विवेचक द्वारा साक्ष्य संकलन व विवेचनात्मक कार्यवाही के उपरान्त अभियुक्तों के विरूद्ध आरोप पत्र दिनांक 08.12.2017 को न्यायालय प्रेषित किया गया था।पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के अनुपालन एवं पुलिस अधीक्षक गोण्डा के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दंडात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम मे उक्त अभियोग मे, प्रभारी मॉनिटरिंग सेल प्रदीप कुमार शुक्ला, लोक अभियोजक अभिनव चतुर्वेदी, कोर्ट मोहर्रिर म0 अ0 नीरा व थाना मोतीगंज के पैरोकार म0का0 सारिका की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप आज दिनांक- 19.07.2025 को माननीय न्यायालय/पीठासीन अधिकारी निर्भय प्रकाश द्वारा अभियुक्तों को दोषसिद्ध करते हुए 03 वर्ष का कारावास व प्रत्येक को रू0 6,500-6,500/- अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

जनसहभागिता से स्वच्छ गोण्डा का सपना होगा साकार: नेहा शर्मा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोण्डा ।स्वच्छता ही सेवा है ।जन सहभागिता से स्वच्छ गोण्डा का सपना साकार होगा ।हमारे पूजा स्थल भी साफ सफाई से लैश हो।उक्त आशय का विचार डीएम नेहा शर्मा ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा की सावन मास में शिवालयों की साफ सफाई में जन सहभागिता जरूरी है।उन्होंने साफ कहा कि गोण्डा को स्वच्छ बनाने के लिए जमीन पर काम करना होगा ।जो बिना जन सहभागिता के संभव नहीं है। उन्होंने कहा की जिले के सभी शिवालयों पर साफ सफाई की जा रही है। जिसमें काफी बढ़ चढ़ कर जन सहयोग मिल रहा है।

जिला मुख्यालय पर दुखहरन नाथ शिवमंदिर पर साफ सफाई जारी है ।वहीं हलधरमऊ ब्लाक में बरखंडी नाथ मंदिर पर वहीं करनैलगंज में भैरव नाथ शिवमंदिर खरगूपुर में पृथ्वी नाथ शिवमंदिर पर तथा मनकापुर में करोहानाथ शिव मन्दिर पर तथा वजीरगंज में बालेश्वर नाथ शिवमंदिर पर जनसहभागिता से

● जिले के शिवालयों पर हो रही है साफ सफाई

साफ सफाई कर सेवा सप्ताह चल रहा है। उन्होंने साफ कहा कि स्वच्छता में जन सहयोग को नकारा नहीं जा सकता। डीएम नेहा शर्मा के आह्वान पर जिले के शिवालयों में साफ सफाई अभियान जन सहयोग से जारी है। जहां सभी शिवालयों पर कजरीतीज को विशाल मेला और कांवड यात्रा होती है। लोग पवित्र नदियों से जल लाकर अपने अराध्य शिव को चढाते पूजन,अर्चना करते हैं। जहां जन सहभागिता से लोग श्रम दान कर साफ सफाई अभियान जन सहयोग से चला रहे हैं।डीएम नेहा शर्मा ने बताया की कांवड यात्रा को सफल बनाने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है।

थानों और चौकियों पर उभय समुदाय के शान्ति कमेटी सदस्यों की बैठक कर ली गयी है। ताकि जिले के शिवालयों पर आने वाली पवित्र कांवड यात्रा को निर्विघ्न सफल बनाया जा सके।उन्होंने कहा की कजरी तीज जिले के शिवालयों में आस्था का जनसैलाब उमड़ता है ।जिसे सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है।

अमृत भारत ट्रेन का गोंडा रेलवे स्टेशन पर हुआ स्वागत

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा ।गोंडा रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत ट्रेन का शुभारंभ किया गया।ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दरभंगा रेलवे स्टेशन से किया।अमृत भारत ट्रेन का गोंडा से संचालन होने पर लाखों यात्रियों को गोंडा से बिहार और दिल्ली जाने में अब किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।

वहीं बिहार और दिल्ली में रहने वाले यात्रियों को अब गोंडा आने में भी किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।यह अमृत भारत ट्रेन मनकापुर और गोंडा होते हुए दिल्ली के आनंद बिहार तक जाएगी।यह ट्रेन बिहार के बापू धाम मोतिहारी से आनंद बिहार तक का सफर 22 घंटे में पूरा करेगी।हफ्ते में दो दिन चलने वाली इस ट्रेन में मोबाइल चार्जर,मॉडल टॉयलेट और अनाउंसमेंट जैसी सुविधाएं हैं।

वंदे भारत ट्रेन की तरह सुविधाएं होने के बावजूद इसका किराया कम रखा गया है।सहायक वाणिज्य प्रबंधक मुकेश कुमार के अनुसार ट्रेन में एसी कोच नहीं है।सभी डिब्बे स्लीपर व जनरल श्रेणी के हैं।

यह ट्रेन आम लोगों,मजदूरों और सामान्य यात्रियों की सुविधा के लिए शुरू की गई है।ट्रेन के शुभारंभ के मौके पर रेलवे परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव,एईएन आलोक कुमार व स्वास्थ्य निरीक्षक केएल शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यात्रियों का कहना है कि ट्रेन में अच्छी सुविधाएं हैं और वीआईपी ट्रेनों की तुलना में किराया भी कम है।

महान क्रांतिकारी शहीद मंगल पांडेय की जयंती मनाई गई

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा ।1857के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का विगुल फूंक कर फांसी का फंदा चूमने वाले महान क्रांतिकारी मंगल पांडे की जयंती पर जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष राम प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुष्पांजलि अर्पित कर क्रांतिकारी महा नायक के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की गई ।

इस पर आयोजित विचार गोष्ठी की शुरुवात करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्र ने कहा कि बलिया उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण परिवार में जन्मे मंगल पांडे ने चर्बी लगे कारतूसों का प्रयोग न करने को लेकर बंगाल रेजीमेंट के अपने साथियों का आवाहन कर सैनिक विद्रोह की शुरुवात की और नारा दिया कि मारो फिरंगी को और इसी के साथ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की नींव पड़ी।शहर अध्यक्ष शाहिद अली कुरेशी ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा जब अंग्रेजी हुकूमत अपने चरम पर थी ऐसे समय में ब्रिटिश फौज में सिपाही

रहते हुए उनके विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह की शुरुवात कर मंगल पांडे को प्रथम स्वतंत्रता सेनानी होने का ग़ौरव प्राप्त है।

जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह ने कहा की बंगाल इन्फेंट्री की पांचवी बटालियन के सिपाही मंगल पांडे को 22वर्ष की उम्र में फांसी की सजा पाने वाले महान क्रांतिकारी मंगल पांडे ने गाय और सूअर की चर्बी लगे हुए कारतूसों को मुंह से न खोलने का आवाहन कर अपने साथी सैनिकों के साथ अंग्रेजी हुकूमत का आदेश मानने से इनकार कर दिया जिस वजह से 8 अप्रैल 1857 को बैरम पुर बैरक में फांसी दी गई किंतु उसी के साथ ही देश के आजादी का बिगुल फूंक दिया गया ऐसे महान क्रांतिकारी को शत-शत नमन बंदन।इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष सगीर खान, सेवादल के अनीस नाना, राम बुझारत वर्मा, शहजादे मेवाती ने क्रांतिकारी मंगल पांडे के बारे में अपने विचारों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से सौरभ सिंह, शादाब खान एडवोकेट, रवि मिश्रा,मो इमरान खान, अब्दुल्ला , अविनाश मिश्रा, विनोद, जानकी देवी सहित तमाम कांग्रेस जनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर क्रांतिकारी मंगल पांडे को श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम में हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, तैयब,नबि बख्श,निर्मला देवी, डाक्टर जफर अशफाक व हाफिज महमूद सहित दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

समाधान दिवस में आई 47 शिकायतें, 10 का निस्तारण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित तथा जिलास्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील शिकोहाबाद में आयोजित किया गया। डीएम, एसएसपी ने तहसील क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा समाधान दिवस में संबंधित अधिकारियों को उनकी समस्याओं के निस्तारण के आदेश दिए । इस दौरान अधिकतर मामले राजस्व के, कानून व्यवस्था संबंधित, रजिस्ट्री संबंधित, शिक्षा, पंचायत, चिकित्सा संबंधी, नगर पालिका इत्यादि से संबंधित मामले आए। इनमें से जिलाधिकारी ने कुछ का तत्काल निस्तारण किया और अन्य शिकायतो निस्तारण के लिए अधीनस्थ अधिकारियों को आदेश

दिए। समाधान दिवस में एक फरियादी ने जिलाधिकारी से फरियाद की कि उसके कूल्हे का ऑपरेशन होना है परंतु उसके पिता के नाम से त्रुटि होने के कारण उसका इलाज संभव नहीं हो पा रहा है, ऐसी स्थिति में आयुष्मान कार्ड में मेरे पिता का नाम सही कराया जाए, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को इस समस्या का तुरंत निस्तारण करने का आदेश दिए। शिकायतकर्ता दिवारी लाल ने शिकायत की कि गिहार कॉलोनी में पानी भर जाने के कारण तमाम तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही है, इस पर जिलाधिकारी ने ई0ओ0 शिकोहाबाद को उसकी समस्या को तत्काल निस्तारित करने के आदेश दिए। इसी तरह रेवेन्यू बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिओम यादव ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि सिरसागंज तहसील के सृजन के उपरांत तहसील जसराना के करीब 70 ग्रामों को शिकोहाबाद तहसील में समायोजित किया गया था, इन 70 ग्रामों का निबंध कार्य नियम अनुसार सब रजिस्ट्रार कार्यालय में होना चाहिए, लेकिन निबंधन कार्य सब रजिस्ट्रार जसराना में हो रहा है जो नियम विरुद्ध है । उन्होंने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि 70 ग्रामों का निबंधन कार्य सब रजिस्ट्रार कार्यालय शिकोहाबाद में प्रारंभ कराया जाए। इस अवसर पर 47 शिकायतें आई और मौके पर जिलाधिकारी ने 10 का निस्तारण किया और शेष शिकायतों का अधिकारियों को निस्तारण करने के आदेश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, उप जिलाधिकारी डॉ गजेंद्र पाल सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 राम बदन राम, ईओ सुरेंद्र प्रताप सिंह आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे ।

कांग्रेसियों ने मंगल पाण्डेय की जयंती पर की पुष्पांजली अर्पित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । मातृभूमि की स्वतंत्रता को अलख जगाने वाले शौर्य , साहस और वीरता के प्रतीक अमर शहीद मंगल पाण्डेय जी की जन्मजयंती जिला कांग्रेस कार्यलय पर धूमधाँम के साथ मनाई गईं ' सभी कांग्रेसियों द्वारा उन्हें पुष्पांजलि दी गईं ' इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने कहा कि अमर शहीद मंगल पाण्डेय ने सौ सालों की गुलामी के विपरीत माहौल में मातृभूमि की आजादी के लिये जिस निडरता के साथ अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विगुल बजाया था वो वाकई अनुकरणीय है हम सबको सीख लेनी चाहिए । इस मौके पर जितेंद तिवारी , राजवीर सिंह यादव , शैलेन्द्र शुक्ला , अनिल कुमार यादव , अजय यादव , रामप्रवेश यादव , दीपक कुमार , काजल , नीतू देवी , दिनेश चन्द्र उपाध्याय , रणवीर सिंह , आकाश यादव , रहीश , अनिल यादव , जयपाल यादव , राजेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

डिब्रूगढ़ असम में ड्यूटी पर जा रहा आर्मी के जवान की ट्रेन से गिरकर मौत

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर ।

सिरसागंज। अलीगढ़ से ट्रेन में बैठकर डिब्रूगढ़ असम ड्यूटी पर जा रहे आर्मी के जवान की ट्रेन से गिरकर , ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई । थाना पुलिस को शनिवार दोपहर 1 बजे के करीब सूचना मिली, कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव लहटई के पास रेलवे अप लाइन ट्रैक पर एक शव पड़ा है। पुलिस ने पहुंच कर देखा तो रेलवे ट्रैक पर छत विक्षत अवस्था में शव पड़ा था । पुलिस को मृतक की जेब में आधार कार्ड मिला । जिसके अनुसार मृतक की पहचान कुलदीप सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह निवासी मंडराक कोयल अलीगढ़ उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। परिवारजन ने बताया कि कुलदीप सिंह की पोस्टिंग डिब्रूगढ़ असम में है , वह शनिवार को नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में डिब्रूगढ़ असम के लिए अलीगढ़ से बैठा था। वह किसी कारण वस ट्रेन से गिर गया और ट्रेन की चपेट में आ गया । जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। तलाई में मृतक के आई कार्ड , आधार कार्ड पुलिस को मिले हैं । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल फिरोजाबाद भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

देसी शराब सहित अभियुक्त पकड़ा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। टूंडला। थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान शुक्रवार रात्रि साढ़े आठ बजे न्यू रेलवे कॉलोनी वर्कशॉप की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दीपक कुमार निवासी वाल्मीकि बस्ती आंबेडकर पार्क बगीची कच्चा टूंडला है। पकड़े गए आरोपी के पास से तलाशी के दौरान सफेद थैले में 20 पौवआ देसी शराब के बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष का लंबी बीमारी के चलते हुआ निधन

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर। जसराना। जनपद के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जसराना के ब्लॉक प्रमुख रहे सौदान सिंह यादव का लंबी बीमारी के चलते शुक्रवार को निधन हो गया। उनके निधन पर शिक्षा जगत एवं राजनैतिक जगत से जुडे लोगों ने दुख व्यक्त किया है। आदर्श जनता इंटर कालेज के संस्थापक एवं प्रधानाचार्य सौदान सिंह यादव के निधन पर शनिवार को विद्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा के दौरान उनके द्वारा शिक्षा जगत के लिए किए गए कार्यों का याद किया। प्रधानाचार्य रामप्रकाश यादव ने कहा यह क्षेत्र के लिए अपूर्णनीय क्षति है। शोक सभा के दौरान आदर्श जनता इंटर कालेज के प्रधानाचार्य रामप्रकाश यादव, केपी सिंह, बलबीर सिंह, सुधीर बाबू, विजेंद्र सिंह, दिनेश यादव, प्रियांशू अग्रवाल, सुरेश, अशोक यादव मौजूद रहे।

दहेज के लिए पुत्री को प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर।जसराना। पिता द्वारा दहेज के लिए पुत्री को मानसिक एवं शारीरिक रुप से प्रताडित करने का आरोप लगाया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना जसराना के गांव मिलावली निवासी ओमवीर सिंह ने अपनी पुत्री की शादी फरवरी 2022 हरियाण के झज्जर निवासी कपिल यादव के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति कपिल यादव, सास प्रेम यादव के साथ सुमन यादव, प्रियांशू राव यादव, मानसी राव, रीना यादव निवासीगण गोपाल मंदिर के पास सीताराम गेट झज्जर हरियाणा द्वारा पुत्री को मानसिक एवं शारीरिक रुप से प्रताडित किया जा रहा है। पीडित पिता ने बताया कि आरोपी अतिरिक्त दहेज के रुप में दस लाख रुपए की मांग कर रहे थे। दो लाख रुपए देने के बाद भी पुत्री को मारपीट करते हुए खडीत के पुल पर छोडकर आरोपी भाग गए।

रजावली विद्युत उपकेंद्र पर मैगा कैंप का सफल आयोजन, 29 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। फिरोजाबाद/नगलाबीच। रजावली विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत शनिवार को उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु एक मैगा कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कुल 30 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 29 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जिससे उपभोक्ताओं में संतोष का माहौल देखा गया। कैंप के दौरान बकाया बिलों की वसूली को लेकर भी कार्रवाई की गई। 35 कनेक्शन बिल बकाये पर काटे गए, जिससे विभाग को ?2,44,000 का राजस्व प्राप्त हुआ। यह कार्रवाई बकायेदार उपभोक्ताओं को चेतावनी स्वरूप की गई कि समय पर बिल जमा करें अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस तरह के कैंप समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे।

विवाहिता ने पति सहित 4 लोगों पर दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर । शिकोहाबाद । थाना नगला खंगर क्षेत्र के गांव सुजनीपुर की एक विवाहिता ने अपने पति के अलावा सास, ननदो के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रिया पुत्री शिवनाथ सिंह निवासी ग्राम सुजनीपुर थाना नगला खंगर का विवाह 22 फरवरी 2023 में इन्द्रजीत सिंह पुत्र शिवमंगल सिंह राजपूत निवासी गुजरात हाउसिंग बोर्ड, पटेलवाडी, कविनगर, बापूनगर अहमदाबाद से हुआ था। विवाह के समय पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार 20 लाख रूपया नगद के साथ ही 20 लाख के आभूषण व अन्य गृहस्थी का सामान दिया था। शादी के कुछ समय तक ससुराल के लोगों ने ठीक व्यवहार किया, लेकिन एक साल बाद ही सास किरण, ननद शिल्या, मुनमुन व पति अतिरिक्त दहेज की मांग कर उसे परेशान करने लगे। वह दहेज में कार की मांग कर उसके साथ मारपीट करने लगे। ससुरालियों की मांगों से परेशान विवाहिता ने अपने मायके पक्ष को ससुरालियों के बारे में बताया तो विवाहिता के परिजनों ने ससुराल में लोगों को समझाया । इधर 16 जून को ससुरालियों ने दहेज की खातिर गाली गलौज कर जान से मारने का प्रयास किया। जिसके बाद विवाहिता अपने मायके आ गई। विवाहिता का आरोप है कि पति के अन्य से सम्बंध होने के कारण वह उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। उसी के चलते विवाहिता का गर्भपात भी करा दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर दहेज उत्पीड़न सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उपखंड कार्यालय प्रथम अरांव रोड पर लगा मेगा विद्युत बिल समाधान कैंप

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर।

सिरसागंज । दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड आगरा द्वारा 17, 18, जुलाई को करहल रोड गुरुकुल फीडर पर बिजली उपभोक्ताओं के लिए मेघा विद्युत बिल - समाधान शिविर लगाया गया , 19 जुलाई को उपखंड कार्यालय प्रथम अराँव रोड सिरसागंज पर विद्युत बिल समाधान कैंप लगाया गया । जिसमें अधिकारियों ने बिल संशोधन, खराब मीटर, विधा - परिवर्तन, बिल जमा कार्य, भार वृद्धि, नया संयोजन नजदी संबंधित समस्याओं का समाधान किया गया। तीन दिन चला मेगा विद्युत समाधान शिविर में 177 शिकायये आईं, जिसमें से 77 शिकायतों का निस्तारण हुआ। कैंप में ज्यादातर शिकायतें विद्युत भार तथा मीटर संबंधित शिकायतें आई। अधिशासी अभियंता अमित कुमार ने बताया कि तीन दिनों में 77 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। शेष शिकायतों का अधिकतम 7 दिवस में समाधान कर दिया जाएगा। सभी शिकायतों का निस्तारण संबंधित जानकारी उपभोक्ता के मोबाइल पर मैसेज कर दिया जाता है । शिविर में अमित कुमार अधिशासी अभियंता, सुमित कर्मचारी सहायक, सत्य प्रकाश एसडीओ प्रथम, संजय कुमार एसडीओ द्वितीय, मनोज गुप्ता सहायक अभियंता मीटर आदि लोग उपस्थित रहे।

उपभोक्ताओं की समस्याओं के लिए लगा निस्तारण शिविर

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

टूंडला। उपखंड कार्यालय पर मुख्य समाधान योजना के अंतर्गत एक विशेष विद्युत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री के निदेर्शानुसार प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत लगाया गया है। शिविर का उद्देश्य उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर में क्षेत्र के अनेक विद्युत उपभोक्ताओं ने भाग लिया। जिसमें उपभोक्ताओं ने बिजली मीटर से संबंधित शिकायतें, अधिक बिलिंग, गलत रीडिंग जैसी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। विभागीय अधिकारियों ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। इस मौके पर 60 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 41 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष को जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान विद्युत वितरण मंडल अधीक्षण अभियंता एसके निर्मल, अधिशासी अभियंता मीटर प्रमोद कुमार, अधिशासी अभियंता (वितरण) कालेश्वर, उपखंड अधिकारी दुष्यंत कुमार, सहायक अभियंता (मीटर) वीरेंद्र सिंह, जेई गणेश चंद्र, बिलिंग बाबू भानू राज सिंह, अमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

निलंबन होने पर पालिका कर्मचारी ने की आत्महत्या

- सुसाइड नोट में अधिशासी अधिकारी को ठहराया है दोषी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद/टूंडला। नगर पालिका टूंडला के एक कर्मचारी ने देर रात आत्महत्या कर ली। कर्मचारी ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें उसने आत्महत्या के लिए अधिशासी अधिकारी को दोषी ठहराया है। कर्मचारी की पत्नी ने नगरपालिका में पति के साथ मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस व फॉरेन्सिक टीम ने साक्ष्य जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शहर के टूंडली निवासी प्रकाश शर्मा नगरपालिका में चपरासी पद पर तैनात था। शुक्रवार को उसके द्वारा नगर पालिका में

गाली-गलौज व हंगामा करने पर पुलिस के सुपुर्द करते हुए उसे निलंवित कर दिया गया था। शनिवार सुबह परिजन सोकर उठे तो वह पंखे पर रस्सी के सहारे फंदे पर लटका हुआ मिला। यह देख परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को उसकी जेब से तीन लाइन का लिखा सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसमें आत्महत्या के लिए ईओ आशुतोष त्रिपाठी को दोषी ठहराया है। इस बीच पहुंची फॉरेन्सिक टीम ने साक्ष्य जुटाये हैं। पालिकाकर्मी की पत्नी रंजना ने पालिका में पति के साथ मारपीट करने एवं बेटी की तबियत खराब होने पर पीएफ का पैसा न दिए जाने का आरोप लगाया है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फॉरेन्सिक टीम ने साक्ष्य जुटाये हैं।

पालिका ईओ आशुतोष त्रिपाठी के मुताविक वह शराब पीकर आए दिन हंगामा करता था। गुरुवार को वह पीएफ का पैसा निकालने के लिए शराब पीकर हंगामा कर रहा था। इसके बाद उसके द्वारा नगरपालिका में सभी मारियादाओं को पार किये जाने पर पुलिस के हवाले किया था। साथ ही निलंवन की कार्रवाई की थी। पत्नी झूठे आरोप लगा रही है, पति के शराबी होने पर ही उसने जॉइंट एकाउन्ट खुलवाया था। उस दिन भी पालिका पहुंचकर पीएफ का पैसा न देने की बात कहकर गई थी।

कर्मचारी ने निलंबन पत्र पर ही तीन लाइन का सुसाइड नोट लिखा है। सुसाइड नोट में उसने लिखा है की त्रिपाठी अब आप सही नहीं रह पाएंगे।

पुलिस ने जुआ खेलते पकड़े पांच जुआरी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद। थाना नारखी पुलिस ने गश्त के दौरान जुआ खेलते हुए पाँच जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। जुआरियों के कब्जे से ताश पत्ते व 3651 रुपए बरामद हुए है। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजा है।

अवैध जुआ सट्टा की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी टूण्डला के नेतृत्व में थाना नारखी पुलिस ने राजेश्वर सिंह पुत्र स्व0 भीषमपाल सिंह, मुकेश कुमार पुत्र हेतराम, जैनेन्द्र कुमार पुत्र मेघसिंह, नूर मोहम्मद पुत्र गफूर खाँ और वीनुस खाँ पुत्र रशीद खाँ को ग्राम आलमपुर में खाली प्लाट थाना क्षेत्र नारखी से जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया है। जुआरियों से ताश पत्ते व 3651 रुपए बरामद हुए है। पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजा है।

पुलिस ने पकड़े दो शातिर चोर, चोरी का सामान बरामद

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद। थाना खैरगढ़ पुलिस ने चैकिंग के दौरान दरिगपुर पंचायत के ग्राम श्यावरी से नमामि गंगे योजना के 127 पाइपों को चोरी करने वाले दो आरोपी दुर्गेश यादव और देवी सिंह को गिरफ्तार किया गया है। चोरों के कब्जे से 127 पाइप व अवैध तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस ने दोनों चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के नेतृत्व में थाना खैरगढ पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दुर्गेश यादव एवं देवी सिंह को ग्राम सांखिनी मोड के पास से पकड़ा है। आरोपियों के पास से चोरी के 127 पाइप (जिसकी कीमत लगभग 27 लाख रुपये) बरामद हुए है। चेकिंग के

दौरान दुर्गेश यादव से 01 तमंचा 315 बोर व 01 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया है। बरामदगी के आधार पर दुर्गेश यादव उपरोक्त के विरूद्ध आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया है। दोनों पकड़े गए चोरों को पुलिस ने जेल भेजा है।

परिषदीय विद्यालयों में दिया जा रहा है स्काउट गाइड का प्रशिक्षण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

टूंडला।भारत स्काउट गाइड एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निदेर्शानुसार जिले के परिषदीय स्कूलों में जुलाई की शुरूआत होते ही स्काउट गाइड के प्रथम एवं द्वितीय सोपान के कार्यक्रम प्रारंभ हो गए हैं।

जिला कैप्टन विनीत चौधरी एवं ब्लॉक स्काउट मास्टर टूंडला रणजीत सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यक्रम के प्रथम और द्वितीय सोपान में कब बुलबुल और स्काउट,गाइड को जनपद के विभिन्न ब्लाकों में ब्लाक स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन के द्वारा विभिन्न आयाम,आपातकालीन व विभिन्न आपदाओं की जानकारी के साथ ही उनसे बचाव की भी जानकारी स्काउट,गाइड को प्रदान की जा रही है।

बच्चे इसके माध्यम से अपना व समाज का विषम परिस्थितियों में बचाव कर सकें।जिसमें पुल बनाना,बिना बर्तन के भोजन बनाना,मीनार बनाना,सेल्यूट करना,बीपी के व्यायाम की जानकारी तथा इन व्यायाम से होने वाले लाभ के विषय में जानकारी प्रदान की जा रही है। प्रथम तथा द्वितीय सोपान का प्रशिक्षण माह जुलाई 2025 से माह अगस्त 2025 तक प्रदान किया जाएगा।इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय गढी विजय में स्काउट एवं गाइड का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा के 118 वें स्थापना दिवस पर बांटे स्कूली बच्चों को बैग

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद । 'बैंक ऑफ बड़ौदा' मुख्य शाखा-फिरोजाबाद' द्वारा शनिवार को प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर को बैंक के 118 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को चॉकलेट्स एवं स्कूल बैग वितरित किए गए। बच्चों ने जैसे ही उपहार प्राप्त किए, उनके चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। बैंक द्वारा इस तरह के प्रयास से सभी बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ आर्थिक रूप से सहयोग प्राप्त होता है। बैंक ऑफ बड़ौदा का यह योगदान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और शिक्षा को नई दिशा देने में एक सराहनीय कदम है। इस प्रकार की सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़े कार्यक्रम देश के भविष्य को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के पदाधिकारी शाखा प्रबंधक गौरव, अनुभा सचान,प्रदीप यादव ,अनिल, क्रेडिट मुख्य गौरव कुमार एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ बसंती गौतम (स. अ.),शिल्पी यादव(स. अ.),निखिल बंसल (स. अ.), शिवानी (स. अ.),आलोक गर्ग (स. अ.) तथा रसोईया माता कमलेश देवी,सुनीता देवी,मिथलेश तथा सभी छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

दबंगों ने की दो बहनों से छेड़छाड़, विरोध करने बहनोई को पीटा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

टूंडला। बहन के घर से बाइक पर बहनोई के साथ आ रहीं दो बहनों के साथ बाइक रोककर गांव के ही कुछ लोगों ने छेड़छाड़ कर दी। विरोध करने पर बहनोई को पीट दिया। मामले के कुछ दिन बाद उन्हीं लोगों ने शौंच करने जा रही दोबारा से छेड़छाड़ कर दी। पीड़िताओं के पिता ने छह नामजद लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र के गांव मदावली निवासी रामवीर सिंह के दामाद रजत उनकी पुत्री पूनम व चांदनी को 27 जून रात्रि नौ बजे घर छोड़ने आ रहे थे। आरोप है कि गांव के निकट बने बजरंग वली मंदिर के पास बंबा वाली पुलिया पहुंचे थे। तभी वहां पहले से मौजूद करनपाल पोनियां, अभय उर्फ तोता, शुभम पोनियां, रोहित पोनियां, देव पोनियां, नरेंद्र पोनियां ने बाइक को रोक लिया था। साथ ही बाइक से चाबी निकालकर आरोपी उनकी दोनों पुत्रियों से छेड़छाड़ करने लगे। दामाद के विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। मारपीट होता देख गांव के लोग व परिजन आ गए। आरोपियों कानूनी कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। आरोपियों ने दोबारा 30 जून को शौंच करने दोनों बहनों से अभद्रता कर दी थी। साथ ही बेइज्जत करने धमकी व मुकदमा न लिखाने की धमकी देकर चले गए थे।

राकेश मिश्र की कृति 'समिधा' का लोकार्पण संपन्न

राज्यसभा के पूर्व सांसद और बीजेपी नेता रहे प्रोफ़ेसर बाल आप्टे की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशेष स्मृति समारोह का आयोजन नयी दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में किया गया। इस अवसर पर डॉ. राकेश मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक 'समिधा' का लोकार्पण भी संपन्न हुआ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में इस पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक प्रो. आप्टे के जीवन, उनकी विचारधारा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को समर्पित है।

समारोह में वक्ताओं ने प्रो.आप्टे के राजनीतिक जीवन, संगठन में दृष्टिकोण और राष्ट्रसेवा के प्रति उनकी निष्ठा को भावपूर्ण शब्दों में याद किया।ऐसे में 'समिधा' को एक प्रेरणादायी कृति के रूप में देखा जा रहा है।इस मौके पर सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि इस पुस्तक में प्रधानमंत्री के बारे में और अटल जी के बारे में 6 लेख हैं, दीन दयाल जी के बारे में 5 लेख हैं, सरदार पटेल और मदन दास के बारे में भी लेख हैं. इसके साथ ही पर्यावरण, नारी मुक्ति, धारा 370, कश्मीर, संस्कृत, भारतीय भाषा, विद्यार्थी जी के बारे में, महात्मा बुद्ध, धन्वंतरि और प्रोफ़ेसर बाल आप्टे के बारे में भी 3 लेख हैं.दत्तात्रेय होसबाले ने आगे कहा, प्रोफेसर बाल आप्टे जी वास्तव में कई लोगों के लिए पिता तुल्य रहे, करीब 10 साल राकेश मिश्र उनके सहायक रहे. राकेश मिश्र आप्टे जी के परिवार से जुड़े रहे, इनका संबंध आत्मीय है।दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बलवंत आप्टे जी संगठन के लिए जिए, देश के लिए काम किया। वह पहले प्रोफ़ेसर रहे फिर वकील रहे। उन्होंने अपना काम मिशन की तरह किया। वे प्रकृति से अधिवक्ता थे और उनको संस्कृत का भी अच्छा ज्ञान था। बाल आप्टे का व्यक्तित्व अद्भुत था। वह सेमिनार के प्रत्येक अंक को पढ़ते थे, टाइम मैगज़ीन के हर एक अंक को देखते थे, दुनिया के बारे में समग्रता से विचार रखते थे, आधुनिकता के मोह में न पड़ते हुए उन्होंने बौद्धिक-वैचारिक संतुलन को प्रदर्शित किया।उन्होंने संगठन के लोगों को बारीकी से समझाया, उन्होंने ग़लती करने वालों को ग़लती बताने में संकोच नहीं किया, कार्यकर्ता के साथ वह एक कार्यकर्ता की तरह रहते थे और अपने विचारों से सबको संभालते थे। वो वज्र जैसे कठोर और पुष्प जैसे कोमल थे। प्रो.आप्टे कार्यकर्ताओं के साथ सुख-दुःख में रहे, उनकी भाषा में एक रोशनी थी, नयापन था. विद्यार्थी परिषद् के लिए उन्होंने अहम योगदान दिया, आप्टे जैसे व्यक्तित्वों को रहना चाहिए था, उन्होंने कश्मीर के आंदोलन में भाग लिया।इस अवसर पर भारत सरकार में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रो.आप्टे के साथ रहकर सीखने के लिए बहुत कुछ सीखा और यह वह व्यक्ति थे जिन्होंने भाजपा को संवारने का काम किया। राकेश मिश्र ने पुस्तक में पर्यावरण को लेकर भी चर्चा की है और आज के दौर में पर्यावरण अपने आप में बहुत बड़ी चुनौती है।

पिछले 10 वर्षों में भारत ने इस दिशा में कई ठोस और बड़े कदम उठाए हैं। विशेष रूप से सोलर एनर्जी को लेकर।हम एक पेड़ लगाकर धरती द्वारा जो जीवन हमें दिया गया है हम उससे थोड़ा बहुत न्याय कर सकते हैं। प्रकृति के प्रति हमारा कुछ कर्तव्य है और इसी श्रृंखला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' जो अभियान चलाया है उसके माध्यम से आज 140 करोड़ पेड़ पूरे देश भर में लगाये गए हैं। सेव एनर्जी एंड फ़ूड के साथ पानी को संरक्षित करना भी हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इसके साथ ही प्लास्टिक पर बैन और सिंगल यूज़ प्लास्टिक को अपनाना होगा। ताकि मिशन लाइफ़ को हम पूरा कर सकें।

समारोह में इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद बांसुरी स्वराज, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता तथा प्रभात प्रकाशन के अध्यक्ष प्रभात कुमार सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

कविता

आकांक्षा यादव

अहमदाबाद (गुजरात)

तीन कविताएँ

21 वीं सदी की बेटी

जवानी की दहलीज पर
कदम रख चुकी बेटी को
मां ने सिखाये उसके कर्तव्य
ठीक वैसे ही जैसे
सिखाया था उनकी मां ने।

पर उन्हें क्या पता
ये इक्कीसवीं सदी की बेटी है
जो कर्तव्यों की गठरी ढोते ढोते
अपने आंसुओं को
चुपचाप पीना नहीं जानती है।

वह उतनी ही सचेत है
अपने अधिकारों को लेकर
जानती है स्वयं
अपनी राह बनाना
और उस पर चलने के मानदण्ड
निर्धारित करना।

सिमटता आदमी

सिमट रहा है आदमी
हर रोज अपने में।

भूल गया है
भावनाओं की कद्र
हाईटेक सुविधा व तकनीक
घर में सजाने के चक्कर में।

देखता है दुनिया को
न्यूज चैनल की निगाहों से
करता है
भावनाओं का इज़हार
व्हाट्सएप-फेसबुक की बाहों में
रील की दुनिया में
पर नहीं देखता
पास-पड़ोस का समाज।

कैद कर दिया है बच्चों को भी
वर्चुअल जीवन की
चारदीवारियों में।

चौंक उठता है
कॉलबेल की हर आवाज़ पर मानो
खड़ी हो गयी हो
कोई अवांछित वस्तु।

श्मशान

कंक्रीटों के जंगल में
गूँज उठते हैं सायरन
शुरू हो जाता है
बुल्डोजरों का ताण्डव।

खाकी वर्दियों के बीच
दहशतजदा लोग निहारते हैं
याचक मुद्रा में
और दुहाई देते हैं
जीवन भर की कमाई की
बच्चों के भविष्य की।

पर नहीं सुनता कोई उनकी
ठीक वैसे ही
जैसे श्मशान में।

चैनलों पर
लाइव कवरेज होता है
लोगों की गृहस्थियों के
श्मशान में बदलने का।

साहित्य अकादेमी में आशुतोष अग्निहोत्री ने किया एकल काव्य पाठ

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी में 'साहित्य मंच' कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी-अंग्रेजी के प्रतिष्ठित कवि आशुतोष अग्निहोत्री के एकल कविता-पाठ का आयोजन किया गया। कविताओं के पाठ से पहले श्री अग्निहोत्री ने अपनी लेखन यात्रा के बारे में बोलते हुए कहा कि मैं अब भी अपने को यात्रा में ही मानता हूँ।

साहित्य मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने का सबसे उत्तम जरिया है, यह मानकर ही मैं अपना लेखन करता हूँ और यह मेरे लिए ध्यान लगाने जैसा है। अपने काव्य पाठ की शुरुआत उन्होंने 2018 में आए अपने पहले काव्य संग्रह 'स्पंदन' की कविताओं से की। पहली कविता मैं दीप बनूँ, मैं गीत बनूँ, यह मेरी अभिलाषा है। इसके बाद उन्होंने एक दर्जन से अधिक कविताएँ प्रस्तुत कीं।

भगवान शिव पर दो कविताओं के साथ ही ही उन्होंने कृष्ण, राधा और कर्ण पर अपनी छंदबद्ध कविताएँ प्रस्तुत कीं तो मानवीय संबंधों की उष्मा को प्रकट करती ऊनी टोपी, 'रक्षाबंधन' ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। जीवन में प्रेरणा पाने के उद्देश्य को इंगित करती कविताएँ - ज़िद, आत्मा के घाव, एक अकेली कूक और ऐसे ही बड़ा नहीं हो जाता बरगद।

भारत पर लिखी कविता भरत और चक्रव्यूह पर आधारित कविता को भी श्रोताओं ने बेहद पसंद किया। कविताओं के बाद श्रोताओं और कवि के बीच संवाद में उन्होंने श्रोताओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। पूछे गए सवालों में कर्ण के चरित्र और छंदबद्ध कविता को लिखने के संदर्भ में उन्होंने अपने विचार व्यापक रूप से प्रकट किए।

ज्ञात हो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1999 के बैच के वरिष्ठ अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री के चार हिंदी कविता संग्रह - स्पंदन, ओस की थपकी, कुछ अधूरे शब्द, मैं बूँद स्वयं, खुद सागर हूँ और एक अंग्रेजी कविता संग्रह - लव, लाइफ़ एंड लोंगिंग भी प्रकाशित हैं। कार्यक्रम के आरंभ में आशुतोष अग्निहोत्री का स्वागत साहित्य अकादेमी के सचिव द्वारा अंगवस्त्रम एवं पुस्तक भेंट करके किया गया।

कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट साहित्यकार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, कवि एवं पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया।

-डॉ. विवेक गौतम

भाषा केवल संवाद नहीं, वह हमारी अस्मिता है: ओम प्रकाश माथुर

गंगटोक, विगत सोमवार को राजभवन सिक्किम, साहित्य अकादेमी नई दिल्ली एवं हिंदी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आशीर्वाद भवन में 'समकालीन परिदृश्य में लोक भाषाएँ, साहित्य एवं संस्कृति—विशेष संदर्भ: पूर्वोत्तर भारत' विषय पर एक विशेष परिसंवाद का आयोजन किया गया।इस अवसर पर सिक्किम के माननीय राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। राज्यपाल महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा केवल संवाद नहीं, वह हमारी अस्मिता है। जब कोई भाषा विलुप्त होती है, तो उसके साथ एक पूरी संस्कृति और सभ्यता भी खो जाती है। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जहां 11 भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा प्राप्त है।राज्यपाल महोदय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु साहित्य अकादमी को बधाई दी और कहा कि लोक भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर केंद्रित यह परिसंवाद आज के समय की मांग है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि वर्तमान वैश्वीकरण के दौर में, जब स्थानीय भाषाएँ एवं परंपराएँ संकटग्रस्त हैं, ऐसे आयोजनों से समाज को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के.श्रीनिवास राव ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि लोक संस्कृति का संरक्षण सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखने तथा पारस्परिक सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। वैश्वीकरण के इस दौर में अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोए रखना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इस परिसंवाद में देश भर से आए हिन्दी साहित्यकारों विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र की साहित्यकारों की उपस्थिति रही ।पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के प्रतिनिधि विद्वानों ने अपने राज्य के संदर्भ में अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम भाषायी चेतना, सांस्कृतिक विविधता और विलुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण की दिशा में एक सशक्त संकल्प था। इस दौरान वक्ताओं ने अपने मंतव्य रखते हुए क्षेत्रीय भाषाओं की चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार साझा किए।इस कार्यक्रम में प्रो. देवराज, प्रो. माधव रांड़ा, प्रो. ब्रजरतन जोशी, सिक्किम विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. अभिजीत दत्ता, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रदीप के.शर्मा, डीन प्रो.रोजी थामलिंग, राइटर-इन-रेज़िडेंस डॉ. प्रदीप त्रिपाठी,एस.डी. ढकाल प्रधान सचिव, माननीय मुख्यमंत्री, भीम ठान,अध्यक्ष, हिन्दी साहित्य सेवा समिति, नेपाली साहित्य परिषद के अध्यक्ष श्री हरि ढुंगेल सहित कई गणमान्य विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं साहित्यप्रेमियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की।अंत में अकादेमी के उपसचिव डॉ. देवेंद्र कुमार देवेश ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण में अकादेमी की भूमिका को रेखांकित किया।

'कथा रंग' के आयोजन में याद किए गए कथा मनीषी से. रा. यात्री

सुप्रसिद्ध साहित्यकार से. रा. यात्री की जयंती पर आयोजित 'कथा संवाद' की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ आलोचक डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि यात्री जी की कहानियां हर दौर में प्रासंगिक रहेंगी। वरिष्ठ लेखक मलिक राजकुमार ने कहा कि यात्री जी की कर्मभूमि पर कथा रंग की कार्यशाला रचनात्मकता के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। चर्चित लेखिका प्रज्ञा रोहिणी ने कहा कि रचना विरोधी समय में सृजन हमेशा से ही एक बड़ी चुनौती रहा है। उन्होंने कहा कि कहानी में सहजता उसका सशक्त पक्ष होता है। यात्री जी का लेखन सहजता की मिसाल है।

कथा संवाद का प्रथम चरण यात्री जी के संस्मरणों के नाम रहा। से. रा. यात्री के लेखन और व्यक्तित्व पर चर्चा के दौरान उनकी मानस पुत्री व सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ. माला कपूर 'गौहर' ने कहा कि यात्री जी ने जिस सहजता और शालीनता से जीवन जिया वह उनके लेखन में साफ झलकता है। उन्होंने कहा कि बाबूजी (यात्री जी) का सान्निध्य पूरे परिवेश को ही रचनात्मक बना देता था। वरिष्ठ रचनाकार कमलेश भट्ट 'कमल' ने कहा कि गाजियाबाद प्रवास के दौरान उन्हें यात्री जी की रचनात्मकता के विविध आयाम देखने को मिले। वरिष्ठ लेखक एवं व्यंग्यकार सुभाष चंदर ने कहा कि यह शहर कविता के लिए जाना जाता है। कहानी के लिए इस शहर को पहचाने जाने की शुरूआत यात्री जी से हुई। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भी हिंदी है, जहां-जहां भी कहानी है, वहां-वहां यात्री जी भी पहुंचे और उनके साथ-साथ यह शहर भी वहां तक पहुंचा है।प्रसिद्ध शायर सुरेन्द्र सिंघल ने कहा कि यात्री जी लेखन की हर विधा में अपनी दक्षता के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को यात्री जी की छत्र-छाया में रहने का अवसर मिला वह इस बात के साक्षी हैं कि लेखक का व्यक्तित्व और कृतित्व साथ साथ चलता है। झूठे व्यक्तित्व से शब्दों में वह आंच पैदा नहीं की जा सकती जिसका समाज अनुकरण करता है। वरिष्ठ लेखक योगेन्द्र दत्त शर्मा ने कहा कि यात्री जी के साथ उनका पीढ़ियों का रिश्ता है, जो निरंतर प्रगाढ़ होता जा रहा है। पत्रकार व लेखक अतुल सिन्हा ने कहा कि वह उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं जिन्हें यात्री जी का सान्निध्य उनके जीवन के अंतिम दशक में मिला। उन्होंने कहा कि उस दौरान यात्री जी सृजन से भले ही दूर थे, लेकिन समकालीन लेखन के प्रति पूरी तरह चेतन और जागरूक थे। उन्होंने कहा कि एक दशक से अधिक का समय शैय्या पर बिताते हुए भी यात्री जी पठन-पाठन के प्रति सजग थे।

देश दुनिया के तमाम सरोकार उनके विमर्श में शामिल रहते थे। सुप्रसिद्ध शायर दीक्षित दनकौरी ने कहा कि यात्री जी व्यक्तिगत जीवन में जितने सच्चे, खरे और बेबाक थे, उनकी यही खूबी उनके लेखन में भी विद्यमान है। सुप्रसिद्ध रंगकर्मी अनिल शर्मा ने उन्हें हिंदी कहानी का युग पुरुष बताया। कार्यक्रम का दूसरा भाग 'कथा संवाद' अपनी परंपरा के अनुसार कहानियों पर खुली चर्चा का रहा। जिसमें डॉ. बीना शर्मा ने 'भाईचारा', रश्मि वर्मा ने 'मुझे आसमान चाहिए' और शकील अहमद ने 'नई सोच' का पाठ किया। शिवराज सिंह की कहानी 'भाव' का पाठ वागीश शर्मा व विपिन जैन की कहानी 'मेरा आसमान' का पाठ डॉ. स्वाति चौधरी ने किया। पढ़ी गई कहानियों की खूबियों और कमियों पर विमर्श में श्रोताओं द्वारा शिल्प, कहन, तार्किकता पर गहन विचार के साथ नवीन संभावनाओं को खोजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मलिक राजकुमार ने रचना को प्रासंगिकता से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कहानियों में हमारा समय दर्ज होना जरूरी है, क्योंकि यह हमारे समय का आईना है। कार्यक्रम की अति विशिष्ट अतिथि प्रज्ञा रोहिणी ने कहा कि 21वीं सदी का यह समय रचनात्मकता के विस्फोट का समय है। ल

किन रचनात्मकता आलोचना के दायरे में कितना ठहरेगी और कहां इतिहास की छलनी से निकल जाएगी, यह देखना अभी शेष है। उन्होंने कहा कि जहां अभिव्यक्ति लगातार संकटों से गुजर रही हो, वहां अभिव्यक्त कर पाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रचना विरोधी समय में लेखन जोखिम का काम है और यह अच्छा संकेत है कि आप जोखिम उठा रहे हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि राजधानी को छोड़ गाजियाबाद रचनात्मकता का नया केंद्र बन रहा है, यह लेखन के भविष्य के प्रति आश्वस्त करता है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि 'कथा रंग' के आयोजन, यात्री जी की परंपरा और विरासत को निरंतर समृद्ध कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'कथा संवाद' की यात्रा अनवरत चलती रहेगी। कार्यक्रम का संचालन आलोक यात्री एवं डॉ. वीना शर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर आलोक अविरल, वंदना वाजपेई, डॉ. अजय गोयल, सिनीवाली, अशोक मिश्रा, अशोक गुप्ता, पंडित सत्य नारायण शर्मा, सुभाष अखिल, नेहा वैद, रवि पाराशर, डॉ. वीना मित्तल, संदीप वैश्य, इंद्र कुमार, प्रवीण त्रिपाठी, अंजू जैन, डॉ. गुडिया बानो, सुधा गोयल, प्रेम किशोर शर्मा, देवेंद्र 'देव', डॉ. ईश्वर सिंह तेवतिया, संदीप तौर, मौनी गोपाल तपिश, अनिमेष शर्मा, अवधेश सिंह, प्रभात चौधरी, सुरेन्द्र शर्मा, विनय विक्रम सिंह, सुमित्रा शर्मा, संजय दत्त शर्मा, राष्ट्र वर्धन अरोड़ा, ओंकार सिंह, देवेंद्र गर्ग, तन्मय यात्री, अभिनव यात्री, अविनाश, निरंजन शर्मा, दीपक श्रीवास्तव 'नीलपदम', डी. डी. पचौरी, डॉ. अल्पना सुहासिनी, गार्गी कौशिक, विश्वेंद्र गोयल, हेमलता गोयल,प्रताप सिंह, अक्षयवरनाथ श्रीवास्तव, मंजू मलिक, रिंकल शर्मा, संजीव शर्मा, प्रमोद शिशोदिया, अजय कुमार गुप्ता, अरुण कुमार गुप्ता, तिलक राज अरोड़ा, हेमेंद्र बंसल, विष्णु कुमार गुप्ता, सुरेश वर्मा, डॉ. सुमन गोयल, स्वामी अशोक चैतन्य, तेजवीर सिंह, उत्कर्ष गर्ग, विनय सिंह राठौर, संजय भदौरिया एवं प्रियंका शर्मा सहित बड़ी संख्या में साहित्य अनुरागी मौजूद थे।

पहियों पर पैर : एक सजीव यात्रा वर्णन

पुस्तक- पहियों पर पैर
लेखक - प्रो. रवि शर्मा 'मधुप'
प्रकाशक - साहित्यभूमि
मूल्य - 595/

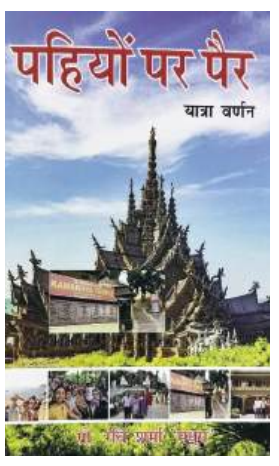

यात्रा ने मेरे भीतर जो आत्मविश्वास तथा पर्यटन प्रेम उत्पन्न कर दिया, वह कालांतर में मेरे जीवन की उपलब्धि बन गया है! मेरी रचनाएँ अक्सर लंबी हो जाती हैं; मेरे यात्रा वर्णन इसका साक्षात प्रमाण हैं। ये पंक्तियाँ पुस्तक का सार अभिव्यक्त करती हैं। मानव जीवन के प्रारंभिक क्रियाकलापों में यात्रा या भ्रमण भी एक मानवीय प्रवृत्ति थी।

वर्तमान में यह शौक भी है, मनोवृति भी, व्यवस्था भी और कभी-कभी मजबूरी भी। लेखक ने अपनी कलम और अभिव्यक्ति के माध्यम से यात्रा वृत्तांत को बहुत ही सरल और मनभावन बना दिया है। अनेक अवसरों पर तो ऐसे एहसास होता है कि हम उन दर्शनीय स्थलों से और वहाँ के सौंदर्य और इतिहास से रूबरू हो रहे हैं। यह एक कला है, या अभिव्यक्ति का चरमोत्कर्ष या फिर शब्दों का मायाजाल, पर जो भी है वह हमें यात्रा सुख का साक्षात अहसास कराता है। इसमें आप मात्र लेखक की आँखों की भूमिका को ही पर्याप्त नहीं मान सकते। इसके लिए उस क्षेत्र एवं स्थान की भौगोलिक, भाषिक, राजनीतिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, कलात्मक पृष्ठभूमि आदि का भी भरपूर ज्ञान होना चाहिए। लेखक ने स्वीकारा भी है कि उसमें गूगल बाबा की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इस सब के साथ आँखों देखा वर्णन करना पूरे यात्रा वृत्तांत को सजीव बनाता है। यह लेखक की अभिव्यक्ति क्षमता और शब्दों का विन्यास ही तो है, जो कि पाठक अपने को यात्रा स्थल के सम्मुख खड़ा पाता है।लेखक में इतिहास और वर्तमान को आपस में समायोजित करने की अद्भुत क्षमता है। भले ही यात्रा स्थल अपने स्थान पर स्थिर हैं, परंतु भाव-अभिव्यक्ति के माध्यम से पाठकों के घर-घर में पहुँच गए हैं। यह लेखक की अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है और पाठकों का भाग्य कि वे इन पर्यटन स्थलों के इतने करीब पहुँच गए हैं। मॉरीशस के सौंदर्य को तो सभी ने देखा, सुना और पढ़ा है, परंतु उसकी बसावट में अंग्रेजों के छल-कपट का परिचय लेखक के द्वारा ही पाठकों को पता चलता है। प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और मानव, विशेषकर पर्यटकों, की इसमें भागीदारी लेखक अपनी कलम के माध्यम से सुनिश्चित करते प्रतीत होते हैं।यह विलक्षण ही है कि लेखक जब खजुराहो की मूर्तियों को अभिव्यक्ति देता है, तो उसकी दमित कामनाएँ हिलोर नहीं मारती, बल्कि आध्यात्मिक और ऐतिहासिक सरोकार व्यक्त होते हैं, साथ ही विलुप्तीकरण का दुःख वह छुपा नहीं पाता। लेखक का स्पष्ट मानना है कि अगर हम अपने को भूलने वाले लोग अपनी संस्कृति, भाषा और ज़मीन से कट जाते हैं। परिणामस्वरूप ऐसे लोगों का जुड़ाव, मोह और संस्कृति का आधार न होने के कारण वे अस्तित्वहीन प्रजाति के रूप में व्यवहार करते हैं, जैसे कि आक्रांता।लेखक के ये यात्रा वृत्तांत अपने आप में भरपूर गहराई, कथा कलेवर के साथ ज्ञान के सभी पक्षों को स्पर्श करती हुई साहित्यिक रचनाएँ हैं। नएपन के साथ-साथ व्याख्या की अभिव्यक्ति में भरपूर स्वतंत्रता का आनंद भी लेखक ने लिया है। ये यात्रा वृत्तांत स्मरण मात्र नहीं हैं, बल्कि सूचनात्मक, ज्ञानपरक होने के साथ-साथ, प्रकृति, समाज, इतिहास और मानवीय संस्पर्श आदि पक्षों से संवेदनात्मक स्तर के साथ गुथें हुए भी हैं, जो यात्रा वृत्तांत के सुख को कई स्तरों तक बढ़ा देते हैं। इसमें जो समझ, सहयोग, आत्मीयता और प्रेम का मुलम्मा चढ़ाया है, उससे यात्रा वृत्तांत का और गहन, समग्रता और आत्मीयता से भरपूर हो जाना स्वाभाविक ही है। यानी यात्रा लेखक नहीं, आम पाठक कर रहा है। शब्दों के माध्यम से लेखक ने बहुत बेबाकी और ईमानदारी से स्वीकार किया है कि उनका यह शौक पूरा करने में सरकारी संस्थाओं और उनकी नौकरी की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

लेखक जब पर्यटन के लिए गए, तो उन्होंने पर्यटन को गहराई से अपने भीतर भी महसूस किया।कहा भी जाता है रचनात्मक प्रतिभा कभी निर्धन नहीं होती; उसके लिए कुछ भी निरर्थक या अनावश्यक नहीं होता है। जब आप अपनी भीतर की दुनिया में पूरी तरह से डूबे होते हैं, तो तब जो भाव अंदर से उभर कर आते हैं, उसके लिए आप किसी और से नहीं पूछते कि वे अच्छे हैं या नहीं। आपका एक मात्र लक्ष्य होता है अभिव्यक्ति, जिसे लेखक ने सराहनीय ढंग से अंजाम दिया।

ऐसी परिस्थितियों में कुछ क्षण, जो हमारे लिए बहुत निजी और महत्वपूर्ण होते हैं, उनमें हम ख़ास तौर से पूरी तरह अकेले होते हैं। सचमुच इन क्षणों को जीना, महसूस करना और अभिव्यक्त देना अपने आप में धैर्य की परीक्षा लेने वाला ही होता है। यही तो रचनाकार का सब कुछ होता है। लेखक ने अपना वही सब कुछ इस पुस्तक में परोस दिया है और इन्हीं अथक प्रयासों के कारण यह पुस्तक पठनीय बन गई है।

-संदीप नवानी

आकाशवाणी की 90वीं वर्षगांठ पर काव्य गोष्ठी आयोजित

नयी दिल्ली। 17 जुलाई 2025 को आकाशवाणी ने अपने स्थापना दिवस की 90वीं वर्षगांठ मनाई। इसी उपलक्ष्य में आकाशवाणी द्वारा एक काव्य गोष्ठी की रिकॉर्डिंग का आयोजन किया भी गया। इस सुअवसर पर काव्यपाठ हेतु अपनी-अपनी विधाओं में पारंगत रचनाकारों को आमंत्रित किया गया जिनमें कवयित्री प्रमिला भारती, लक्ष्मीशंकर बाजपेई, मासूम ग़ाज़ियाबादी, विष्णु सक्सेना, दीक्षित दनकौरी तथा युवा कवयित्री सरिता जैन प्रमुख थे। कार्यक्रम का संचालन सरिता जैन ने किया। काव्य गोष्ठी आरंभ करने से पूर्व संचालिका सरिता जैन ने आकाशवाणी के स्थापना दिवस की 90वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इस विशेष आयोजन से संबंधित आरंभिक रूपरेखा एवं कुछ विशिष्ट तथ्यों से अवगत कराया। तत्पश्चात, क्रमबद्ध तरीके से आमंत्रित रचनाकारों ने अपनी-अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ किया।काव्य गोष्ठी का प्रसारण आकाशवाणी के इंद्रप्रस्थ चैनल पर दिन रविवार दिनांक 20.07.2025 को रात्रि 08:00 बजेप्रसारित किया जाएगा।

- कुमार सुबोध

गुरूडोंगमार लेक सिक्किम की यादें

8 जून 2025 को हम लाचेन से छह बजे चल दिये गुरुडोंगमार लेक के लिए। आज हमें सत्रह हज़ार फीट की ऊंचाई पर जाना था। यदि यात्री पचास से ऊपर की उम्र के हैं या उनको स्वास्थ्य सम्बन्धी कुछ समस्या है, तो बेहतर होगा कि इतनी ऊँचाई पर और ऐसे घुमावदार रास्ते पर जाने से पहले वे अपने डॉक्टर की सलाह से कुछ दवाएं अपने साथ रखें।

पौने नौ बजे हम गुरुडोंगमार लेक पहुँच गए। वहाँ पहुँचकर ऐसा लगा जैसे किसी अलग ही दुनिया में पहुंच गए हों। अप्रतिम सुन्दरता। नीले हरे जल वाली शांत झील, पीछे पहाड़। जैसे सुंदरता में दोनों में कोई होड़ लगी हो। ठंडी हवा चल रही थी। हमारे गर्म टोप से टकराकर चलने वाली ठंडी हवा सुकून भी दे रही थी, और सिहरन सी भी पैदा कर रही थी। हर कोई इस विशाल सौंदर्य को अपने कैमरे में कैद करके ले जाने की कोशिश में जुटा था।

हम जहाँ खड़े थे, वहाँ बहुत नीचे झील के दर्शन हो रहे थे। नीचे उतरकर झील तक जाने का रास्ता भी था। काफी लोग नीचे जाकर झील के ठंडे पानी का स्पर्श भी कर रहे थे। मेरे पतिदेव ने भी ऐसा ही किया। उस प्राकृतिक सौंदर्य के दर्शन करके मैने कुछ पंक्तियाँ लिखीं-

नीला हरा स्वच्छ जल था
झील का
उत्तुंग शिखर आकर्षित करता
पहाड़ों का
कहीं धवल
कहीं मटमैले
कहीं आच्छादित
पेड़ों से लगते
जैसे नये नवेले

चारों ओर बिखरी सुंदरता किसी को भी वहाँ रुकने को मजबूर करने में सक्षम थी। किन्तु प्रकृति की मनमौजी प्रकृति से भला कौन वाकिफ नहीं है? कहते हैं कि दोपहर 12 बजे के बाद यहाँ से वापसी कर लेने में ही भलाई है। क्या पता मौसम का मिजाज कब बिगड़ जाए और लेने के देने पड़ जाएं। सचमुच मन तो कर रहा था कि अभी इस स्वर्ग में कुछ घंटे और व्यतीत करें, पर मन को काबू में करते हुए हमने भी वहाँ से वापसी करना ही उचित समझा। और इस स्वर्गीय आनन्द को मन में बसाए अपने आराम गृह की ओर चल पड़े।

- संध्या गोयल 'सुगम्या'

नई दिल्ली, रविवार 20 जुलाई 2025

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

FRONT PAGE 2

"हमने एक व्यवस्था बनाई और कहा कि ताजिया की ऊंचाई इससे अधिक नहीं रखना। अधिक ऊंचाई रहने पर आप पेड़ की टहनियां काटने, किसी के मकान का बारजा हटाने, हाईटेंशन तार हटाने की मांग करेंगे।"

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उ.प्र.

दयाशंकर सिंह ने भारतीय सेना के जांबाज नायक कैप्टन अंशुमान सिंह 19 जुलाई 2023 को सियाचिन में अपने सहयोगियों को बचाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। मेरे प्रभार जनपद देवरिया के ऐसे लाल अमर शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह की जयंती पर लखनऊ के बुद्धेश्वर चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

विशिष्ट शख्सियत

भरत महोदय

गांधीवादी मूल्यों के जीवंत प्रतीक

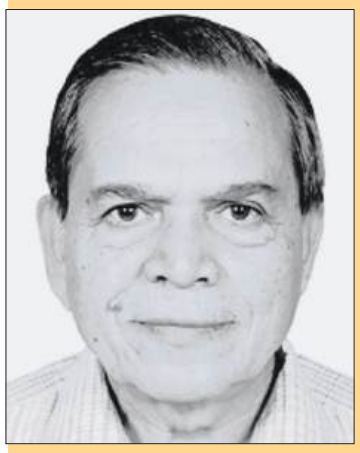

जब भी गांधीवादी सर्वोदय विचारधारा, ग्राम स्वराज, ग्रामीण उत्थान और जन सेवा भावना की बात होती है, तो महाराष्ट्र के वर्धा जिले में सक्रिय भरत महोदय का नाम गांधी जनों के बीच बहुत श्रद्धा, सम्मान और प्रेरणा के साथ लिया जाता है। वे न केवल खुद एक कर्मयोगी व्यक्तित्व हैं, बल्कि आज के दौर में उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जो बापू और विनोबा के विचारों का गहन अध्ययन और चिंतन मनन कर अपने जीवन और कार्य में आत्मसात करने का यथासम्भव प्रयास करते हैं और समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचने में जुटे हैं।

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गांधीवादी संगठन से लम्बा और गहरा जुड़ाव :भरत महोदय का जुड़ाव गांधीवादी संस्थाओं से बाल्यकाल से ही रहा। वर्धा स्थित सेवाग्राम आश्रम, विनोबा भावे के भूदान आंदोलन और सर्वोदय विचारधारा ने उनके जीवन को गहराई से प्रभावित किया। वे सरकारी सेवा से मुक्त होकर 2005 में गांधी विचार परिषद से जुड़ गए थे और इसके निदेशक के रूप में कार्यरत रहे।

यह संस्था गांधी विचार के प्रचार प्रसार के लिए जमनालाल बजाज फ़ाउंडेशन द्वारा पोषित संस्था है 1 गांधी विचार परिषद की विविध गतिविधियों में उनका खासा योगदान है 1 इस गांधीवादी संस्था से जुड़कर उन्होंने न केवल ग्राम स्वराज, स्वावलंबन और खादी आदि के रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित किया, बल्कि युवाओं और ग्रामवासियों को भी अहिंसा, सादगी और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे रहे हैं। वर्धा के आसपास जल संरक्षण के विविध कार्यों में भी उनका विशेष योगदान है 1सेवा और समर्पण का जीवन :भरत महोदय का जीवन पूरी तरह से समाज सेवा को समर्पित है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और स्वावलंबन को लेकर कई जनजागरण अभियान चलाए हैं। वे खादी पहनते हैं, मिट्टी के घर में रहते हैं और हर कार्य में स्वदेशी को प्राथमिकता देते हैं। उनका जीवन सादगी का जीवंत उदाहरण है ।युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत :वर्धा और आसपास के इलाकों में भारत महोदय युवाओं के बीच भी एक आदर्श के रूप में देखे जाते हैं। वे नियमित रूप से विद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्राम सभाओं में जाकर गांधी विचारधारा पर संवाद करते हैं। उनका कहना है—"गांधीजी के विचार केवल किताबों में नहीं, जीवन में उतरने चाहिए। तब ही असली बदलाव संभव है।

"प्राकृतिक जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षणवे पर्यावरण संरक्षण के भी सजग प्रहरी हैं। उनके प्रयासों से कई गांवों में वृक्षारोपण, जल संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा मिला है। वे मानते हैं कि "प्रकृति के साथ संतुलन में ही मानवता की रक्षा है।"

भारत में मोंटेनेग्रो राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन किया गया

भारत में 13 जुलाई, 11 जुलाई को मोंटेनेग्रो राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूद प्रमुख हस्तियों की चकाचौंध से हुई। भारत में तैनात राजदूतों, उच्चायुक्तों और राजनयिकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और दुनिया भर में मोंटेनेग्रो की सद्भावना का स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में श्री के.सी. त्यागी (पूर्व सांसद और जेडीयू के मुख्य महासचिव), श्री गौतम लाहिरी (प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष), श्री विजय कांत मिश्रा (कार्यकारी उपाध्यक्ष, इंडो-चाइना ट्रेड सेंटर), इरिट्रिया के राजनयिकों के डीन और भूटान के उप डीन, के साथ-साथ अरब लीग, एएआरडीओ सदस्यों और कई अन्य देशों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

भारत सरकार की ओर से, विदेश मंत्रालय द्वारा नामित मुख्य अतिथि, सुश्री पूजा कपूर ने भारत और मोंटेनेग्रो के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार वृद्धि और पर्यटन की सराहना की। भारत में मोंटेनेग्रो की मानद महावाणिज्य दूत, माननीय डॉ. जैनिस दरबारी ने लोकतांत्रिक मूल्यों पर अपने भाषण में, युद्धरत राष्ट्रों के बीच संवाद और विचार-विमर्श की मजबूती पर ज़ोर दिया। उन्होंने 2006 में मोंटेनेग्रो के जनमत संग्रह पर प्रकाश डाला, जिसकी संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान ने सराहना की थी।

विश्व शांति के लिए अपने निरंतर प्रयासों में, उन्होंने पीटीसी टेलीविज़न के साथ बनाई गई अपनी आगामी फीचर फिल्म का एक प्रोमो जारी किया। भारत और मोंटेनेग्रो के बीच फलदायी सहयोग के सपनों को साकार करते हुए, वह श्रीमती शीला दरबारी, डॉ. जैनिस दरबारी और डॉ. राज दरबारी द्वारा लिखित 'द रियल स्टोरी - द एडमिनिस्ट्रेटर: जगदीश्वर निगम आई.सी.एस. बनाम द ब्रिटिश राज' नामक सच्ची कहानी पर आधारित एक फिल्म बनाने की कल्पना करती हैं।

उत्तर प्रदेश के हृदय स्थल बलिया से आए प्रतिनिधि, पूर्णानंद हाई स्कूल दुबेछपरा के प्रोफेसर सुधांशु मिश्रा, श्री बीरेंद्र माली और श्री अरुण कुमार (इंडियन एक्सप्रेस न्यूज़ ग्रुप) ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि मानद महावाणिज्य दूत का बलिया से भावनात्मक जुड़ाव है, जिसने बलिया को विश्व इतिहास के अध्यायों में आसमान छू दिया है। उनके दादा जगदीश्वर निगम, 1923 बैच के आई.सी.एस. अधिकारी, ने बलिया में ही स्वतंत्रता की घोषणा की थी और साम्राज्यवाद से लोकतंत्र तक की नीति लिखी थी।₹19 अगस्त 1942 को बलिया की स्वतंत्रता के साक्षी, 95 वर्षीय वयोवृद्ध श्री रामविचार पांडे का सभी उपस्थित लोगों ने स्वागत किया।

उत्तराखंड से आए प्रतिनिधिउन्हू इनोवेशन सेंटर के संस्थापक और सीईओ श्री क्षितिज डोभाल, उत्तराखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और उत्तराखंड फिक्की एफएलओ की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने अपने प्रतिनिधिमंडल को एक देश के राष्ट्रीय दिवस का साक्षी बनने और लगभग 80 देशों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करने के लिए महावाणिज्य दूत का आभार व्यक्त किया।

विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों में प्रमुख पत्रकार और मीडिया हस्तियाँ, स्काई न्यूज़ के श्री नेविल लाज़ारस, पीटीसी पंजाब टेलीविज़न के ब्यूरो प्रमुख श्री नारायण, न्यूज़ मीडिया 24x7 के प्रधान संपादक श्री मारूफ़ रज़ा और दूरदर्शन के श्री अशोक श्रीवास्तव, एएनआई न्यूज़ चैनल के श्री शाहिद सईद शामिल थे। उन्होंने कहा, दिविता कन्नोरिया द्वारा वैदिक संग्रह 'तथा' के लकी ड्रॉ पुरस्कार और अशोक होटल के शेफ़ संजय बाबू दसारी द्वारा पकाया गया मोंटेनेग्रिन भोजन उत्कृष्ट थे।

पूरा माहौल मधुर, सशक्त मोंटेनिग्रिन संगीत से सराबोर था, जो 'लारा की थीम' पर थिरक रहा था, और बॉलरूम डांस में डिज़ाइनर रोज़ी अहलूवालिया के परिधानों का प्रदर्शन हो रहा था। मोंटेनिग्रो का राष्ट्रीय दिवस एक अविस्मरणीय क्षण बन गया जब उन्होंने लेखिका, लेखिका और फिल्म निर्माता सुश्री राज दरबारी द्वारा रचित एक मनमोहक शाम में सुकून का अनुभव किया।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने आज स्वास्थ्य शिविर में सेवायें प्रदान कर रही टीम से भेंटकर उनका हालचाल लिया

सेवा ही सच्ची साधना: स्वामी चिदानन्द सरस्वती

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

ऋषिकेश, । परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश द्वारा, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से राजाजी नेशनल पार्क, बाघखाला में चल रहा निःशुल्क चिकित्सा शिविर, शिवभक्ति और सेवा का अनुपम संगम है।

गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रारम्भ हुए इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से प्रतिदिन हजारों शिवभक्तों को स्वास्थ्य सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं ।इस स्वास्थ्य सेवा शिविर में प्रतिदिन 18 से 20 नर्सेज, चिकित्सकों और स्वयं सेवकों की समर्पित टीम सुबह 06 बजे से रात 8 बजे तक, लगभग 14 घण्टे प्रतिदिन निरंतर सेवायें देकर 3000 से 5000 शिवभक्तों का उपचार कर रही है। नीलकंठ जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिये यह सेवायें जीवनदायिनी साबित हो रही है ।आज परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने स्वयं शिविर में सेवायें प्रदान कर रही चिकित्सा टीम से भेंट की, उनका हालचाल लिया और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। स्वामी जी ने कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है। यह निःस्वार्थ सेवा शिविर न केवल शिवभक्तों की शारीरिक पीड़ा को दूर कर रहा है साथ ही यह करूणा की अभिव्यक्ति का एक जीवंत उदाहरण है ।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने चिकित्सकों, नर्सों और सेवा कार्य में लगे समर्पित स्वयंसेवकों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि "हमारा उद्देश्य केवल चिकित्सा देना नहीं है, बल्कि तीर्थयात्रा को सुरक्षित, स्वच्छ और सत्कारमय बनाना है। यह शिविर एक संदेश है कि जब अध्यात्म और विज्ञान, श्रद्धा और सेवा, ध्यान और चिकित्सा साथ चलें, तभी सम्पूर्ण कल्याण सम्भव है।"स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि कांवड़ यात्रा श्रद्धा, साधना और संयम का महा संगम है। यह पवित्र जल लाने की एक दिव्य परंपरा के साथ आत्मशुद्धि, प्रकृति-प्रेम और समाजसेवा का जीवंत उदाहरण है। लाखों शिवभक्त जब नंगे पांव, हरहर महादेव के जयघोष के साथ यात्रा करते हैं, तो यह राष्ट्र की आध्यात्मिक शक्ति को जाग्रत करते हैं।

स्वामी जी ने कांवड यात्रियों व शिवभक्तों का आह्वान करते हुये कहा कि यात्रा के दौरान स्वच्छता, शांति, अनुशासन और सद्भाव का पालन करें। यही सच्ची शिवभक्ति है। शिवजी केवल मंदिरों में नहीं, हमारे व्यवहार, करुणा और सेवा में प्रकट होते हैं। यही शिवत्व को जीवन में उतारने का मार्ग भी है।"शिविर में सामान्य चिकित्सा, प्राथमिक उपचार, ब्लड प्रेशर, शुगर जांच, दवा वितरण आदि सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, तीर्थयात्रियों को स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और योग-प्राणायाम की भी प्रेरणा दी जा रही है। साथ ही बैराज ले लेकर स्वर्गाश्रम तक जल मन्दिरों व जल टैंकर के माध्यम से स्वच्छ पेयजल सेवायें भी परमार्थ निकेतन द्वारा प्रदान की जा रही हैं।

स्वामी जी कावंड यात्रा को स्वच्छ, सुरक्षित और सहज बनाने हेतु माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी जी और पूरी टीम को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर परमार्थ निकेतन की टीम, ग्लोबल इंटरफेथ एलायंस, डिवाइन शक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर दो अलग अलग दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत, 19 घायल

मथुरा (उप्र), (भाषा) यमुना एक्सप्रेसवे पर बलदेव पुलिस थाना अंतर्गत दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने कहा, ''पहली घटना शनिवार को तड़के तीन बजे उस समय हुई जब आगरा जा रही एक मिनी बस संभवतः ड्राइवर को झपकी आने से एक भारी वाहन से टकरा गई जिससे घटनास्थल पर ही छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' उन्होंने बताया कि मृतकों में तीन लोग एक ही परिवार के हैं जिनमें धर्मवीर (55), उनका बेटा रोहित (20) और छोटा बेटा आर्यन (16) आगरा के हरलालपुर गांव के निवासी हैं। अन्य मृतकों की शिनाख्त दलवीर उर्फ फुल्ले (26) और उसका भाई पार्थ सिंह (22) निवासी मुरैना (मध्य प्रदेश) एवं दुष्यंत (22) निवासी अमेठी के रूप में की गई है।

दिल्ली के द्वारका में करंट लगने से युवक की मौत मामले में पत्नी और चचेरे भाई को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के द्वारका में एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत के कुछ दिन बाद उसकी पत्नी और चचेरे भाई को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस को संदेह है कि दोनों ने युवक को नशीला पदार्थ खिलाने के बाद उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि 13 जुलाई को उत्तम नगर स्थित माता रूपरानी मग्गो अस्पताल से करण देव की मौत के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, महिला और उसका साथी (जो करण के चाचा का बेटा है) को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि कथित तौर पर उसकी पत्नी और उसके साथी ने करण को नींद की गोलियां देने के बाद बिजली का झटका देकर मार डाला। हत्या के बाद वह पास में ही अपने ससुराल वालों के घर गई और उन्हें बताया कि करण की मौत हो गई है जिसके बाद वे उसे अस्पताल ले गए।

श्रावण मास में भव्य रुद्राभिषेक अनुष्ठानः

केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने पूज्य गुरुदेव जी के सान्निध्य में किया 1,25,000 पार्थिव शिवलिंग पूजन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

श्रावण के पवित्र माह में श्री हरिधामेश्वर महादेव मंदिर के पावन प्रांगण में पूज्य गुरुदेव आनंदपीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 स्वामी बालकानंद गिरि जी महाराज के दिव्य सान्निध्य में एक भव्य रुद्राभिषेक और 1,25,000 पार्थिव शिवलिंग पूजन का अनुष्ठान संपन्न हुआ।

इस पुनीत अवसर पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के यशस्वी केंद्रीय राज्य मंत्री, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के राज्य मंत्री, वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूज्य महाराज श्री के परम शिष्य माननीय श्री हर्ष मल्होत्रा जी ने सपत्नीक सहभागिता की। वेद मंत्रों और श्री रुद्राष्टाध्यायी के सतत पाठ से गुंजायमान मंदिर प्रांगण में भूत भावन, आशुतोष, अवढरदानी भगवान महादेव का षोडशोपचार पूजन और रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। यह अनुष्ठान लोक कल्याण, समृद्धि और विश्व शांति के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से सभी शिवभक्तों को कृतार्थ किया। हर्ष मल्होत्रा जी एवं उनकी धर्म पत्नी श्रीमती बबीता मल्होत्रा जी ने पूज्य गुरुदेव के मार्गदर्शन में इस अनुष्ठान को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बताया तथा इसे लोक कल्याण के लिए समर्पित एक पवित्र कार्य कहा।

इस पावन अनुष्ठान में गुरमीत कौर जी (मयूर विहार भाजपा, मंडल महामंत्री), अनन्त श्री विभूषित श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी गुरु दीदी माँ मंजू श्री जी, पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी शिवभक्त आचार्य श्री मनीष जोशी जी, श्री गिरिराज जी सहित अनेक सन्यासियों और भक्तों की गरिमामयी उपस्थिति रही। हरिधाम साई ट्रस्ट इस अनुष्ठान के आयोजन के लिए सभी शिवभक्तों, सहयोगियों और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

स्वामी वी.पी.एल. मीडिया प्रा. लि. के लिए प्रकाशक व मुद्रक वेंकटेश गुप्ता द्वारा आर.डी प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स प्रा. लि. ए-41, सेक्टर 8, नोयडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित व फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048 से प्रकाशित। DELHIN/2015/65411, संपादक : विपिन कुमार गुप्ता।
संपादकीय कार्यालय- फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048,ईमेल -news.vpl@gmail.com फोन नं.-011 49066569। प्रसार व विज्ञापन विभाग -ईमेल vplmedia@yahoo.com, समस्त विवाद के लिए न्याय क्षेत्र नई दिल्ली ही मान्य होगा।